FOCUS NEWS
फोकस न्यूज

facebook.com/fnind
x.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in

www.focusnews.co.in
@FocusnewsIn

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। सोमवार 24 मार्च 2025। दशमी, फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष। 2081 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 12। अंक : 248

भारत को टीबी-मुक्त बनाने के लिए मिलकर करें काम, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की अपील

नई दिल्ली। फोकस न्यूज। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि टीबी (क्षय रोग) ने दुनिया भर में करोड़ों लोगों को सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने सभी लोगों से मिलकर काम करने की अपील की ताकि भारत को टीबी–मुक्त बनाया जा सके। विश्व क्षय रोग दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत किए गए संयुक्त प्रयासों से देश में टीबी के मामलों में कमी आई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'मैं सभी हितधारकों और लोगों से अपील करती हूं कि वे मिलकर काम करें और भारत को टीबी–मुक्त बनाएं।' राष्ट्रपति ने टीबी को एक राष्ट्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि यह बीमारी न केवल सेहत पर असर डालती है बल्कि लोगों के जीवन और आजीविका को भी प्रभावित करती है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस साल के विश्व क्षय रोग दिवस की थीम 'हां, हम टीबी को खत्म कर सकते हैं: संकल्प लें, निवेश करें और पूरा करें' इस बात को दर्शाती है कि टीबी को खत्म करने के लिए पूरी दुनिया को एकजुट होकर काम करना होगा।

केवल तीन साल में 70 फीसदी से अधिक वादे पूरे किए : मुख्यमंत्री धामी

। कृष्णा अग्रवाल ।

देहरादून, फोकस न्यूज, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उनकी सरकार ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किए गए वादों में से 70 फीसदी को पूरा कर दिया है और शेष सभी वादों को भी वह अगले चुनाव से पहले पूरा कर देगी। राज्य में अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने पर यहां परेड ग्राउंड में एक कार्यक्रम में धामी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को राज्य सरकार द्वारा आर्थिक सहायता देने, उपनल एवं संविदाकर्मियों को नियमित नियुक्ति के लिए शीघ्र एक ठोस नीति तैयार करने तथा दस करोड़ रुपये तक के सरकारी कार्य केवल स्थानीय ठेकेदारों से ही कराए जाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भाजपा की सरकार है जो हर वर्ष अपना रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखती है और अपने वादे पूरे करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा, कांग्रेस की तरह नहीं है जो सिर्फ चुनाव के समय जनता के बीच आती है और फिर पांच वर्षों तक उन्हें उनके हाल पर छोड़ देती है। धामी ने कहा, "हम 2022 (विधानसभा चुनाव) में जारी अपने दृष्टिपत्र (घोषणापत्र) के 70 फीसदी से अधिक वादों को मात्र तीन वर्ष में धरातल पर उतारने में सफल रहे हैं और मुझे विश्वास है कि हम अगले चुनाव तक अन्य वादों को भी पूरा करने में आप सभी (जनता) के आशीर्वाद से सफल होंगे।" धामी ने कहा कि उत्तराखंड की जनता ने विधानसभा चुनाव में मिथक तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार भाजपा को विजयी बनाकर एक नया इतिहास बनाया और उनके उस विश्वास पर (शेष पेज दो पर)

भाजपा सरकार का बजट दिल्ली की सर्वांगिण विकास के साथ ही समाज के हर वर्ग के लिए लाभकारी होगा : वीरेन्द्र सचदेवा

नई दिल्ली, फोकस न्यूज, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने दिल्ली के लिए पेश होने वाले आगामी बजट को लेकर कहा है कि आने वाला बजट दिल्ली की जनता को समर्पित बजट होगा और हमने अपने संकल्प पत्र में जो कुछ भी कहा है उसको समर्थित बजट होगा। श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की हमारा पहला संकल्प है दिल्ली का सर्वांगिण विकास और उसके लिए हर क्षेत्र और समाज वर्ग के लिए बजट में प्रावधान होगा चाहे वह युवा हो, महिला हो, किसान हो या फिर व्यापारी वर्ग हो। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता के सुझावों पर तैयार किया गया यह बजट होगा। दिल्ली को (शेष पेज दो पर)

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने 14 विधायकों को एमसीडी के लिए मनोनीत किया

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली नगर निगम के लिए 14 विधायकों को मनोनीत किया है, जिससे अगले महीने महापौर चुनाव जीतकर 'ट्रिपल इंजन' सरकार बनाने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आकांक्षाओं को बल मिला है।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा सनराइजर्स

अपनी दमदार बल्लेबाजी और अनुभवी गेंदबाजों की उपस्थिति में सनराइजर्स हैदराबाद रविवार को रा. जस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

गोरैयाः कहां गायब हो गई यह छोटी चिड़िया?

हमारे आसपास के परिवेश में हम जितने पक्षी देखते थे, उनमें से कई पक्षी गायब हो रहे हैं। पक्षियों का विलुप्त होना पर्यावरण के संतुलन के लिए एक गंभीर संकट है।

पैर से छूना वर्जित

भारतीय संस्कृति मानवीय मूल्यों की थाती है। वह पग–पग पर मनुष्य को अनुशासित करती है। हमारी संस्कृति जीवन मूल्यों को अपने मन से अपनाने पर बल देती है।

सिनेमा दिलों को जोड़ता है– कीर्ति कुल्हारी

अपनी काबिलियत के दम पर बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी 07 फरवरी को रिलीज हुई फिल्म 'बैडएस रवि कुमार' (2025) में हिमेश रेशमिया के अपोजिट लैला के कि. रदार में नजर आई।

बिहार में पुरानी खोई हुई जमीन तलाशती कांग्रेस

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में कांग्रेस के प्रयोग अपने ही गठबंधन के साथियों के लिए उनकी ही चुनौतियों को बढ़ाते जा रहे हैं।

टाटा कम्युनिकेशंस वित्त वर्ष 2025–26 में करेगी 20 करोड़ डॉलर का निवेश

टाटा कम्युनिकेशंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी ए एस लक्ष्मीनारायणन ने कहा कि वित्त वर्ष 2025–26 में 20 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश किए जाने की संभावना है।

" रिश्ता "

कोई भी रिश्ता अपनी मर्जी से नही जुड़ता क्योंकि आपको कब.. कहां.. किससे मिलना है ये सिर्फ़ ऊपरवाला तय करता है।

दादी जी को धार्मिक किताब पढ़ते देख कल्लू ने अपनी मां से पूछा...

मां दादी जी कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं?

मां - बेटा ये लास्ट ईयर की तैयारी कर रही हैं...!!!

BSNL ने निजी कंपनियों की बढ़ाई टेंशन, एक रिचार्ज में 3 लोगों का कनेक्शन, सभी को फ्री मिलेगी कॉलिंग और डेटा

नई दिल्ली। रिचार्ज प्लान्स को लेकर जियो, एयरटेल, वीआई और बीएसएनएल के बीच में तगड़ा कॉम्पटीशन मचा हुआ है। सभी टेलिकॉम अपनी तरफ ग्राहकों को लुभाने के लिए नए नए रिचार्ज प्लान्स ला रही हैं। निजी कंपनियों को टक्कर देने के लिए अब सरकारी टेलिकॉम कंपनी ठैछस् अब तक का सबसे बड़ा धमाकेदार ऑफर लेकर आ गई है। ठैछस् ने एक ऐसा प्लान पेश कर दिया है जिसमें सिर्फ एक प्लान में 3 कनेक्शन्स दिए जा रहे हैं।

इन यूजर्स के लिए आया नया प्लानः पिछले कुछ समय में बीएसएनएल टेलिकॉम इंडस्ट्री में (शेष पेज दो पर)

सड़कों के चौड़ीकरण और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाएं अधिकारी : योगी आदित्यनाथ

कानपुर, फोकस न्यूज, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में सड़कों के चौड़ीकरण और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाएं और होमगार्ड व प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों को यातायात नियंत्रण का प्रशिक्षण दिया जाए। योगी ने कानपुर नगर के नवीन सभागार सरसैया घाट में मंडलीय समीक्षा बैठक के दौरान विकास कार्यों और कानून–व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कानपुर सहित मंडल के सभी जनपदों में सड़कों के चौड़ीकरण और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए जनसंख्या घनत्व को देखते हुए यह जरूरी है। (शेष पेज दो पर)

आरएसएस ने 'सौहार्दपूर्ण, संगठित हिंदू समाज' के निर्माण का संकल्प लिया

बेंगलुरु, फोकस न्यूज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपनी सर्वोच्च निर्णायक संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में विश्व शांति और समृद्धि के लिए "सौहार्दपूर्ण और संगठित हिंदू समाज" के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया। रविवार को संपन्न हुई तीन दिवसीय बैठक में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा, भाजपा महासचिव बी एल संतोष और आरएसएस से संबद्ध 32 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। आरएसएस ने अपने प्रस्ताव में कहा कि भारत एक प्राचीन संस्कृति है, जिसकी समृद्ध परंपराएं हैं और इसमें सामंजस्यपूर्ण विश्व बनाने के लिए भरपूर ज्ञान है। आरएसएस ने कहा, "हमारा विचार संपूर्ण मानवता (शेष पेज दो पर)

पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के भाजपा की केरल इकाई के प्रमुख बनने की है प्रबल संभावना

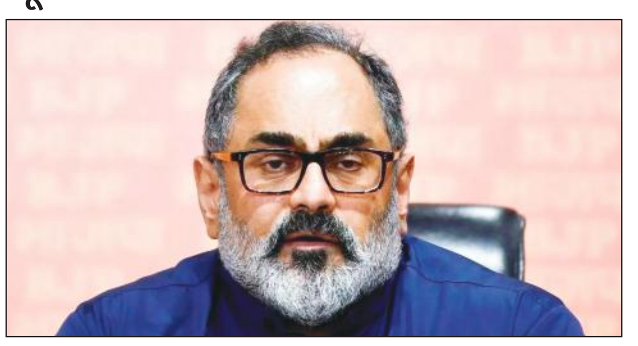

तिरुवनंतपुरम, फोकस न्यूज, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष पद के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के एकमात्र नामित उम्मीदवार होने के बीच उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने की प्रबल संभावना है। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सोमवार को पार्टी की प्रदेश कार्यपरिषद की बैठक के बाद इस संबंध में औपचारिक घोषणा की जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक प्रह्लाद जोशी संभवतः सोमवार को उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा करेंगे। रविवार को चंद्रशेखर ने राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में इस पद के लिए नामांकन पत्रों के दो सेट दाखिल किए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन और वरिष्ठ भाजपा नेता कुम्मनम राजशेखरन, वी मुरलीधरन, पी के कृष्णदास, एम टी रमेश के साथ–साथ केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और जॉर्ज कुरियन भी मौजूद थे। चंद्रशेखर (60) के पास दो दशक का राजनीतिक अनुभव है। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी, कौशल विकास और उद्यमिता तथा जल शक्ति विभागों के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया है। उन्होंने तीन बार कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता के (शेष पेज दो पर)

आप सत्ता के लिए नहीं, भगत सिंह–आंबेडकर के सपनों को पूरा करने के लिए राजनीति में आई: केजरीवाल

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी सत्ता के लिए नहीं बल्कि स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह और समाज सुधारक भीमराव आंबेडकर के सपनों को पूरा करने के लिए राजनीति में आई है। 'आप' के 'एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में आने के बाद दोनों महापुरुषों की विरासत का अनादर करने का आरोप लगाया। शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि देने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। केजरीवाल ने कहा, "हमारे आदर्श बाबासाहेब आंबेडकर और भगत सिंह हैं। भगत सिंह कहते थे कि सिर्फ अंग्रेजों को हटाना ही काफी नहीं है, समाज का ढांचा बदलना होगा। नहीं तो गोरे अंग्रेज तो चले जाएंगे लेकिन काले अंग्रेज आ जाएंगे।" केजरीवाल ने कहा, "बिलकुल यही हुआ है। आज के शासक अंग्रेजों से भी बदतर हैं।" उन्होंने कहा कि दिल्ली में सत्ता संभालने के 48 घंटे के भीतर ही भाजपा ने (शेष पेज दो पर)

बने रहें नाजुक गुलाबी होंठ

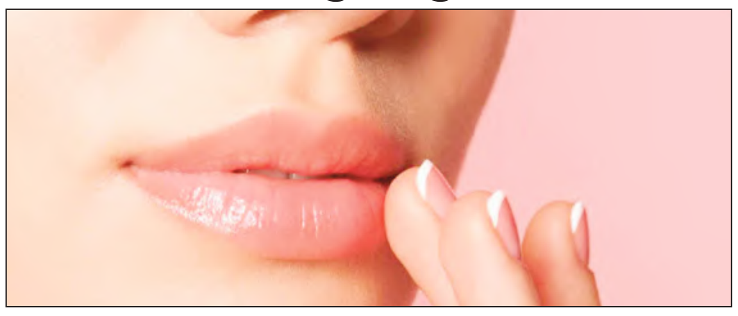

चेहरे की सुंदरता को चार चांद लगाते हैं नाजुक–गुलाबी होंठ। अगर इनकी देखभाल हर मौसम में न की जाए तो यही होंठ भद्दे लगेंगे और इससे चेहरा भी प्रभावित होगा। अपने चेहरे की सौम्यता बरकरार रखने के लिए होंठों पर भी पूरा ध्यान दें।

क्या करें – मक्खन में जायफल घिस कर होंठों पर लगाएं। होंठों की चमक बनी रहेगी। होंठों को फटने से बचाने के लिए रात्रि को सोने से पहले दूध की ताजी मलाई लगाएं या ताजा मक्खन। अपने खाने–पीने पर विशेष ध्यान दें। दूध–फल और सीमित चिकनाई का सेवन नियमित करें। फटे होंठों पर एंटीसेप्टिक क्रीम लगा कर सोएं लाभ मिलेगा। (शेष पेज दो पर)

आप भी बन सकती हैं अच्छी कुक

सलाद काटने से पहले सब्जियां कुछ समय पहले फ्रीजर में रखें, फिर काटें। सलाद आसानी से और अच्छा कटेगा।

दही बड़े बनाने के लिए पिसी हुई दाल में थोड़ी सी सूजी भी फेंट लें। बड़े अधिक नरम बनेंगे।

दही की कढ़ी बनाते समय कढ़ी पत्ते या मीठे नीम का बघार दें। कढ़ी अधिक स्वादिष्ट बनेगी।

उबले चावलों को खुशबूदार बनाने हेतु चावल उबालते समय एक तेज पत्ता डाल दें।

रायते को अधिक स्वादिष्ट बनाने हेतु रायता बनाते समय दही में थोड़ा सा ठंडा दूध डालें। रायता खट्टा नहीं बनेगा।

चाय बनाते समय चाय की पत्ती को पानी में अधिक देर तक न उबालें। देर तक उबले पानी की चाय का स्वाद अच्छा नहीं आता।

भिंडी गलने के बाद थोड़ा दही या नींबू का रस मिलाकर भिंडी पकाने से अधिक स्वादिष्ट बनेगी।

भरवां करेले में बचा हुआ आम के अचार का मसाला मिलाकर भरने से करेले स्वादिष्ट बनते हैं। सीताफल की सब्जी बनाते समय आम के अचार का बचा मसाला भून कर बनायें। सीताफल अधिक स्वादिष्ट बनेगा। (शेष पेज दो पर)

भाजपा सरकार... (पेज एक का शेष) पिछले 10 सालों से विकास की गति को रोकने का जो काम किया गया है, उसको पीछे छोड़ते हुए भाजपा सरकार अब विकसित दिल्ली की संकल्प के साथ आगे काम करेगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री जो खुद दिल्ली की छात्रा रही हैं ने शिक्षा के साथ–साथ अन्य विभागों पर विशेष ध्यान दिया है। सभी विभागों के पदाधिकारियों और समाज के हर वर्ग से संवाद करने का काम किया है, आने वाला बजट दिल्ली के विकास को एक नई दिशा देने का काम करने वाला है।

केवल तीन... (पेज एक का शेष) सरकार खरी उतरी है। उन्होंने कहा कि बीते तीन वर्ष उत्तराखंड के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में पिछले तीन वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, हवाई संपर्क सहित सभी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है। धामी ने कहा कि उनकी सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में 30 से भी अधिक नीतियां बनाई हैं, जिससे धार्मिक पर्यटन के साथ ही साहसिक पर्यटन, 'वेलनेस' पर्यटन के साथ ही प्रदेश एक नये 'खेल गंतव्य' और 'विवाह गंतव्य' के गढ़ के रूप में भी उभर रहा है। इस संबंध में उन्होंने दिल्ली–देहरादून एलीवेटेड रोड, ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना, हर मौसम में चालू रहने वाली चारधाम सड़क और उड़ान योजना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंत्योदय परिवारों के लिए तीन गैस सिलेंडर, पृथक राज्य आंदोलनकारियों को आरक्षण, दोनों बुजुर्ग दंपतियों को वृद्धावस्था पेंशन, सरकारी नौकरियों में खेल कोटे को बहाल करने तथा 207 प्रकार की स्वास्थ्य जांच जैसे वादों को पूरा करने के साथ ही कई उपलब्धियां भी हासिल की गयीं। धामी ने कहा कि नीति आयोग ने सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उत्तराखंड को पहला स्थान दिया है, जबकि बेरोजगारी दर में राज्य सरकार ने 4.4 प्रतिशत की कमी लाकर राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हुई है। धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने विधानसभा चुनावों के दौरान समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून को लागू करने के अपने वादे को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि 27 जनवरी 2025 से सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून लागू करने वाला उत्तराखंड, आजाद भारत का पहला राज्य है। धामी ने कहा, ''उत्तराखंड में यूसीसी की गंगा प्रवाहित होने से पूरे देश में नयी ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है और यह कानून विशेष रूप से हमारी मुस्लिम बहनों को विभिन्न प्रकार के उत्पीड़नों से मुक्ति दिलाएगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून बनाया है, जिसके कारण नकल माफियाओं के हौसले पस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन साल में 20 हजार से भी अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। कहीं कोई मामला विवाद में नहीं पड़ा और न ही कोई वाद न्यायालय में दाखिल हुआ।'' धामी ने कहा कि राज्य में पूर्ववर्ती सरकारों की विफलताओं के कारण प्रदेश की जनसांख्यिकी में गंभीर बदलाव देखने को मिल रहे थे और इस चुनौती के समाधान के लिए 'लव जिहाद', 'लैंड जिहाद' और 'थूक जिहाद' जैसी घृणित मानसिकताओं के खिलाफ कठोर कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, धर्मांतरण विरोधी, दंगा विरोधी और प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और जमीनों को भूमाफियाओं से सुरक्षित रखने के लिए सख्त भूकानून लागू किया गया। धामी ने प्रदेश खासकर देहरादून में निकाय चुनावों में भी भाजपा को जिताकर 'ट्रिपल इंजन' की सरकार बनाने के लिए जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देहरादून को आधुनिक शहर बनाने के लिए 1,400 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में देश की पांचवीं 'साइंस सिटी' का निर्माण प्रगति पर है, हर्रावाला में 300 बिस्तर की क्षमता वाले कैंसर अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है जबकि प्रदूषण को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 11 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास है कि देहरादून देश का ऐसा आधुनिक शहर बने जो देश में विकास, पर्यावरण संरक्षण और जनसुविधाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बने।'' इस मौके पर मुख्यमंत्री ने राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले नौजवानों को आर्थिक सहायता के साथ ही उनके प्रशिक्षण के लिए एक समर्पित मंच उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए नियम और निधि तय करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने राज्य में कार्यरत संविदाकर्मियों को विभिन्न सरकारी विभागों में रिक्त पदों के सापेक्ष नियमित करने की मांग पर जल्द एक ठोस नीति तैयार करने की भी घोषणा की। साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि 10 करोड़ रुपये तक के सरकारी कार्य केवल स्थानीय ठेकेदारों को ही दिए जाएंगे। उत्तराखंड के पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की 'असंसदीय टिप्पणी' के बाद राज्य में उपजे 'क्षेत्रवाद' विवाद पर धामी ने कहा कि ऐसा करने वाले न केवल प्रदेश के आंदोलनकारियों बल्कि अपनी मातृभूमि के भी खिलाफ कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''उत्तराखंड का कोई भी व्यक्ति यदि क्षेत्रवाद या जातिवाद की बात करता है, तो वह न केवल आंदोलनकारियों के साथ अन्याय करता है, जिन्होंने इस प्रदेश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, बल्कि वह अपनी मातृभूमि के खिलाफ भी कार्य करता है।'' मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सूचना एवं लोक संपर्क विभाग की विकास पुस्तिका 'सेवा, सुशासन और विकास के तीन वर्ष' का विमोचन भी किया। उन्होंने उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'उत्तराखंड कंटेंट क्रिएटर' प्रतियोगिता की भी डिजिटल तरीके से शुरुआत की। हाल में प्रधानमंत्री ने उत्तरकाशी की यात्रा के दौरान राज्य सरकार से बारहमासी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसी प्रतियोगिता आयोजित करने का सुझाव दिया था।

आप भी... (पेज एक का शेष) नान बनाते समय उसमें थोड़ी सी अजवाइन डालें। नान स्वादिष्ट बनेंगे।

भिंडी, पालक, मेथी, बथुआ आदि बिना ढके बनाएं। सब्जी का रंग हरा बना रहेगा।

फ्राई अन्डे का स्वाद बढ़ाने के लिए तवे पर थोड़ा सा मक्खन और नमक अंडे से पहले डालें, फिर अंडा डालें। करी (तरी) का अच्छा रंग लाने के लिए मसाला भूनते समय थोड़े से पानी में मिर्च घोल कर डालें। रंग भी अच्छा आएगा और तीखापन भी कम लगेगा।

पिज्जा को अधिक कुरकुरा बनाने के लिए पिज्जा बेस पर थोड़ा सा मक्खन या तेल लगा लें।

पूर्व केंद्रीय... (पेज एक का शेष) रूप में अपनी सेवा दी है। वह राजग की केरल इकाई के उपाध्यक्ष हैं। केरल में चर्चित चेहरा चंद्रशेखर ने राजग प्रत्याशी के रूप में तिरुवनंतपुरम से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन वह कांग्रेस के शशि थरूर से 16077 वोटों के अंतर से हार गये थे। गुजरात के अहमदाबाद में केरल मूल के परिवार में जन्मे चंद्रशेखर का त्रिशूर से पारिवारिक नाता है।

आरएसएस ने... (पेज एक का शेष) को विभाजनकारी और आत्म–विनाशकारी प्रवृत्तियों से बचाता है तथा सभी प्राणियों के बीच शांति और एकता की भावना सुनिश्चित करता है।'' प्रस्ताव में कहा गया कि हिंदू समाज अपने वैश्विक उत्तरदायित्व को केवल धर्म पर आधारित आत्मविश्वास से परिपूर्ण संगठित एवं सामूहिक जीवन के आधार पर ही प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेगा। इसमें कहा गया है, ''इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम सभी प्रकार के भेदभावों को खारिज करते हुए सामंजस्यपूर्ण प्रथाओं का पालन करते हुए एक आदर्श समाज का निर्माण करने का संकल्प लें, पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली पर आधारित मूल्य आधारित परिवार और आत्मसम्मान से परिपूर्ण नागरिक कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता रखें।'' प्रस्ताव में कहा गया है, ''यह संकल्प हमें एक मजबूत राष्ट्रीय जीवन का निर्माण करने, भौतिक रूप से समृद्ध और आध्यात्मिकता से परिपूर्ण होने, चुनौतियों को कम करने और समाज की सभी समस्याओं को हल करने में सक्षम बनाएगा।'' इसमें कहा गया है, ''अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा सभी स्वयंसेवकों से आह्वान करती है कि वे सज्जन शक्ति के नेतृत्व में पूरे समाज को एक साथ लेकर विश्व के समक्ष सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत का आदर्श प्रस्तुत करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करें।''

सड़कों के... (पेज एक का शेष) उन्होंने यातायात की समस्या के समाधान के लिए होमगार्ड व पीआरडी जवानों को प्रशिक्षण देने का आदेश दिया। बयान के अनुसार बैठक में जनप्रतिनिधियों ने उन्हें क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया, जिनके समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सड़कों के चौड़ीकरण से लेकर सीवर समस्या, अतिक्रमण हटाने और आईटी हब की स्थापना तक, कई मुद्दों पर मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण दिशा निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ और होली के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को बधाई दी और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति का निर्देश दिया। बैठक में दिए गए दिशा–निर्देशों को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान का पुराना गौरव लौटाने के लिए स्टेडियम निर्माण और सम्मेलन केंद्र के पास 500–1000 गाड़ियों की पार्किंग का प्रस्ताव तैयार करने को कहा। जिले में इंटीग्रेटेड मंडलीय मुख्यालय बनाने के निर्देश दिए, ताकि सभी अधिकारी एक ही स्थान पर कार्य करें और जनता को सुविधा हो। साथ ही, आईटी हब की स्थापना और अमृत–2 योजना के तहत सीवर कार्य के लिए प्रस्ताव बनाने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने गो–तस्करी, लव जिहाद, भूमि और खनन माफियाओं पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। झपटमारी और लूटपाट की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों की गश्त बढ़ाने को भी कहा। आगामी चैत्र नवरात्रि और ईद के लिए सुरक्षा और सुविधाओं की पूरी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नियमित रूप से जनसुनवाई करने और जनप्रतिनिधियों के फोन उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने ग्राम सचिवालयों को बढ़ाने और उनमें वाई–फाई व ऑप्टिकल फाइबर की सुविधा देने की बात कही। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय मित्र बनाने और सिटी फॉरेस्ट को विकसित करने का आदेश दिया।

BSNL... (पेज एक का शेष) जमकर सुर्खियों में रही है। इसके पीछे एक बड़ा कारण कंपनी के सस्ते रिचार्ज प्लान्स भी है। BSNL के पास अपने प्रीपेड और पोस्टपेड दोनों ही यूजर्स के लिए एक से बढ़कर एक प्लान्स मौजूद है। हालांकि अब ठैछस ने एक तगड़ा प्लान पेश कर दिया है जिससे रिचार्ज का एक्स्ट्रा खर्च बचने वाला है। BSNL की तरफ से इस धमाकेदार प्लान की जानकारी अपने ऑफिशियल अकाउंट से पोस्ट के जरिए दी गई है। आप इस प्लान को कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट या फिर BSNL सेल्फ केयर ऐप के जरिए ले सकते हैं। आइए आपको इसके बारे में बताते हैं।

BSNL के नए प्लान ने मचाई हलचल: बीएसएनएल ने अपने पोस्टपेड यूजर्स के लिए 999 रुपये का एक नया प्लान पेश किया है। कंपनी का यह एक फैमली प्लान है। इस प्लान की सबसे बड़ी खास बात यह है कि इसमें सिर्फ एक लोगों को रिचार्ज कराना पड़ेगा और 3 लोगों के नंबर्स को जोड़ा जा सकता है। मतलब अब एक के खर्च में तीन लोगों के नंबर चल सकते हैं। फैमली के अलग अलग लोगों के इंडिविजुअल प्लान लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। BSNL के इस 999 रुपये वाले प्लान में ग्राहकों को मिलने वाले फायदे की बात करें तो इसमें कंपनी प्राइमरी यूजर्स के साथ साथ अन्य कनेक्शन्स वाले ग्राहकों को भी अनलिमिटेड फ्री कॉलिंग ऑफर कर रही है। इसके साथ ही सभी यूजर्स 75जीबी डेटा मिलने वाला है। मतलब प्लान में कुल 300ळठ डेटा मिलेगा। इसके अतिरिक्त कंपनी सभी यूजर्स को डेली 100 फ्री एसएमएस भी ऑफर करती है।

हिंदुस्तान कॉपर का झारखंड की खदानों से 20 वर्षों में 2,400 करोड़ रुपये कमाने का लक्ष्य: सीएमडी

कोलकाता, (भाषा) सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर को उम्मीद है कि वह जेएसडब्ल्यू समूह की एक फर्म के साथ हाल में हुए समझौते से अगले 20 वर्षों में लगभग 2,400 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करेगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। जेएसडब्ल्यू समूह की साउथ वेस्ट माइनिंग लिमिटेड (एसडब्ल्यूएमएल) को झारखंड में दो ब्लॉकों के लिए खदान विकासकर्ता और परिचालक के रूप में नियुक्त किया गया है। एसडब्ल्यूएमएल को जनवरी में झारखंड स्थित राखा और चापरी नामक दो ब्लॉकों के लिए प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिये 20 वर्षों का ठेका मिला था। यह ठेका राजस्व साझा करने के आधार पर दिया गया और इसे आगे 10 वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है। हिंदुस्तान कॉपर के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजीव कुमार सिंह ने कार्यभार संभालने के बाद पीटीआई–भाषा से कहा, ''यह अनुबंध एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे झारखंड परिचालन का पुनरुद्धार होगा। यह राजस्व साझा करने के आधार पर है।

आप सत्ता... (पेज एक का शेष) सरकारी दफ्तरों से भगत सिंह और आंबेडकर की तस्वीरें हटा दीं। केजरीवाल ने कहा, ''मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या देश के लिए भगत सिंह से ज्यादा किसी ने बलिदान दिया है।'' केजरीवाल ने दिल्ली में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना को कथित तौर पर प्रतिबंधित करने के लिए भाजपा सरकार की आलोचना की। पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बस परिचालक अब महिलाओं को गुलाबी टिकट देने से मना कर रहे हैं, जब तक कि वे 'ऐप' डाउनलोड न करें। भाजपा पर अपने चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, ''वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? सुविधाओं में सुधार करने के बजाय वे मौजूदा सुविधाओं को छीन रहे हैं। अब तक उन्हें महिलाओं को 2,500 रुपये देना शुरू कर देना चाहिए था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।'' पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने कहा कि 'आप' संघर्ष से पैदा हुई है और पूरे देश में अपना मिशन जारी रखेगी। पूर्व मंत्री ने कहा, ''दिल्ली में हमारी हार रणनीतिक कारणों से हुई, लेकिन हमारी ताकत हमारे समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्हें लगा कि हम खत्म हो जाएंगे, लेकिन हम दोगुनी ताकत के साथ पूरे देश में वापसी करेंगे।'' 'आप' की दिल्ली इकाई के नवनियुक्त प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में 'आप' की जीत पर पूरे शहर में जश्न मनाया गया था, लेकिन भाजपा की जीत पर वैसा माहौल देखने को नहीं मिला। उन्होंने कहा, ''उनके विधायक अपनी जीत से हैरान हैं।'' भारद्वाज ने भाजपा पर चुनाव जीतने के लिए पुलिस, निर्वाचन आयोग और धनबल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

बने रहें... (पेज एक का शेष) टमाटर के रस में चिकनाई मिलाकर होंठों पर लेप करने से होंठ चिकने रहेंगे और उनकी लाली भी बरकरार रहेगी। होंठों के व्यायाम के लिए हंसना अति आवश्यक है। होंठों में कंपन करते हुए दिन में पांच से छः बार अवश्य मुस्कुराएं। गुलाब की एक दो पत्ती पीस लें। उसे मलाई में मिलाकर होंठों पर लगाएं. होंठ गुलाब की पंखुड़ी की तरह नाजुक, गुलाबी और खिले रहेंगे। होंठों की चमक बरकरार रखने के लिए बादाम की गिरी घिस कर रात्रि में सोते समय होंठों पर लगाएं। रात्रि में मेकअप साफ करते समय होंठों से लिपस्टिक साफ करना न भूलें।

क्या न करें – हर समय होंठों पर लिपस्टिक की लेयर लगाकर न रखें। होंठ काले पड़ जाते हैं। डार्क कलर की लिपस्टिक का प्रयोग न करें। सस्ती लिपस्टिक का प्रयोग न करें। होंठों पर बार–बार जीभ न फिराएं इससे होंठ फटेंगे और मोटे भी होंगे। बात करते समय होंठों को टेढ़ा मेढ़ा कर बात न करें। इससे होंठ फट सकते हैं। होंठों को दांतों से न चबाएं ऐसा करने से भी होंठ कट सकते हैं। अधिक चाय–कॉफी, धूम्रपान का सेवन न करें। होंठ बहुत काले हो जाएंगे।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.co.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

नमो भारत गलियारे के सबसे बड़े स्टेशन का निर्माण अप्रैल में पूरा होने की संभावना

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ को जोड़ने वाले 'नमो भारत' गलियारे के सबसे बड़े स्टेशन सराय काले खां के अप्रैल अंत तक पूरा होने की संभावना है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार निर्माण और विद्युतीकरण का काम पूरा होने वाला है। न्यू अशोक नगर और सराय काले खां के बीच के खंड पर परिक्षण संचालन इस महीने के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने कहा कि न्यू अशोक नगर और सराय काले खां स्टेशनों के बीच पटरी का काम पूरा हो गया है। सराय काले खां एक प्रमुख परिवहन केंद्र के रूप में काम करेगा। यह केंद्र नमो भारत गलियारे को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन, वीर हकीकत राय अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) और रिंग रोड से जोड़ेगा। नमो भारत स्टेशन को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से जोड़ने के लिए 280 मीटर लंबा फुट ओवरब्रिज (एफओबी) बनाया जा रहा है। एनसीआरटीसी ने कहा कि यह एफओबी विभिन्न परिवहन साधनों के बीच सुगम आवागमन सुनिश्चित करेगा। एनसीआरटीसी एफओबी का एक नेटवर्क भी बना रहा है, ताकि यात्रियों को व्यस्त रिंग रोड को आसानी से पार करने और नमो भारत स्टेशन, आईएसबीटी और मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने में आसानी हो।

मणिपुर में मुश्किल दौर जल्द खत्म होगा : न्यायमूर्ति गवई

चुराचांदपुर/इंफाल (मणिपुर), उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई ने शनिवार को उम्मीद जताई कि जातीय संघर्ष से ग्रस्त मणिपुर में ''मौजूदा कठिन दौर'' कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के सहयोग से जल्द ही खत्म हो जाएगा तथा राज्य देश के बाकी हिस्सों की तरह समृद्ध होगा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले न्यायमूर्ति गवई ने आज मणिपुर का दौरा किया और जातीय संघर्ष से प्रभावित राज्य के लोगों से शांति एवं सद्भाव बहाल करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

अधिकारियों ने बताया कि न्यायमूर्ति गवई ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन के साथ चुराचांदपुर जिले में एक राहत शिविर का दौरा किया और विस्थापित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने जिले के लमका स्थित मिनी सचिवालय से एक कानूनी सेवा शिविर और एक चिकित्सा शिविर का भी ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया। मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. कृष्णकुमार और न्यायमूर्ति गोलमेई गैफुलशिलू भी मौजूद थे।

औरंगजेब मामले पर आरएसएस नेता दत्तात्रेय होसबाले की खरी–खरी, कहा–गंगा–जमुनी तहजीब की बात करने वालों ने उसे अपना आदर्श बनाया

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को औरंगजेब के मसले पर हो रहे विवाद में खरी–खरी प्रतिक्रिया दी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक में शामिल हुए दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि जो लोग गंगा–जमुनी तहजीब की बात करते हैं, उन्होंने ही औरंगजेब को अपना आदर्श बनाया। दो टूक लहजे में आरएसएस नेता ने कहा कि औरंगजेब को अपना आदर्श बनाने वाले उसके भाई को के बारे में कुछ नहीं कहते। दत्तात्रेय होसबाले दारा शिकोह का उल्लेख कर रहे थे। दारा शिकोह को मुगल बादशाह शाहजहां ने अपना उत्तराधिकारी बनाया था और दारा शिकोह की हत्या औरंगजेब ने कराई थी। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि हमें ये सोचना होगा कि स्थानीय को सम्मान देना है या बाहर से आने वालों को आदर्श बनाना है। आरएसएस सरकार्यवाह ने कहा कि समाज कोई भी मुद्दा उठा सकता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में औरंगजेब के नाम पर सड़क थी। उसे एपीजे अब्दुल कलाम रोड किया गया। आरएसएस नेता ने कहा कि बाहर से आए आक्रांता का साथ जो मानसिकता देती है, उसके बारे में सोचना होगा। वक्फ संशोधन बिल पर भी दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि सरकार क्या कर रही है, उसे देखेंगे। सरकार सही दिशा में काम कर रही है। उन्होंने लोकसभा सीटों के परिसीमन के मसले पर दक्षिण भारत के राज्यों की आपत्ति पर भी अपनी राय रखी।

आईआईटी गुवाहाटी स्टार्टअप ने सीमाओं पर एआई–संचालित निगरानी के लिए रोबोट विकसित किए

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की निगरानी के लिए उन्नत रोबोट विकसित किए हैं जो चुनौतीपूर्ण एवं दुर्गम इलाकों में एआई–संचालित निगरानी और वास्तविक समय में निर्बाध निगरानी प्रदान करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आईआईटी गुवाहाटी द्वारा संचालित स्टार्टअप 'दा स्पैटियो रोबोटिक लेबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड' (डीएसआरएल) द्वारा विकसित रोबोट को भारत के रक्षा बुनियादी ढांचे में एकीकरण की उनकी क्षमता के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन से भी मान्यता मिली है। भारतीय सेना पहले से ही निगरानी प्रणाली के लिए फील्ड परीक्षण कर रही है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने मिस यूनिवर्स और मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 से मुलाकात की

नयी दिल्ली, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को 2024 की मिस यूनिवर्स विक्टोरिया केजर थेलविग और मिस यूनिवर्स इंडिया रिया सिंघा से मुलाकात की। एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने उनके आत्मविश्वास और समर्पण की प्रशंसा की तथा उनकी उपलब्धियों को स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें विश्वभर की महिलाओं के लिए प्रेरणा बताया तथा महिलाओं को अपने सपनों को पूरा करने तथा नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में गुप्ता ने लिखा, "मिस यूनिवर्स 2024 विक्टोरिया केजर थेलविग और मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा से मिलकर खुशी हुई। आपका आत्मविश्वास और समर्पण दुनिया भर की महिलाओं को प्रेरित करता है। आपकी उपलब्धियां निश्चित रूप से कई लोगों को अपने सपनों का पीछा करने और नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेंगी।"

शैक्षणिक संस्थानों का राजनीतिकरण बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिएः केरल के राज्यपाल

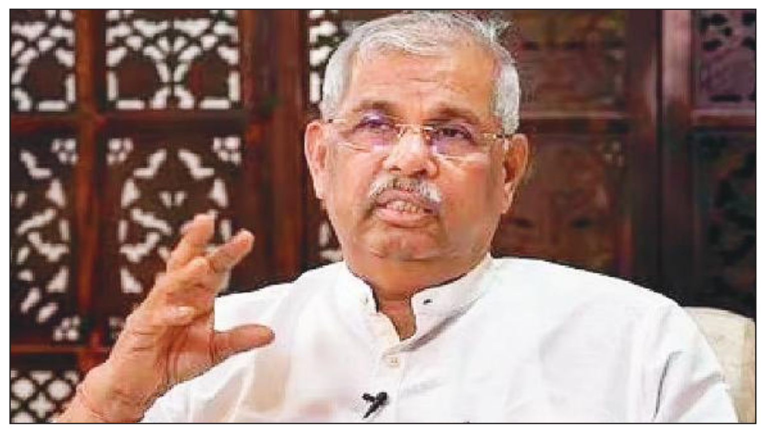

मलप्पुरम (केरल), (भाषा) केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मलप्पुरम स्थित कालीकट विश्वविद्यालय में सावरकर के खिलाफ लगे बैनर की घटना पर शनिवार को नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इस तरह के ''शैक्षणिक संस्थानों के राजनीतिकरण'' को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। आर्लेकर सीनेट की बैठक के लिए विश्वविद्यालय पहुंचे थे। उन्होंने कुलपति से कहा कि उन्हें ''ऐसी सभी चीजों'' का ध्यान रखना चाहिए। केरल के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति एवं राज्यपाल ने कहा, ''शिक्षा प्रणाली और शिक्षा संस्थान का राजनीतिकरण बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।'' आर्लेकर ने कहा कि उन्होंने एक बैनर देखा जिस पर लिखा था 'हमें सावरकर नहीं बल्कि चांसलर चाहिए'। इस पर राज्यपाल ने पूछा, ''मुझे नहीं पता कि यह कैसी सोच है? यह किस तरह की सोच है? क्या सावरकर इस देश के दुश्मन थे?'' उन्होंने कहा, ''अगर आप उनकी शिक्षा से संबंधित सोच को समझेंगे तो आपको समझ में आएगा कि उन्होंने इस समाज को क्या दिया है। उन्होंने कभी अपने बारे में, अपने घर के बारे में, अपने परिवार के बारे में नहीं सोचा... कभी नहीं। उन्होंने हमेशा दूसरों के बारे में सोचा और हमेशा दूसरों को कुछ देने की कोशिश की है।'' उन्होंने वह बैठक में सावरकर के बारे में बात करना नहीं चाहते थे, लेकिन बैनर ने उन्हें ऐसा करने के लिए ''मजबूर'' किया है। ''स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया'' (एसएफआई) ने कुछ समय पहले कथित तौर पर यह बैनर लगाया था।

गर्व की बात है कि ममता बनर्जी ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जा रही हैं: राज्यपाल

कोलकाता, (भाषा) पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने शनिवार को कहा कि यह गर्व की बात है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व्याख्यान देने के लिए ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जा रही हैं। बोस ने यहां 'सीआईआई' की बैठक के मौके पर संवाददाताओं से कहा, ''अगर बंगाल में कुछ भी अच्छा होता है तो हमें खुशी होती है। साथ ही हमें इस बात पर गर्व है कि मुख्यमंत्री ऑक्सफोर्ड जा रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह गर्व की बात है कि रवींद्रनाथ टैगोर की धरती से ताल्लुक रखने वाली मुख्यमंत्री को वहां आमंत्रित किया गया है।'' ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में बनर्जी का व्याख्यान 27 मार्च को है। अपने प्रवास के दौरान वह 25 मार्च को राज्य के लिए निवेश की मांग करने के लिए उद्योगपतियों से भी मिलेंगी। उनके 28 और 29 मार्च के बीच वापस आने की उम्मीद है। ब्रिटेन के यात्रा विवरण के तहत बनर्जी 24 मार्च को भारतीय उच्चायोग में एक कार्यक्रम में, 26 मार्च को सरकार के साथ सरकार (जी2जी) कार्यक्रम में तथा 27 मार्च को ऑक्सफोर्ड में एक अन्य जी2जी कार्यक्रम में भाग लेंगी। यादवपुर विश्वविद्यालय के स्थायी कुलपति की नियुक्ति के बारे में, जिसका प्रभार अभी कार्यवाहक कुलपति भास्कर गुप्ता के पास है और उनका कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो रहा है, बोस ने कहा, ''उनके सामने दो विकल्प हैं – या तो सेवानिवृत्त हो जाएं या फिर पदभार ग्रहण कर लें।'' पश्चिम बंगाल में राज्य प्रशासन से संबद्ध विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति बोस ने कहा, '' हम तय करेंगे कि कौन सा विकल्प बेहतर है।'' छह अप्रैल को आईपीएल मैच को कोलकाता से गुवाहाटी ले जाये जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह आयोजकों का निर्णय है और यह बात उनके ध्यान में नहीं आई है। 'कोलकाता नाइट राइडर्स' और 'लखनऊ सुपर जायंट्स' के बीच छह अप्रैल को होने वाला घरेलू मैच गुवाहाटी में स्थानांतरित किया जाना तय है, क्योंकि पुलिस ने उस दिन कोलकाता में 'रामनवमी' समारोह के कारण आईपीएल मैच के लिए सुरक्षा मुहैया कराने में असमर्थता जताई है। राज्यपाल ने कहा, '' जब यह विषय मेरे विचारार्थ आएगा, मैं उचित कदम उठाऊंगा।''

अलगाववादी शक्तियां अब भी सक्रिय, हेडगेवार का एकता का संदेश अहम : राज्यपाल राधाकृष्णन

मुंबई, (भाषा) महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि कुछ राज्यों में ''अलगाववादी'' ताकतें आज भी सक्रिय हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवसक संघ (आरएसएस) के संस्थापक केबी हेडगेवार के दिए एकता और एकीकरण के संदेश मौजूदा समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक सचिन नंदा की पुस्तक 'हेडगेवार : ए डेफिनिटिव बायोग्राफी' के विमोचन के अवसर पर यहां राजभवन में अपने संबोधन में राज्यपाल ने इस तर्क का खंडन किया कि भारत अतीत में कभी भी एक समरूप देश नहीं था। राधाकृष्णन ने कहा कि सम्राट अशोक ने कई शताब्दियों पहले भारतीय उपमहाद्वीप को एकजुट किया था। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक और पारंपरिक रूप से भारत हमेशा एकजुट राष्ट्र रहा है। राधाकृष्णन ने कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत को विभाजित किया और इस पर शासन करने में कामयाब रहे, इसलिए एकता का संदेश और भी प्रासंगिक है। राजभवन से जारी एक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने कहा कि आज भी कुछ राज्यों में अलगाववादी ताकतें सक्रिय हैं, ऐसे में आरएसएस संस्थापक डॉ. केबी हेडगेवार द्वारा प्रतिपादित एकता और एकीकरण के विचार आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने अपनी "लंबी और शानदार यात्रा में सैकड़ों देशभक्त तैयार किए", जिन्होंने निस्वार्थ भाव से जीवन जिया और देश के लिए कुर्बान हो गए। राज्यपाल ने संघ के साथ अपने जुड़ाव को याद किया और तमिलनाडु, खासकर अपने जन्मस्थान तिरुपुर में संघ के काम पर प्रकाश डाला। लेखक सचिन नंदा ने कहा कि उनकी पुस्तक हेडगेवार की प्रेरणा और दर्शन के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

मणिपुर : राज्यपाल ने कृषि महाविद्यालय में छात्रावास एवं कर्मचारी आवास का उद्घाटन किया

इंफाल, (भाषा) मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने शनिवार को कृषि महाविद्यालय और खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। राजभवन ने एक बयान में यह जानकारी दी। राज्यपाल ने इरोइसेम्बा के कृषि महाविद्यालय (सीओए) में नवनिर्मित बालिका छात्रावास और नए 'टाइप–4' कर्मचारी आवास का उद्घाटन किया।

'आप' ने विसावदर विधानसभा उपचुनाव के लिए इटालिया को उम्मीदवार बनाया

अहमदाबाद, (भाषा) गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा राज्य की विसावदर विधानसभा सीट के उपचुनाव का रास्ता साफ किये जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को अपने नेता गोपाल इटालिया को इस क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार घोषित कर दिया। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव की तारीख की घोषणा अभी नहीं की है। दिसंबर, 2023 में तब से रिक्त है, जब भूपेंद्र भयानी ने 'आप' विधायक के तौर पर इस्तीफा दे दिया था और वह सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। 'आप' ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि गुजरात में 'आप' की कोर टीम रविवार को नयी दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करके ''उनके नेतृत्व में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति तैयार करेगी।'' गुजरात उच्च न्यायालय ने 2022 के विधानसभा चुनाव में विसावदर सीट पर 'आप' के तत्कालीन विधायक भूपेंद्र भयानी की जीत को चुनौती देने वाली भाजपा नेता हर्षद रिबाडिया की चुनाव याचिका का 10 मार्च को निस्तारण कर दिया था जिससे इस सीट पर उपचुनाव का मार्ग प्रशस्त हो गया। रिबाडिया ने अपनी याचिका वापस ले ली थी जिसके बाद अदालत ने इसका निस्तारण कर दिया। रिबाडिया 2022 के चुनाव में भयानी से हार गए थे। 'आप' ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर विसावदर विधानसभा सीट के उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार के रूप में अपने राष्ट्रीय संयुक्त सचिव और गुजरात इकाई के पूर्व अध्यक्ष इटालिया के नाम की घोषणा की। जूनागढ़ जिले में विसावदर 2022 के विधानसभा चुनाव में 'आप' द्वारा जीती गई पांच सीट में से एक थी। 'आप' नेता मनोज सोरठिया ने एक बयान में कहा, ''पेशे से वकील इटालिया किसानों के लाभ के लिए कई वर्षों से सक्रिय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने गुजरात में बिगड़ती कानून व्यवस्था को सुधारने और प्रणाली से भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए लड़ाई लड़ी है।'' उन्होंने कहा कि न केवल 'आप' बल्कि गुजरात की जनता को भी उम्मीद है कि इटालिया रिकॉर्ड तोड़ बहुमत से जीत हासिल करेंगे। इस बीच, पार्टी ने कहा कि गुजरात में 'आप' की कोर टीम रविवार को दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करेगी और ''केजरीवाल के नेतृत्व में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति तैयार करेगी।'' बयान में कहा गया है कि विसावदर और कडी के उपचुनावों तथा स्थानीय निकाय चुनावों की रणनीति के अलावा टीम इस बात पर भी चर्चा करेगी कि गुजरात में संगठन को और कैसे मजबूत किया जाए तथा उसका कैसे विस्तार किया जाए। कडी से भाजपा विधायक करसनभाई सोलंकी के निधन के कारण यह सीट रिक्त हो गई है।

जलवायु नीतियां जमीनी हकीकत पर आधारित होनी चाहिएः केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह

नयी दिल्ली, केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नीतियां जमीनी हकीकत पर आधारित होनी चाहिए। पर्यावरण राज्य मंत्री ने शनिवार को 'भारत 2047: जलवायु के अनुकूल भविष्य का निर्माण' संगोष्ठी के समापन सत्र में कहा कि गर्मी से राहत कार्यक्रम जैसे आपातकालीन उपाय महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दीर्घकाल में स्थिति के अनुकूल ढलने के लिए बुनियादी ढांचे, नीति और वित्तपोषण में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों कदमों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के अनुकूल बनाने के लिए वित्तीय सहायता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर कैरोलीन बकी ने कहा कि उन लोगों की पहचान करने के लिए अधिक विस्तृत डेटा की आवश्यकता है जिनके जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित होने का खतरा है। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी सटीक अनुमान के लिए समय पर जनगणना कराए जाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। भारत ने पिछली दशकीय जनगणना 2011 में की थी। अगली जनगणना 2021 में होनी थी लेकिन इसे कोविड–19 महामारी के कारण टाल दिया गया। पर्यावरण मंत्रालय में सचिव तन्मय कुमार ने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल रणनीतियां समावेशी और समुदायों द्वारा संचालित होनी चाहिए तथा उनमें पारंपरिक ज्ञान और चलन का उपयोग किया जाना चाहिए।

केंद्र सिल्वरलाइन के पक्ष में नहीं, वैकल्पिक रेल परियोजना का प्रस्तावः मेट्रोमैन श्रीधरन

पलक्कड़ (केरल), (भाषा) 'मेट्रोमैन' के नाम से विख्यात ई श्रीधरन ने शनिवार को कहा कि केरल सरकार की महत्वाकांक्षी रेल परियोजना 'सिल्वरलाइन' साकार नहीं हो पाएगी, क्योंकि केंद्र इसके पक्ष में नहीं है। श्रीधरन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने एक वैकल्पिक अर्ध उच्चगति वाली रेल परियोजना का प्रस्ताव रखा है, जिसकी केरल सरकार और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन दोनों ने सराहना की। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री और सरकार वैकल्पिक प्रस्ताव से संतुष्ट थे, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया, क्योंकि ऐसा करने के लिए उन्हें सिल्वरलाइन परियोजना को छोड़नी पड़ती, जिसके राजनीतिक नतीजे हो सकते थे। श्रीधरन ने जोर देकर कहा कि राज्य में उनके प्रस्ताव को लागू करने की बेहतर संभावना है, क्योंकि इससे पर्यावरण को कम नुकसान होगा, न्यूनतम सार्वजनिक प्रतिरोध होगा और भूमि अधिग्रहण की चुनौतियां भी कम होंगी। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए, राज्य सरकार को पहले अपनी महत्वाकांक्षी सिल्वरलाइन परियोजना को छोड़ना होगा। उन्होंने कहा, ''वित्तीय बाधाओं सहित विभिन्न कारणों से दोनों परियोजनाएं एक साथ नहीं चल सकती हैं।'' श्रीधरन ने यह भी कहा कि रेल परियोजना को राज्य सरकार की परियोजना के बजाय केंद्र सरकार की पहल के रूप में शुरू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा करने पर ही जरूरी धनराशि मिलेगी और काम तेजी से आगे बढ़ेगा। श्रीधरन के अनुसार, प्रस्तावित परियोजना में राज्य सरकार की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। अगर राज्य सरकार उनके वैकल्पिक प्रस्ताव को मंजूरी दे देती है, तो केंद्र की मंजूरी के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी।

नियमों में लोकसभा की गुप्त बैठक का प्रावधान है; लेकिन इसका कभी उपयोग नहीं किया गया

नयी दिल्ली, (भाषा) संसदीय नियम सरकार को संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा के लिए लोकसभा की ''गुप्त बैठक'' बुलाने की अनुमति देते हैं, लेकिन इस प्रावधान का अब तक उपयोग नहीं किया गया है। इस मामले पर एक संवैधानिक विशेषज्ञ का कहना था कि 1962 के चीनी आक्रमण के दौरान कुछ विपक्षी सांसदों ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सदन की गुप्त बैठक बुलाने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू इसके लिए सहमत नहीं हुए थे। 'लोकसभा में प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियम' के अध्याय 25 में सदन के नेता के अनुरोध पर गुप्त बैठक आयोजित करने का प्रावधान है। नियम 248, उपखण्ड एक के अनुसार, सदन के नेता के अनुरोध पर अध्यक्ष सदन की गुप्त बैठक के लिए एक दिन या उसका एक भाग निश्चित करेंगे। उपधारा 2 में कहा गया है कि जब सदन गुप्त रूप से बैठेगा तो किसी भी अजनबी को चैंबर, लॉबी या गैलरी में उपस्थित होने की अनुमति नहीं होगी। लेकिन कुछ ऐसे लोग भी हैं जिन्हें ऐसी बैठकों के दौरान अनुमति दी जाएगी। अध्याय का एक अन्य नियम कहता है कि अध्यक्ष यह निर्देश दे सकता है कि गुप्त बैठक की कार्यवाही की रिपोर्ट उस तरीके से जारी की जाए, जैसा कि अध्यक्ष उचित समझें। किन्तु कोई अन्य उपस्थित व्यक्ति किसी गुप्त बैठक की कार्यवाही या निर्णयों का, चाहे वह आंशिक हो या पूर्ण, नोट या रिकॉर्ड नहीं रखेगा, या ऐसी कार्यवाही की कोई रिपोर्ट जारी नहीं करेगा, या उसका वर्णन करने का अभिप्रायः नहीं रखेगा। जब यह विचार किया जाए कि किसी गुप्त बैठक की कार्यवाही के संबंध में गोपनीयता बनाए रखने की आवश्यकता समाप्त हो गई है तो अध्यक्ष की सहमति के अधीन, सदन का नेता या कोई अधिकृत सदस्य प्रस्ताव पेश कर सकता है कि ऐसी बैठक की कार्यवाही को अब गुप्त नहीं माना जाए। यदि प्रस्ताव पारित हो जाता है, तो महासचिव गुप्त बैठक की कार्यवाही की रिपोर्ट तैयार करेंगे और उसे यथाशीघ्र प्रकाशित करेंगे। नियमों में चेतावनी दी गई है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी तरीके से गुप्त कार्यवाही या बैठक की कार्यवाही या निर्णयों का खुलासा करना "सदन के विशेषाधिकार का घोर उल्लंघन" माना जाएगा। संविधान विशेषज्ञ और लोकसभा के पूर्व महासचिव पी डी टी आचारी ने कहा कि सदन की गुप्त बैठक आयोजित करने का ''कोई अवसर'' नहीं आया है। उन्होंने पुराने लोगों से बातचीत का हवाला देते हुए कहा कि 1962 में चीन–भारत संघर्ष के दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों ने संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा के लिए गुप्त बैठक का प्रस्ताव रखा था, लेकिन नेहरू इससे सहमत नहीं हुए थे और कहा था कि जनता को पता होना चाहिए।

नए कप्तानों के नेतृत्व में जीत से आगाज करने के लिए उतरेंगे दिल्ली और लखनऊ

विशाखापत्तनम, नए कप्तान और नई टीम के साथ दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम सोमवार को जब यहां आमने–सामने होगी तो उनका लक्ष्य इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के नए सत्र का आगाज जीत से करना होगा। यह लगातार दूसरा वर्ष होगा जबकि दिल्ली की टीम अपने दो घरेलू मैच यहां खेलेगी। अपने आईपीएल करियर में अभी तक केवल दिल्ली की टीम से खेलने वाले ऋषभ पंत इस बार लखनऊ की टीम की कमान संभाल रहे हैं जिसने उन्हें आईपीएल की नीलामी में रिकॉर्ड 27 करोड रुपए में खरीदा था। अपनी महंगी कीमत के कारण पंत का चर्चा में रहना लाजमी है लेकिन यह विकेटकीपर बल्लेबाज इन सब बातों को दरकिनार कर अच्छा प्रदर्शन करके सीमित ओवरों की राष्ट्रीय टीम में अपना स्थान पक्का करना चाहेगा। पंत चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में शामिल थे लेकिन उन्हें एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला था। दूसरी तरफ के एल राहुल हैं जो पिछले दो सत्र में लखनऊ की कमान संभालने के बाद इस बार एक खिलाड़ी के रूप में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलेंगे। दिल्ली की टीम ने ऑलराउंडर अक्षर पटेल को कप्तान नियुक्त किया है लेकिन बल्लेबाजी में राहुल की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। दिल्ली की टीम में दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसी भी हैं जो पिछले साल तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कमान संभाल रहे थे। दिल्ली ने उन्हें उप कप्तान बनाया है। कागजों पर दिल्ली की टीम काफी मजबूत नजर आती है क्योंकि उसके पास विदेशी और भारतीय खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है। दूसरी तरफ लखनऊ के पास केवल छह विदेशी खिलाड़ी हैं। दिल्ली को बल्लेबाजी में जहां डु प्लेसी के अनुभव का फायदा मिलेगा वहीं गेंदबाजी में उसके पास ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क हैं। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले करुण नायर की मौजूदगी में दिल्ली का मध्यक्रम मजबूत नजर आता है जिसमें राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिज़वी और आशुतोष शर्मा भी शामिल हैं। दिल्ली की गेंदबाजी इकाई भी मजबूत नजर आ रही है जिसके स्पिन विभाग में भारत के दो अनुभवी स्पिनर अक्षर और कुलदीप यादव शामिल हैं। उसके तेज गेंदबाजी विभाग में स्टार्क के अलावा टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार और दुशमंत चमीरा शामिल हैं। लखनऊ को उम्मीद होगी कि उनके भारतीय खिलाड़ी विदेशी खिलाड़ियों के साथ अच्छी तरह से सामंजस्य बिठाएंगे। विदेशी खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिशेल मार्श केवल एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में उपलब्ध हैं। ऐसे में लखनऊ को डेविड मिलर और एडेन मार्करम की दक्षिण अफ्रीकी जोड़ी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। निकोलस पूरण के रूप में लखनऊ के पास विस्फोटक बल्लेबाज है जो अपने दम पर मैच का पासा पलट सकता है। उनके अलावा लखनऊ की टीम में आयुष बडोनी, अब्दुल समद और शाहबाज अहमद के रूप में अच्छे भारतीय बल्लेबाज हैं। लखनऊ के लिए गेंदबाजी विभाग हालांकि चिंता का विषय है क्योंकि उसके भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव, आवेश खान और आकाशदीप अभी चोटों से उबर रहे हैं। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को टीम में शामिल करने से लखनऊ को मजबूती मिली है। ठाकुर को तेज गेंदबाज मोहसिन खान के चोटिल होने के कारण उनकी जगह पर टीम में शामिल किया गया है।

टीम इस प्रकार हैं: दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर–मैकगर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसिस, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव

लखनऊ सुपर जाइंट्सः ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्करम, आर्यन जुयाल, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, अवेश खान, आकाश दीप, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, शार्दुल ठाकुर, रवि बिश्नोई।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

इशान किशन की शतकीय पारी से एसआरएच ने रॉयल्स को 44 रन से हराया

हैदराबाद, फोकस न्यूज, इशान किशन (47 गेंद में नाबाद 106) की तूफानी बल्लेबाजी संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल के शानदार प्रयासों पर भरी पड़ी, जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने रविवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को 44 रौंदकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। किशन ने रॉयल्स के कमजोर आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए 45 गेंदों पर शानदार शतक पूरा किया। ट्रेविस हेड ने पारी की शुरुआत में 31 गेंदों पर 67 रन बनाकर रॉयल्स के गेंदबाजों के खिलाफ मनमुताबिक रन बटोरे। हेड ने इस फ्रेंचाइजी के लिए पदार्पण कर रहे किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 गेंद में 85 रन की साझेदारी की। दोनों ने मिलकर 20 चौके और नौ छक्के लगाए जिससे एसआरएच ने छह विकेट पर 286 रन का स्कोर खड़ा किया। यह आईपीएल का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर भी एसआरएच के नाम है। टीम ने पिछले साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाये थे। रॉयल्स की टीम हालांकि कभी लक्ष्य का पीछा करने की स्थिति में नहीं दिखी लेकिन टीम खराब शुरुआत से उबरते हुए छह विकेट पर 242 रन बनाने में सफल रही। हैदराबाद की उमस भरी गर्मी में रॉयल्स के अनुभवहीन कप्तान रियान पराग ने आईपीएल की सबसे सपाट पिच पर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करके बड़ी गलती की। इस मैच को तीन भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के लिए भी जाना जायेगा। सैमसन (37 गेंदों पर 66 रन) और जुरेल (35 गेंदों पर 70 रन) ने 9. 5 ओवरों में 111 रन की साझेदारी करके एसआरएच प्रशंसकों को थोड़ी देर के लिए डराने में सफल रही। उन्होंने बल्लेबाजी के लिए आसान परिस्थितियों का फायदा उठाते हुड सहजता से बड़े शॉट खेले। बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन से सनराइजर्स हैदराबाद हमेशा से ही जीत माना जा रहा था लेकिन मैच का निर्णायक मोड़ दो ओवरों में आया। एडम जम्पा (चार ओवर में 48 रन पर एक विकेट) और कप्तान पैट कमिंस (चार ओवर में बिना किसी सफलता के 60 रन) ने 10वें और 11वें ओवर में सात रन खर्च किये जिससे जरूरी रन गति काफी इजाफा हो गया।

हर्षल पटेल (चार ओवर में 34 रन पर दो विकेट) ने एक बार फिर शानदार गेंदबाजी की खास कर आखिरी ओवरों में उन्होंने राजस्थान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। मैच के परिणाम पर डॉट गेंद (जिस गेंद पर कोई रन नहीं बना हो) का बड़ा असर रहा। राजस्थान के बल्लेबाजों के 25 डॉट गेंदों के मुकाबले एसआरएच ने सिर्फ 15 डॉट गेंदें खेली। सिमरजीत सिंह (तीन ओवर में 46 रन पर दो विकेट) ने शुरुआती ओवरों में विकेट चटकाकर एसआरएच को शानदार शुरुआत दिलायी। राजस्थान ने 50 रन तक तीन विकेट गंवा दिये थे। जुरेल ने इस गेंदबाज के खिलाफ हालांकि तीन छक्के लगाकर अपने इरादे जाहिर किये। जुरेल और सैमसन का विकेट 14वें और 15वें ओवर तीन गेंद के अंदर गिरा जिससे रॉयल्स की हार लगभग तय हो गयी। शिमरोन हेटमायर (23 गेंदों पर 42 रन) और शुभम दुबे (11 गेंदों पर नाबाद 34) ने कुछ बड़े शॉट लगाकर टीम की हार के अंतर को कम किया। इससे पहले एसआरएच ने पिछले सत्र की अपनी लय को जारी रखा लेकिन टीम अंतिम ओवर में दो विकेट गंवाने के कारण अपने और आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ स्कोर को पीछे छोड़ने से चूक गयी। जोफ्रा आर्चर ने चार ओवर में 76 रन लुटाये। वह आईपीएल इतिहास में बिना विकेट लिये सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाज बन गये। मैच के शुरुआती 10 ओवर में हेड और आखिरी 10 ओवरों में किशन का दबदबा इतना था कि अभिषेक शर्मा (11 गेंदों पर 24 रन) और फिट हुए नीतीश रेड्डी (15 गेंदों पर 30 रन) के प्रयास फीके लगे। हेनरिच क्लासेन (14 गेंदों पर 34 रन) ने आखिरी ओवरों में रॉयल्स के गेंदबाजों के खिलाफ कुछ शानदार शॉट खेले। पिछले कुछ सालों में मुंबई इंडियंस के मुख्य खिलाड़ियों में से एक किशन के लिए 2024 का साल मुश्किल रहा। इस लीग के लिए घरेलू क्रिकेट को नजरअंदाज करने के कारण उन्होंने अपना केंद्रीय अनुबंध गंवाना पड़ और मुंबई की फ्रेंचाइजी ने भी उन्हें रिटेन नहीं किया। पटना के इस छोटे कद के खिलाड़ी ने नये जोश के साथ वापसी की है और नयी फ्रेंचाइजी के लिए अपने पहले मैच में दमदार प्रदर्शन किया है। वह इस सपाट पिच पर और सात मैच खेल सकते हैं । वह इस तरह के प्रदर्शन से राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए अपना दावा मजबूत करना चाहेंगे। रॉयल्स के सबसे अनुभवी गेंदबाज आर्चर के खिलाफ शुरुआती ओवर से ही हेड ने दबदबा कायम कर 23 रन बटोरे। हेड ने उनके खिलाफ पुल शॉट पर छक्का जड़ा तो किशन ने उन्हें एक्स्ट्रा कवर पर छक्का लगाने के बाद उनकी गति का इस्तेमाल करते हुए स्कूप शॉट की मदद से विकेटकीपर के ऊपर से गेंद को छह रन के लिए भेजा।

आईजीयू टी20 क्रिकेट की तर्ज पर जूनियर स्तर पर 'सिक्सेज' प्रारूप में प्रतियोगिता शुरू करेगा

गुरुग्राम, छह राज्यों के युवा गोल्फ खिलाड़ी सोमवार को यहां डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में छह–होल वाली गोल्फ 'सिक्सेस जूनियर' टूर्नामेंट में भाग लेंगे, जिसका उद्देश्य इस खेल को टी–20 और टी–10 क्रिकेट की तरह अधिक गतिशील बनाना है। विश्व गोल्फ नियम नियामक संस्था 'द आरएंडए' के साथ साझेदारी में आयोजित गोल्फ सिक्स को युवा खिलाड़ियों के लिए खेल को अधिक गतिशील, सुलभ और आकर्षक बनाने के लिए तैयार किया गया है।

इस टीम आधारित प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को छह होल के खेल में अपना कौशल दिखाना होगा। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह ने इस प्रारूप को लेकर विश्वास व्यक्त किया कि नया प्रारूप युवा पीढ़ी के बीच गोल्फ की लोकप्रियता बढ़ायेगा। उन्होंने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, '' हमें इससे सफलता की उम्मीद है। जिस तरह टी20 ने खेल को छोटा करके और इसे अधिक गतिशील और दर्शकों के अनुकूल बनाकर क्रिकेट में क्रांति ला दी, गोल्फ का यह नया प्रारूप भी ऐसा कर सकता है।'' उन्होंने कहा, '' यह खेल को अधिक रोमांचक और आकर्षक अनुभव में बदलने की क्षमता रखता है। इसमें नयी पीढ़ी कम समय में खेल के रोमांच का आनंद ले सकती है।

बीसीसीआई ने सीनियर महिला 'मल्टी–डे' चैलेंजर ट्रॉफी के लिए टीमों की घोषणा की

नयी दिल्ली, (भाष) भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को आगामी सीनियर महिला 'मल्टी–डे' चैलेंजर ट्रॉफी के लिए टीमों की घोषणा की जो 25 मार्च से आठ अप्रैल तक देहरादून में दो स्थानों पर आयोजित की जाएगी। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में चार टीमें शामिल होंगी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना जैसी शीर्ष खिलाड़ी प्रतियोगिता से अनुपस्थित रहेंगी, वहीं काशवी गौतम जैसी उभरती प्रतिभाओं को टीमों में शामिल किया गया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''महिला चयन समिति ने आगामी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक सीनियर महिला 'मल्टी–डे' चैलेंजर ट्रॉफी के लिए टीमों का चयन किया है। रेड–बॉल टूर्नामेंट 25 मार्च से आठ अप्रैल 2025 तक देहरादून में दो स्थानों पर होगा। '' टीम इस प्रकार हैंः टीम एः ऋचा घोष (सीएबी), शिप्रा गिरी (यूपीसीए), शुभा सतीश (केएससीए), श्वेता सहरावत (डीडीसीए), वृंदा दिनेश (केएससीए), मुक्ता मगरे (एमएचसीए), हेनरीएटा परेरा (एसीए), मीनू मणि (सी) (केसीए), तनुजा कंवर (आरएसपीबी), वासवी ए पावनी (एसीए), प्रिया मिश्रा (डीडीसीए), अरुंधति रेड्डी (वीसी) (केसीए), सयाली सतघरे (एमसीए), अनादि तागड़े (एमपीसीए), प्रगति सिंह (पीसीए)। टीम बीः यास्तिका भाटिया (वीसी) (बीसीए), एम. ममता (एचवाईसीए), प्रतिका रावल (डीडीसीए), आयुषी सोनी (डीडीसीए), हरलीन देयोल (सी) (एचपीसीए), अरुशी गोयल (यूपीसीए), कनिका आहूजा (पीसीए), मीता पॉल (सीएबी), श्री चरणी (एसीए), ममता पासवान (जेएससीए), प्रेमा रावत (सीएयू), नंदिनी शर्मा (यूटीसीए), क्रांति गौड़ (एमपीसीए), अक्षरा एस (टीएनसीए), तितास साधु (सीएबी)। टीम सीः उमा छेत्री (एएससीए), रिया चौधरी (एमसीए), शैफाली वर्मा (वीसी) (एचसीए), तृप्ति सिंह (यूपीसीए), जेमिमा रोड्रिग्स (सी) (एमसीए), तनुश्री सरकार (सीएबी), तेजल हसब्निस (एमएचसीए), सुश्री दिव्यदर्शिनी (ओसीए), सुचि उपाध्या (एमपीसीए), राजेश्वरी गायकवाड़ (आरएसपीबी), सरन्या गडवाल (एसीए), जोशिता वीजे (केसीए), शबनम एमडी (एसीए), साइमा ठाकोर (एमसीए), गरिमा यादव (यूपीसीए)। टीम डीः नंदिनी कश्यप (सीएयू), शिवांगी यादव (यूटीसीए), जी त्रिशा (एचवाईसीए), जिंसी जॉर्ज (एमपीसीए), राघवी (सीएयू), धारा गुज्जर (सीएबी), स्नेह राणा (सी) (आरएसपीबी), संस्कृति गुप्ता (एमपीसीए), यमुना वी राणा (एचपीसीए), वैष्णवी शर्मा (एमपीसीए), एसबी कीर्तन (टीएनसीए), अमनजोत कौर (वीसी) (पीसीए), काशवी गौतम (यूटीसीए), मनाली दक्षिणी (एमसीए), मोनिका पटेल (केएससीए)।

भारत अक्टूबर में टेस्ट श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज, नवंबर में दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा

कोलकाता, (भाषा) भारत इस साल अक्टूबर में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 12 साल के अंतराल के बाद वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम नवंबर में सभी प्रारूपों के दौरे के लिए आएगी। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने 'पीटीआई' को बताया कि भारत दो अक्टूबर से मोहाली में पहले टेस्ट में विंडीज से भिड़ेगा, जबकि दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होगा। वेस्टइंडीज का भारत का पिछला टेस्ट दौरा 2013–14 में हुआ था, जो महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर का अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच था।। कैरेबियाई टीम का भारत का पिछला दौरा 2022 में तीन वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए हुआ था। वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की श्रृंखला के लिए भारत आएगी। टी20 श्रृंखला से दोनों टीमों को अगले वर्ष भारत में होने वाले टी–20 विश्व कप की तैयारी का मौका मिलेगा। शुक्ला ने यहां कहा, ''पहला टेस्ट दिल्ली में होगा, जबकि दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में होगा।'' यह गुवाहाटी में पहला टेस्ट होगा, जो अक्सर सफेद गेंद के मैचों की मेजबानी करता है। यह शहर पिछले दो सत्रों से आईपीएल मैचों की मेजबानी भी कर रहा है। टेस्ट मैचों के बाद, पहला वनडे 30 नवंबर को रांची में होगा, जबकि रायपुर तीन दिसंबर को दूसरे वनडे की मेजबानी करेगा। अंतिम वनडे छह दिसंबर को विशाखापत्तनम में होगा। पहला टी20 मैच नौ दिसंबर को खेला जाएगा, इसके बाद 11, 14, 17 और 19 दिसंबर को मैच होंगे। भारत इस साल सितंबर में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। शुक्ला ने कहा, ''तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं लेकिन विजाग में पहला मैच खेला जाएगा और अन्य स्थानों में गुवाहाटी, मुल्लांपुर (पंजाब), तिरुवनंतपुरम और इंदौर शामिल हैं। फाइनल के लिए स्थान अभी तय नहीं हुआ है।''

आईसीसी क्रिकेट समिति अप्रैल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में बदलाव पर फैसला करेगी

कोलकाता, (भाषा) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने शनिवार को पुष्टि की कि सौरव गांगुली की अगुवाई वाली क्रिकेट समिति अगले महीने 2025–27 चक्र के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के प्रस्तावित पुनर्गठन पर अंतिम फैसला लेगी। इस 16 सदस्यीय क्रिकेट समिति का नेतृत्व पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली कर रहे हैं और इसमें पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण, डेनियल विटोरी, महेला जयवर्धने और शॉन पोलाक जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन के लिये यहां पहुंचे शाह ने 'पीटीआई' से कहा, ''कुछ प्रस्ताव आए हैं, लेकिन मुझे उनके बारे में पूरी जानकारी नहीं है। क्रिकेट समिति निर्णय लेगी।'' आईसीसी कथित तौर पर दो पूर्ण चक्रों पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद डब्ल्यूटीसी अंक प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव पर विचार कर रहा है। प्रस्तावों में बड़े अंतर से जीत और विदेशी सरजमीं पर जीत के लिए बोनस अंक प्रणाली शामिल है। आईसीसी बोर्ड अपनी अप्रैल की बैठक में इन संशोधनों पर विचार–विमर्श करेगा। मौजूदा प्रणाली के तहत, टीमें जीत के लिए 12 अंक (चाहे जीत का अंतर कुछ भी हो), टाई के लिए छह अंक और ड्रॉ के लिए चार अंक अर्जित करती हैं। आलोचकों का हालांकि तर्क है कि यह प्रारूप प्रभावशाली प्रदर्शन को पर्याप्त रूप से पुरस्कृत नहीं करता है। संशोधित प्रणाली में जीत के अंतर और विरोधियों की ताकत को ध्यान में रखने की उम्मीद है। आईसीसी टीमों बड़ी जीत के लिए अतिरिक्त अंक देने की संभावना तलाश रहा है। इसके साथ ही दो–स्तरीय टेस्ट प्रणाली पर लंबे समय से चली आ रही बहस के फिर से जोर पकड़ने की उम्मीद है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इसका पुरजोर समर्थन कर रहा है। इस प्रणाली के समर्थकों का तर्क है कि इससे प्रतिस्पर्धा का स्तर बढ़ेगा लेकिन इसमें निचली रैंक वाली टीमों को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के अवसर सीमित हो सकते हैं। मौजूदा चक्र के डब्ल्यूटीसी फाइनल में 11 जून को दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया का आमना–सामना होना तय है।

अभिनेता एकादश ने टीबी जागरूकता के लिए मैत्री टी–20 में नेता एकादश को हराया

मुंबई, अभिनेता एकादश ने टीबी (तपेदिक) जागरूकता के लिए आयोजित टी20 मैत्री मैच में शनिवार को यहां नेता एकादश को दो विकेट से हराया। तृणमूल कांग्रेस के सांसद यूसुफ पठान की 119 रन और पूर्व कांग्रेस सांसद मोहम्मद अजहरुद्दीन की नाबाद 54 रन की पारी से नेता एकादश ने तीन विकेट पर 249 रन बनाये। टीम के लिए नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने 29 रन की पारी खेली जबकि भाजपा सांसद और टीम के कप्तान अनुराग ठाकुर 18 रन बनाकर नाबाद रहे। सुनील शेट्टी की अगुवाई वाली अभिनेता एकादश ने हालांकि चार गेंद शेष रहते आठ विकेट के नुकसान पर 251 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे टीबी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में मैच में मौजूद थे। ठाकुर के नेतृत्व वाली नेता एकादश में कमलेश पासवान, राम मोहन नायडू, मनोज तिवारी, अज़हरुद्दीन, पठान, श्रीकांत शिंदे, लावू श्री कृष्ण, दीपेंद्र हुड्डा, गुरमीत हेयर, के सुधाकर और चन्द्रशेखर आज़ाद खिलाड़ी के तौर पर शामिल थे। शेट्टी की अगुवाई वाली अभिनेता एकादश में खिलाड़ी के तौर पर सोहेल खान, शरद केलकर, राजा भेरवानी, शब्बीर अहलूवालिया, दारूवाला फ्रेडी, समीर कोचर, नवदीप तोमर, सनी देओल, अभिषेक कपूर, सिद्धार्थ जाधव और मुद्दसिर भट शामिल थे।

ओस से निपटने के लिए दूसरी गेंद के इस्तेमाल पर विटोरी ने कहा, मुश्किल समस्या का व्यावहारिक जवाब

हैदराबाद, (भाषा) सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दौरान ओस के प्रभाव को कम करने के लिए शाम के मैचों में दूसरी गेंद का इस्तेमाल करने के फैसले का शनिवार को समर्थन करते हुए मुश्किल समस्या का व्यावहारिक जवाब बताया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घोषणा की कि ओस से निपटने के लिए गेंदबाजी करने वाली टीम के अनुरोध पर शाम के मैचों की दूसरी पारी में एक गेंद बदली जाएगी। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एसआरएच के शुरुआती मैच की पूर्व संध्या पर विटोरी ने पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि यह मुश्किल समस्या का वास्तव में व्यावहारिक जवाब है और यह हर मैदान को प्रभावित नहीं करता है, हम यह जानते हैं। ''उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि पिछले साल हमने यहां ओस का अनुभव किया था, लेकिन मुझे लगता है कि चेन्नई और मुंबई में ऐसा हुआ था इसलिए यह सभी के लिए एक अच्छा समाधान है और मुझे लगता है कि यह वास्तव में अच्छा काम करेगा। ''

आरसीबी की टीम में इस बार कुछ खास है, क्रुणाल पंड्या शानदार पसंदः मैथ्यू हेडन

कोलकाता, (भाषा) ऑस्ट्रेलिया के अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए चुनी गई टीम में कुछ खास है और उन्होंने भारतीय ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या के चयन को शानदार पसंद करार दिया। आरसीबी ने आईपीएल के वर्तमान सत्र के

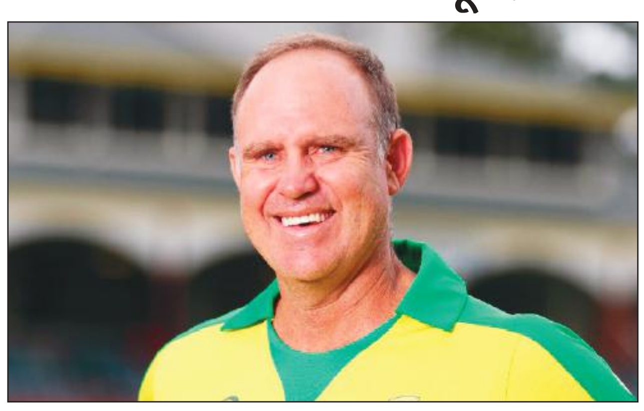

अपने पहले मैच में शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को सात विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। क्रुणाल पंड्या ने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि फिल साल्ट (56), विराट कोहली (59) और कप्तान रजत पाटीदार (34) ने उपयोगी पारियां खेली। जियोस्टार की विज्ञप्ति में हेडन ने कहा, ''नए कप्तान के रूप में रजत पाटीदार के लिए यह एक जोरदार और महत्वपूर्ण जीत थी। विराट कोहली के शानदार फॉर्म में होने से निश्चित रूप से मदद मिलती है।'' उन्होंने कहा, ''उनकी गेंदबाजी लाइनअप मजबूत दिख रही है। क्रुणाल पंड्या ने बीच के ओवरों में उपयोगी गेंदबाजी की जबकि जोश हेज़लवुड ने वह किया जो वह सबसे अच्छा करते हैं। मैं जब आरसीबी की इस टीम को देखता हूं तो मुझे लगता है कि इस बार इस टीम में कुछ खास है।'' हेडन ने कहा कि पंड्या की गेंद की गति बदलने और स्टंप्स पर हमला करने की क्षमता इस बाएं हाथ के स्पिनर के लिए काम आई। उन्होंने कहा, ''वह शानदार पसंद है। वह चतुर गेंदबाज है। उनकी गति में बदलाव करने और विकेट को निशाना बनाने की क्षमता उत्कृष्ट है।''

आईपीएल के शुरुआती तीन मैचों से बाहर होना थोड़ा अजीब लेकिन रियान टीम का नेतृत्व करने में सक्षमः सैमसन

हैदराबाद, संजू सैमसन ने मौजूदा सत्र के पहले तीन आईपीएल मैचों में नहीं खेल पाने को 'थोड़ा अलग' करार देते हुए शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को उनकी अनुपस्थिति में बेहतर तरीके से मार्गदर्शन देने के लिए कार्यवाहक कप्तान रियान पराग पर भरोसा जताया। सैमसन अभी तक इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के दौरान लगी दाहिनी तर्जनी उंगली की चोट से पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं। सैमसन ने यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ टीम के शुरुआती मैच से पहले कहा, '' मैं एक पूर्ण खिलाड़ी के रूप में कभी (राजस्थान रॉयल्स) किसी मैच से बाहर नहीं रहा हूं। पूरी तरह से फिट न होने के कारण सत्र में आना थोड़ा अलग लगता है। लेकिन टीम अच्छी दिख रही है। हम राहुल द्रविड़ के वापस हमारे साथ होने से भी खुश हैं।'' सैमसन ने कहा कि पराग टीम का नेतृत्व करने के लिए 'सक्षम' हैं । उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा के लिए राजस्थान रॉयल्स का कप्तान नहीं रहूंगा। कोई ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो आने वाला हो और कोई ऐसा व्यक्ति जिसे मेरे जाने के बाद या कप्तानी में बदलाव होने के बाद हमें तैयार करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''फ्रैंचाइजी ने बहुत से कप्तान तैयार किए हैं। हमने अगले तीन मैचों के लिए तय किया कि रियान पराग टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार और सक्षम हैं।'' उन्होंने सुर्खियां बटोर रहे 13 साल के वैभव सूर्यवंशी के बारे में पूछे जाने पर कहा कि युवा खिलाड़ी मुख्य कोच द्रविड़ की देखरेख में सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा, ''इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह किस उम्र का है, लेकिन वह थोड़ा खास दिखता है।

मेघालय में पारंपरिक चिकित्सक टीबी उन्मूलन में निभा रहे हैं भूमिका

शिलांग, (भाषा) एक अनूठे प्रयास के तहत पारंपरिक चिकित्सक मेघालय में तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में स्थानीय उपचार और आधुनिक चिकित्सा के बीच एक सेतु के रूप में काम कर रहे हैं। इस पूर्वोत्तर राज्य में लगभग 80 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जहां सड़कों की व्यवस्था खराब है और स्वास्थ्य सुविधाएं भी अपर्याप्त हैं। ऐसे में ये चिकित्सक लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रथम संपर्क सेतु के रूप में काम कर रहे हैं। अब वे तपेदिक के लिए प्राथमिक जांच कर्मी के रूप में भी काम करते हैं। मेघालय सरकार ने इस बीमारी की जांच, पहचान और उपचार में तेजी लाने के लिए पारंपरिक चिकित्सकों की मदद ली है। संभवतः यह पहला राज्य बन गया है, जिसने जमीनी स्तर पर तपेदिक उन्मूलन के लिए इस अभिनव दृष्टिकोण को अपनाया है। लोगों के बीच विश्वास अर्जित कर चुके ये चिकित्सक संदिग्ध तपेदिक रोगियों की पहचान करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचें, जहां 'पोर्टेबल एक्स–रे' मशीनों से उनकी टीबी संबंध जांच की जाती है और एनएएटी मशीनों से उनका परीक्षण किया जाता है। तपेदिक संक्रमण के हर मामले पर इन पारंपरिक चिकित्सकों को राज्य सरकार 500 रुपये प्रोत्साहन राशि देती है। री भोई जिले में पारंपरिक चिकित्सक एलिंगटन सिम ने कहा, ''जब भी ग्रामीण बीमारी लेकर मेरे क्लिनिक में आते हैं, तो मैं मौखिक मूल्यांकन के माध्यम से संभावित टीबी मामलों का पता लगाने की कोशिश करता हूं।'' उन्होंने कहा,''हम उन्हें सीधे टीबी जांच के लिए जाने के लिए नहीं कहते हैं क्योंकि इस बीमारी से जुड़ा (सामाजिक) कलंक लोगों को इलाज करवाने से रोकता है। इसके बजाय, हम उन्हें निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाने के लिए कहते हैं।'' राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक रामकुमार एस ने कहा कि यह समझते हुए कि बहुत से लोग स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचने से पहले पारंपरिक चिकित्सकों से उपचार कराते हैं, मेघालय ने तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में इन विश्वसनीय सामुदायिक हस्तियों को साथ लाने की पहल शुरू की है। मेघालय में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) की सहायक कार्यक्रम अधिकारी एवं फेफड़ा रोग चिकित्सक डॉ. अमिका जोन रिन्जा ने बताया कि राज्य में 3,500 से अधिक पारंपरिक चिकित्सकों में से 1,227 को पिछले वर्ष टीबी जांच के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

'अर्थ आवर' के दौरान दिल्ली सहित देशभर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों की बत्ती बंद की गई

नयी दिल्ली, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ–इंडिया के अर्थ आवर उत्सव 2025 के तहत शनिवार शाम को इंडिया गेट, लाल किला, राष्ट्रपति भवन, विक्टोरिया स्मारक, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल सहित देशभर के कई ऐतिहासिक स्थलों की बत्ती बंद कर दी गई। यहां जारी एक बयान के अनुसार, इस वर्ष का अर्थ आवर का 19वां संस्करण विश्व जल दिवस के साथ पड़ा है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संगीतकार और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ–इंडिया के होप एंड हार्मनी एम्बेसडर शांतनु मोइत्रा ने गंगा नदी की 2,700 किलोमीटर की यात्रा से प्रेरित संगीतमय प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिल्ली ने शनिवार को अर्थ आवर के दौरान रात साढ़े आठ बजे से साढ़े नौ बजे तक गैर–जरूरी विद्युत उपकरणों को बंद करके लगभग 269 मेगावाट बिजली की बचत की।

भारत ने फरवरी तक चीन से 8.47 लाख टन डीएपी का आयात किया

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत ने चालू वित्त वर्ष में फरवरी तक चीन से 8.47 लाख टन डाई–अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरक का आयात किया है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस अवधि के दौरान भारत का कुल डीएपी आयात 44.19 लाख टन रहा है। इसमें चीन का हिस्सा 19.17 प्रतिशत बैठता है। पिछले वित्त वर्ष में भारत के कुल 55.67 लाख टन के डीएपी आयात में चीन का योगदान 22.28 लाख टन या लगभग 40 प्रतिशत था। यूरिया के बाद डीएपी भारत में दूसरा सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला उर्वरक है। देश रूस, सऊदी अरब, मोरक्को और जॉर्डन से भी डीएपी का आयात करता है। इनका आयात तैयार उर्वरक और रॉक फॉस्फेट और मध्यवर्ती रसायनों जैसे कच्चे माल दोनों में किया जाता है। चालू रबी सत्र के लिए डीएपी उर्वरकों की घरेलू उपलब्धता 52 लाख टन की अनुमानित आवश्यकता को पार कर गई है। इसमें 48 लाख टन डीएपी पहले ही बेचा जा चुका है। 11 मार्च तक भारत के पास 9.43 लाख टन का डीएपी का भंडार था।

पेयजल संसाधनों को सुरक्षित रखने के लिए ग्लेशियर का संरक्षण आवश्यकः डॉ. सोनकर

प्रयागराज (उप्र), (भाषा) प्रख्यात वैज्ञानिक और पद्मश्री से सम्मानित डॉ. अजय कुमार सोनकर ने धरती पर पेयजल की उपलब्धता के लिए ग्लेशियर के संरक्षण को जरूरी बताते हुए कहा कि ग्लेशियर पृथ्वी के जलवायु संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शनिवार शाम इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के सभागार में विश्व जल दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. सोनकर ने कहा कि वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं जिससे जलवायु संतुलन खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने, सतत जल प्रबंधन को लागू करने और उन्नत तकनीक के माध्यम से ग्लेशियर परिवर्तनों की निगरानी जैसी त्वरित कार्रवाई आवश्यक है।'' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, प्रयागराज के अध्यक्ष प्रोफेसर एके दूबे ने कहा कि पृथ्वी पर 70 प्रतिशत से अधिक पानी विभिन्न रूपों में उपलब्ध है, लेकिन एक प्रतिशत से भी कम पानी उपयोग योग्य है इसलिए इसे संरक्षित करना समय की मांग है। मुख्य वक्ता मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रोफेसर एचके पांडे ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का संरक्षण तेजी से कठिन होता जा रहा है क्योंकि बढ़ते वैश्विक तापमान से दुनियाभर में ग्लेशियर पिघल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्लेशियर को संरक्षित करने के प्रयासों में वैश्विक तापमान को धीमा करने के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना शामिल है।

कड़ी सुरक्षा के बीच कन्नड़ समर्थक समूहों का कर्नाटक बंद शांतिपूर्ण रहा

बेंगलुरु, (भाषा) कर्नाटक के बेलगावी में पिछले महीने एक सरकारी बस कंडक्टर पर कथित तौर पर मराठी भाषा नहीं आने के कारण किए गए हमले के विरोध में कन्नड़ समर्थक समूहों द्वारा आहूत सुबह से शाम तक का राज्यव्यापी बंद शनिवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। बंद के दौरान पुलिस द्वारा व्यापक प्रबंध किये गये थे जिसके कारण बंद के दौरान अप्रिय घटना नहीं हुई। बंद से पहले, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने की अपील की तथा चेतावनी दी कि कानून–व्यवस्था को बिगाड़ने या तोड़फोड़ करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाएगा। राज्य के कई हिस्सों में कन्नड़ समर्थक समूहों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया और उन्होंने दुकानदारों से सहयोग करने तथा इस मुद्दे को समर्थन देने की अपील की। लेकिन अधिकतर दुकानें हमेशा की तरह खुली रहीं। बेंगलुरु में कार्यकर्ता मैसूरु बैंक चौक पर एकत्र हुए और हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने मैजेस्टिक में बीएमटीसी और केएसआरटीसी बस स्टैंड पर विरोध प्रदर्शन किया और बस चालकों एवं कंडक्टरों से बंद का समर्थन करने का आग्रह किया। जैसे ही उनका आंदोलन तेज हुआ, पुलिस ने उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया। आंदोलन का नेतृत्व करते हुए, कन्नड़ चलावली (वटल पक्ष) के संयोजक वटल नागराज ने मैजेस्टिक में प्रदर्शन किया। उन्होंने बंद को सफल बताते हुए दावा किया कि बस स्टैंड पर कोई नहीं था, कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं और कई ऑटोरिक्शा चालक सड़कों से नदारद रहे। मैसूरु में कन्नड़ समर्थक कुछ कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड पर बसों को रोककर धरना दिया। उन्होंने बेंगलुरु और राज्य के अन्य भागों की ओर जाने वाली बसों को रोकने के लिए निकास द्वार के पास धरना दिया। मैसूरु में केएसआरटीसी की एक बस को रोकने का प्रयास करने पर कुछ कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। इसी तरह का प्रदर्शन दावणगेरे में भी हुआ, जहां प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए।

नासिक में 2027 कुंभ मेले की तैयारियां धीमी, लेकिन चुनौतियों को दूर कर लिया जाएगा : फडणवीस

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि नासिक में 2027 में होने वाले कुंभ मेले की तैयारियां उम्मीद से धीमी गति से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने इसे ''आस्था और प्रौद्योगिकी'' का आयोजन बताया। नासिक में 'सीआईआईओ यंग इंडियंस' के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फडणवीस ने बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले कुंभ से संबंधित चुनौतियों को स्वीकार किया, हालांकि उन्हें दूर करने का विश्वास भी जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे पर काम फिलहाल तय समय से पीछे चल रहा है, लेकिन स्थिति में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, ''हमने पिछले साल कुंभ मेले की तैयारियां शुरू कर दी थीं। अगर हमने 2020 में काम शुरू कर दिया होता, तो आज हम अधिक बेहतर स्थिति में होते।'' फडणवीस ने कहा कि प्रयागराज में सफल कुंभ मेले के अनुभव से लाभ उठाते हुए प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा, ''वर्ष 2015 में नासिक ने कुंभ मेले की मेजबानी की थी। इस बार, नासिक और त्र्यंबकेश्वर को विकसित करने के लिए प्रयास जारी हैं।'' नासिक में होने वाले आगामी धार्मिक आयोजन को 'आस्था और प्रौद्योगिकी का कुंभ' बताते हुए, फडणवीस ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और भीड़ प्रबंधन प्रणाली समेत आधुनिक प्रौद्योगिकी का एकीकरण उपस्थित लोगों के लिए एक शानदार अनुभव प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, ''यह कार्यक्रम 300 एकड़ में आयोजित किया जाएगा, जो प्रयागराज के 7,500 हेक्टेयर से काफी छोटा है।''

सरकार ने एक अप्रैल से प्याज पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क वापस लिया

नयी दिल्ली, (भाषा) सरकार ने एक अप्रैल से प्याज पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क को वापस ले लिया है। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को कहा गया कि यह कदम किसानों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है। बयान में कहा गया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग से पत्र मिलने के बाद राजस्व विभाग ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा, ''यह फैसला किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं के लिए प्याज की वाजिब कीमत बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है। रबी फसलों की अच्छी मात्रा में आवक की उम्मीद के बाद थोक और खुदरा कीमतों में गिरावट हुई है।'' निर्यात शुल्क सितंबर 2024 से लागू है। हालांकि, इसके बावजूद चालू वित्त वर्ष में 18 मार्च तक प्याज का निर्यात 11.65 लाख टन पर पहुंच गया। सितंबर 2024 में प्याज का मासिक निर्यात 0.72 लाख टन से बढ़कर इस साल जनवरी में 1.85 लाख टन हो गया। रबी फसल की आवक बढ़ने के कारण प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्याज की कीमतों में गिरावट आई है। एशिया में प्याज के सबसे बड़े थोक बाजारों महाराष्ट्र के लासलगांव और पिंपलगांव में 21 मार्च को कीमतें क्रमशः 1,330 रुपये प्रति क्विंटल और 1,325 रुपये प्रति क्विंटल थीं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले महीने अखिल भारतीय भारित औसत मॉडल कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसी तरह, पिछले एक महीने में अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कृषि मंत्रालय का अनुमान है कि इस साल रबी प्याज का उत्पादन 227 लाख टन होगा, जो पिछले साल के 192 लाख टन से 18 प्रतिशत अधिक है। भारत के कुल उत्पादन में 70–75 प्रतिशत हिस्सा रखने वाला रबी प्याज अक्टूबर–नवंबर में खरीफ फसल की आवक शुरू होने तक बाजार की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। मंत्रालय ने कहा, ''इस सत्र में अधिक उत्पादन के अनुमान से आने वाले महीनों में कीमतों में और कमी आ सकती है।'' घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने पहले आठ दिसंबर, 2023 से तीन मई, 2024 तक विभिन्न निर्यात प्रतिबंध लागू किए थे। इसके बाद सितंबर 2024 में 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया गया था, जिसे अब हटा दिया गया है।

मणिपुर में शांति प्रयासों में प्रगति हो रही हैः मेघवाल

इंफाल, (भाषा) केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि मणिपुर में शांति बहाल करने के प्रयासों में प्रगति हुई है तथा इसके और आगे बढ़ने की जरूरत है। मेघवाल मणिपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक समारोह से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से कथित रूप से नकदी मिलने को लेकर मंत्री ने कहा कि देश की शीर्ष अदालत मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, ''उच्चतम न्यायालय मामले की जांच कर रहा है...समिति की रिपोर्ट आने दीजिए..हम उसके बाद बात करेंगे।'' प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने शनिवार को न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की आंतरिक जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की और निर्देश दिया कि उन्हें कोई न्यायिक कार्य न सौंपा जाए। न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर आग लगने के बाद बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। मणिपुर हिंसा पर मंत्री ने कहा कि हिंसाग्रस्त राज्य में स्थिति में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, ''हमने शांति बहाल करने के प्रयासों में प्रगति की है तथा इसके और आगे बढ़ने की आवश्यकता है।'' मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद, संसद के दोनों सदनों में इस मामले पर चर्चा की गई और शांति बहाली की आवश्यकता पर बल दिया गया। केंद्र सरकार जल्द से जल्द राज्य में शांति वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है।'' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मैं मणिपुर में जारी शांति प्रक्रिया में तेजी आने की प्रार्थना करता हूं, ताकि राज्य प्रगति कर सके और विकसित भारत में योगदान दे सके।'' इस कार्यक्रम में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश भी मौजूद थे। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई के नेतृत्व में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों का एक प्रतिनिधिमंडल मणिपुर के दो दिवसीय दौरे पर है। शनिवार को उन्होंने राहत शिविरों का दौरा किया और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से बातचीत की। प्रतिनिधिमंडल ने चुराचांदपुर जिले के लमका में लघु सचिवालय से एक कानूनी सेवा शिविर, एक चिकित्सा शिविर और एक कानूनी सहायता क्लिनिक का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन भी किया था। न्यायमूर्ति गवई ने लोगों से मणिपुर में शांति वापस लाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया और उम्मीद जताई कि जातीय संघर्ष से ग्रस्त मणिपुर में ''मौजूदा कठिन दौर'' कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के सहयोग से जल्द ही खत्म हो जाएगा तथा राज्य देश के बाकी हिस्सों की तरह समृद्ध होगा।

'कुकरैल नाइट सफारी व एडवेंचर पार्क' का निर्माण कार्य अप्रैल से शुरू होगा

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश सरकार राजधानी लखनऊ में 'कुकरैल नाइट सफारी व एडवेंचर पार्क' के निर्माण व विकास से जुड़े कार्यों की शुरुआत अगले महीने करेगी। एक बयान में कहा गया है कि 'कुकरैल नाइट सफारी व एडवेंचर पार्क' परियोजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना है और इसे दो चरणों में विकसित किया जाएगा। बयान के अनुसार इसका कुल बजट 1,500 करोड़ रुपये से अधिक होगा। बयान में कहा गया है कि 631 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाला पहला चरण अप्रैल में शुरू होगा और इसके 24 महीने में पूरा होने की उम्मीद है। बयान के अनुसार कुकरैल वन के 34.59 लाख वर्ग मीटर (855.07 एकड़) क्षेत्र में फैले इस 'नाइट सफारी' में जानवरों के 38 बाड़े होंगे। इनमें शेर, बाघ, तेंदुए, भालू, हिरण और विभिन्न सरीसृप और पक्षियों के बाड़े शामिल होंगे। बयान के अनुसार चरण–1 के निर्माण में 65,254 वर्ग मीटर वन क्षेत्र शामिल होगा, जिसमें मनोरंजन गतिविधि क्षेत्र, प्रशासनिक खंड, 7डी थियेटर, कला गलियारा, भव्य प्रवेश द्वार, कैफेटेरिया, पशु चिकित्सालय और कर्मचारियों के आवासीय खंड जैसी विभिन्न सुविधाएं शामिल होंगी। बयान के अनुसार सफारी की एक प्रमुख विशेषता ट्राम सेवा होगी, जिसमें पूरे परिसर में इसके लिए लाइन बिछाई जाएगी। बयान के अनुसार इस परियोजना में सड़क, फुटपाथ, पार्किंग और जल निकासी व्यवस्था जैसे बुनियादी ढांचे का विकास भी शामिल होगा। बयान के अनुसार योजना विभाग द्वारा तैयार 'मास्टर प्लान' में कर्मचारियों के लिए विभिन्न आवासीय खंडों के निर्माण की रूपरेखा दी गई है, जिसमें निदेशक का बंगला और पशु चिकित्सक के बंगले शामिल हैं।

आठ वर्षों में कार्मिक विभाग ने मिशन रोजगार को दी रफ्तारः उत्तर प्रदेश सरकार

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले आठ वर्षों में राज्य में 7.5 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां सृजित की गई हैं। एक बयान के मुताबिक इस अभियान में कार्मिक विभाग ने भी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खोले। इसमें कहा गया, ''उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के माध्यम से पिछले आठ वर्षों में करीब 95 हजार अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जो सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' बयान के मुताबिक कि कोविड–19 महामारी के दौरान भी उत्तर प्रदेश सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को जारी रखा। इसमें कहा गया, ''यूपीपीएससी ने एक अप्रैल 2017 से 20 मार्च 2025 तक 48,593 अभ्यर्थियों का चयन किया। सर्वाधिक 13,893 अभ्यर्थियों का चयन 2019–20 में किया गया जबकि 2024–25 में अब तक 1,918 अभ्यर्थियों का चयन किया जा चुका है।'' बयान में कहा, ''इसी अवधि में यूपीएसएसएससी ने 46,032 अभ्यर्थियों का चयन किया।'' इसमें कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवंबर 2020 से नवंबर 2024 तक चार वर्षों में 35 नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रमों के जरिए नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। यही नहीं, भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और तेज बनाने के लिए 'ई–अधियाचन' पोर्टल की शुरुआत भी की गई, जिससे समूह क, ख और ग के पदों पर चयन प्रक्रिया में तेजी आई।

उप्र : भाजपा में प्रदेश परिषद के सदस्यों की घोषणा होने के बाद ही होगा अध्यक्ष पद का चुनाव

लखनऊ, (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के नए अध्यक्ष का चुनाव मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में होने की संभावना है। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी। हालांकि ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मार्च के अंत तक हो सकते हैं, लेकिन पार्टी नेताओं ने कहा कि इसे अप्रैल तक भी टाला जा सकता है, क्योंकि भाजपा की राज्य परिषद के सदस्यों की घोषणा अभी तक नहीं हुई है। जातीय समीकरण से प्रभावित उत्तर प्रदेश में लोगों की निगाहें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर ही नहीं, बल्कि उनकी जाति पर भी है। राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के जोर के कारण, भाजपा कार्यकर्ताओं और राजनीतिक विश्लेषकों के एक वर्ग को लगता है कि पार्टी अपने अध्यक्ष के चयन में पिछड़े वर्गों को प्राथमिकता दे सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नए अध्यक्ष की नियुक्ति में भाजपा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की एक प्रमुख जाति को आगे बढ़ाने पर विचार कर सकती है। भाजपा के एक पुराने कार्यकर्ता ने बताया कि, ''इस पद के लिए पार्टी द्वारा लोध जाति के किसी नेता को तरजीह दिए जाने की प्रबल संभावना है।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता दिवंगत कल्याण सिंह, लोध समुदाय से आने वाले सबसे बड़े ओबीसी नेता थे और उनके निधन के बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी उसी ओबीसी उपजाति के किसी नेता को इस पद के लिए चुन सकती है। भाजपा के एक कार्यकर्ता ने कहा, ''लोध समुदाय से आने वाले दो प्रमुख नाम चर्चा में हैं, जिनमें प्रदेश सरकार के मंत्री धर्मपाल सिंह अथवा केन्द्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा को भी मौका मिल सकता है।'' हालांकि, भाजपा के नेताओं की यह भी दलील है कि पार्टी नेतृत्व के फैसले अप्रत्याशित होते हैं, इसलिए किसी एक नाम पर दावा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी में बहुत से लोग निश्चित रूप से नहीं कह सकते कि अध्यक्ष पद के लिए पार्टी का कौन सा चेहरा होगा। पार्टी के एक पुराने कार्यकर्ता ने स्वीकार किया, ''हालांकि यह कहा जा सकता है कि चेहरा तय करने में जाति निश्चित रूप से एक प्रमुख विषय होगी।'' उत्तर प्रदेश में 70 जिला अध्यक्षों के चुनाव में जाति का पहलू स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इनमें से 39 जिलाध्यक्ष अगड़ी जातियों से बनाये गये हैं, जिनमें 20 ब्राह्मण चेहरे शामिल हैं। इस आधार पर यह चर्चा है कि पार्टी किसी ब्राह्मण को भी मौका दे सकती है। भाजपा के एक नेता ने कहा, '' दावा तो नहीं कर सकते, लेकिन अगर इस पद के लिए किसी ब्राह्मण को चुना जाता है, तो भाजपा के प्रदेश महासचिव और विधान परिषद सदस्य गोविंद नारायण शुक्ला और बस्ती से पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के चुने जाने की संभावना अधिक है।'' हालांकि, इस नेता ने यह भी कहा कि कई अन्य ब्राह्मण दावेदार भी कतार में हैं। पार्टी नेतृत्व अगर किसी दलित को प्रदेश इकाई की कमान सौंपती है, तो प्रदेश महासचिव समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके पूर्व सांसद विद्यासागर सोनकर मजबूत दावेदार हैं। दलित नेताओं में और भी चेहरे तलाशे जा सकते हैं। भाजपा की उप्र इकाई के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए कम से कम 50 फीसदी संगठनात्मक जिलों में जिला अध्यक्षों का चुनाव और प्रदेश परिषद के सदस्यों की घोषणा जरूरी है, जिसके बाद ही यह प्रक्रिया पूरी होगी। उत्तर प्रदेश में भाजपा के संगठनात्मक चुनाव के लिए नेतृत्व ने पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय को केंद्रीय चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। प्रदेश में 98 संगठनात्मक जिला इकाइयां हैं, जिनमें से डॉ. पांडेय ने 70 जिलों में जिला अध्यक्षों का चुनाव पूरा करा लिया है और 28 जिलों की घोषणा बाकी है। भाजपा पदाधिकारी ने बताया कि पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए राज्य परिषद के सदस्य ही मतदाता होते हैं और वे प्रस्तावक और समर्थक का कार्य भी करते हैं, इसलिए चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए उनका चयन जरूरी है। राज्य परिषद के सदस्यों का चयन सभी जिलों से विधानसभा वार होता है और यहां 403 विधानसभा क्षेत्र हैं, इसलिए राज्य परिषद के 403 सदस्यों के चयन की प्रक्रिया पूरी की जानी है। इस संबंध में पूछे जाने पर केंद्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि 70 संगठनात्मक जिलों में अध्यक्षों की घोषणा हो चुकी है और इन जिलों में विधानसभा वार राज्य परिषदों का गठन भी हो चुका है, जिसकी सूची जल्द ही जारी कर दी जाएगी। डॉ. पांडेय ने अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। भाजपा सूत्रों ने बताया कि भाजपा संगठन संसद के दोनों सदनों (राज्यसभा और लोकसभा) तथा विधानमंडल (विधान परिषद और विधानसभा) से प्रदेश परिषद के कुछ सदस्यों का चयन भी करता है, जिसकी प्रक्रिया भी पूरी होनी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि प्रदेश में 70 जिला इकाइयों के अध्यक्षों की घोषणा हो चुकी है और बाकी 28 जिला इकाइयों के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जिसकी घोषणा जल्द ही केंद्रीय चुनाव अधिकारी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए 50 फीसदी से ज्यादा जिलों की चुनाव प्रक्रिया पूरी होनी जरूरी है, जो पूरी हो चुकी है, जैसे ही केंद्रीय नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की तारीख की घोषणा करेगा, प्रदेश अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की देखरेख में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होगा। भूपेंद्र सिंह चौधरी फिलहाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। चौधरी ओबीसी (जाट) हैं और अगस्त 2022 में जब उन्हें इस पद पर नामित किया गया था, तो इस फैसले को पश्चिमी उप्र में जातिगत समीकरण को दुरुस्त करने की पहल के तौर पर देखा गया था। चौधरी के अध्यक्ष बनने के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में बड़े जाट नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का घटक बन गई और दो सीटें जीतीं। जयंत चौधरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं।

प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की घोषणा

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को वर्ष 2024 के लिए 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। भारतीय ज्ञानपीठ ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, शुक्ल को हिंदी साहित्य में उनके अद्वितीय योगदान, सृजनात्मकता और विशिष्ट लेखन शैली के लिए इस सम्मान के वास्ते चुना गया है। वह हिंदी के 12वें साहित्यकार हैं, जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। शुक्ल छत्तीसगढ़ राज्य के ऐसे पहले लेखक हैं, जिन्हें इस सम्मान से नवाजा जाएगा। शुक्ल ने उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार दिए जाने की घोषणा पर खुशी जताई और कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि यह पुरस्कार मिलेगा। यह पूछे जाने पर कि ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किये जाने की घोषणा को वह किस रूप में देखते हैं, तो शुक्ल ने कहा, ''यह भारत का, साहित्य का एक बहुत बड़ा पुरस्कार है। इतना बड़ा पुरस्कार मिलना यह मेरे लिए खुशी की बात है।'' 'पीटीआई वीडियो' और 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत के दौरान शुक्ल ने कहा, ''मुझे कभी नहीं लगा कि मुझे यह पुरस्कार मिलेगा। पुरस्कार की तरफ मेरा ध्यान जाता ही नहीं। दूसरे मेरा ध्यान दिलाते हैं। दूसरे मुझसे , परिचर्चा में, बातचीत में, कहते थे कि अब आपको ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलना चाहिए, मैं उनको संकोच में जवाब दे नहीं पाता।'' उन्होंने कहा कि वह इस उम्र में भी लेखन के प्रति समर्पित हैं। उन्होंने कहा, ''बहुत बड़ा लिखने की अब मेरी हिम्मत नहीं होती है। मुझे लगता है कि जो भी काम करूं इस उम्र में पूरा कर लूं। बच्चों के लिए छोटा–छोटा लिखता हूं और मुझे आसान सा आधार मिल गया है कि मैं इस तरह के छोटे–छोटे काम करता रहूं। बच्चों के लिए लिखना मुझे बड़ा अच्छा लगता है।'' बयान के मुताबिक, प्रसिद्ध कथाकार एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय की अध्यक्षता में हुई प्रवर परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में चयन समिति के अन्य सदस्य के रूप में माधव कौशिक, दामोदर मावजो, प्रभा वर्मा और डॉ. अनामिका, डॉ ए. कृष्णा राव, प्रफुल्ल शिलेदार, जानकी प्रसाद शर्मा और ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसूदन आनंद शामिल थे। लेखक, कवि और उपन्यासकार शुक्ल (88 वर्ष) की पहली कविता 1971 में 'लगभग जयहिंद' शीर्षक से प्रकाशित हुई थी। उनके प्रमुख उपन्यासों में 'नौकर की कमीज', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'खिलेगा तो देखेंगे' शामिल हैं। शुक्ल के उपन्यास 'नौकर की कमीज' पर प्रसिद्ध फिल्मकार मणि कौल ने 1999 में इसी नाम से एक फिल्म बनायी थी।

संपादकीय

अवसाद और बेचैनी जैसी मान. सिक समस्याओं से जूझ रहे बच्चे

आजकल की भाग–दौड़ वाली दुनिया में मानसिक समस्याएं बड़ी तेजी से लोगों को अपना शिकार बनाती जा रही हैं। इसका प्रभाव इतना तीक्ष्ण और विकराल होता है कि इससे न तो कोई देश बचा है, और न ही कोई राज्य... इसके घातक प्रभाव से अछूता आज न तो कोई गांव है, न कोई शहर और न ही कोई गली–मोहल्ला। इसका शिकार बच्चे, किशोर, बड़े, वृद्ध, स्त्री और पुरुष सभी हो रहे हैं, लेकिन आंकड़ों की बात करें तो विशेष रूप से, बच्चों और किशोरों में यह समस्या कुछ ज्यादा ही जटिल होती जा रही है। गौरतलब है कि इसके कारण बच्चों की मासूमियत खत्म होती जा रही है। उनकी फूल–सी मुस्कराहट कहीं खोती जा रही है। वे बेहद गुस्सैल होते जा रहे हैं। वे बात–बात पर क्रोध करने लगे हैं। उनकी बात नहीं सुनी और मानी जाए तो वे आपे से बाहर हो जाते हैं। यहां तक कि कई बार तो अपने माता–पिता और अभिभावक के ऊपर हमले करने से भी वे नहीं चूकते। जाहिर है कि ऐसे में उनके माता–पिता को यह समझ में ही नहीं आता कि जो बच्चे कुछ महीने, साल पहले तक मासूमियत से भरे बिल्कुल सामान्य व्यवहार वाले थे, हर पल खेलते–कूदते, हंसते–मुस्कराते, गाते–गुनगुनाते और आयु के अनुरूप शरारतें करते रहते थे, आखिर क्या कारण है कि अचानक उनका व्यवहार इस प्रकार बदल गया कि वे उन्हें बिल्कुल सुनना और मानना ही नहीं चाहते। इसे विडंबना नहीं तो और क्या कहा जाए कि खेलने–कूदने और खाने–पीने की आयु में देश के बच्चों और किशोरों में बैचेनी, डिप्रेशन और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं आज गंभीर से गंभीरतम रूप लेती जा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की 'मेन्टल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल' नामक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 10 से 19 वर्ष का प्रायः प्रत्येक सातवां बच्चा किसी–न–किसी प्रकार की मानसिक समस्या से जूझ रहा है। इन समस्याओं में अवसाद, बेचैनी और व्यवहार से जुड़ी समस्याएं शामिल हैं। एक अनुमान के मुताबिक मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी लगभग एक तिहाई समस्याएं 14 साल की उम्र से पहले शुरू हो जाती हैं, जबकि इनमें से आधी समस्याएं 18 वर्ष से पहले सामने आने लगती हैं। तात्पर्य यह कि जब हमारे मासूम बाल्यावस्था से किशोरावस्था की ओर कदम बढ़ना आरंभ करते हैं, सामान्यतः उसी दौरान मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अलग–अलग समस्याएं उन्हें अपना शिकार बनाना शुरू कर देती हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 07 बच्चों में से एक बच्चा डिप्रेशन का शिकार है। आंकड़ों की बात करें तो देश के 14 प्रतिशत बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य खराब है। इसी प्रकार, 'इंडियन जर्नल ऑफ साइकिएट्री' में वर्ष 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार भारत में 05 करोड़ से अधिक बच्चे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे थे। गौरतलब है कि इनमें से ज्यादातर बच्चे एंग्जाइटी और डिप्रेशन का सामना कर रहे थे। यूनिसेफ के एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के बाद ये आंकड़े पहले की तुलना में कई गुना अधिक बढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि पूरी दुनिया में 30 करोड़ से भी अधिक लोग एंग्जाइटी से जूझ रहे हैं और 28 करोड़ लोग डिप्रेशन का सामना कर रहे हैं।

विज्ञान आधारित दुनिया भर में प्रसिद्ध जर्नल 'द लैंसेट साइकिएट्री' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में 75 प्रतिशत टीनएजर्स एंग्जाइटी और डिप्रेशन से जूझ रहे हैं। वहीं, 10 से 18 वर्ष की आयु के 64 प्रतिशत वयस्कों को तीन से अधिक बार खराब मानसिक स्वास्थ्य का दंश झेलना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार किशोरावस्था के दौरान लड़के–लड़कियों में कई प्रकार के हॉर्मोनल और शारीरिक बदलाव होते हैं। इसके कारण उनके सोच और व्यवहार में बदलाव आता है। इनके अतिरिक्त, उसी दौरान उन लड़के–लड़कियों को बोर्ड परीक्षाओं एवं कॅरियर को लेकर कोर्स सिलेक्शन जैसे दबावों और उहापोह वाली परिस्थितियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में, यदि उन्हें घर और स्कूल में उनके मना. `नुकूल अथवा कहा जाए कि सहयोगी परिवेश नहीं मिले तो ये दबावों और उहापोह वाली परिस्थितियां प्रायः एंग्जाइटी और डिप्रेशन का रूप ले लेती हैं। इसी प्रकार, जो बच्चे लगातार पढ़ाई–लिखाई नहीं करते हैं, वे परीक्षाओं के आने पर अक्सर दबाव में आ जाते हैं। वहीं, मनोचिकित्सकों का मानना है कि आजकल बच्चों में फेलियर हैंडल करने की क्षमता भी कम होती जा रही है। कभी–कभी इसके कारण जेनेरिक भी हो सकते हैं। इतना ही नहीं, हमारी प्रतिदिन की आदतों में शामिल हो चुके फास्ट फूड, शुगरी ड्रिंक्स और सोशल मीडिया जैसे तत्व भी भी एंग्जाइटी और डिप्रेशन का कारण बन रहे हैं। साल 2024 में नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडि. सिन में प्रकाशित एक अध्ययन में यह बात सामने आई थी कि जंक फूड, अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड एवं फास्ट फूड खाने से व्यक्ति में एंग्जाइटी और डिप्रेशन का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। उक्त अध्ययन के अनुसार इसका सबसे अधिक खतरा वयस्कों को होता है, क्योंकि फास्ट फूड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सबसे बड़े उपभोक्ता भी वही होते हैं। ऐसे ही, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में 2022 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार चीनी से बने अथवा शुगरी ड्रिंक्स भी का सेवन किशोरों के खराब मानसिक स्वास्थ्य की बड़ी वजह बन रहा है। जाहिर है कि एनर्जी ड्रिंक या कोल्डड्रिंक के नाम पर मिल रहे इस प्रकार के पेय पदार्थ एंग्जाइटी और डिप्रेशन का कारण बन सकते हैं। वहीं, साइंटिफिक जर्नल फ्रंटियर्स में 2023 में प्रकाशित एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ था कि जो टीनएजर प्रतिदिन 07 घंटे से अधिक समय तक स्क्रीन पर व्यतीत करते हैं, उन्हें डिप्रेशन का शिकार बनने की आशंका अन्य टीनएजर्स की तुलना में दोगुने से भी अधिक होती है। उक्त अध्ययन में यह भी बताया गया था कि यदि कोई सोशल मीडिया पर प्रतिदिन एक घंटे बिता रहा है तो प्रत्येक घंटे के हिसाब से व्यक्ति में डिप्रेशन के लक्षण प्रतिवर्ष 40 प्रतिशत तक बढ़ जाते हैं। इसी प्रकार, बीएमसी मेडिसिन में 2010 में प्रकाशित एक अध्ययन में यह पता चला था कि जो लड़के–लड़कियां किसी तरह के खेल, शारीरिक व्यायाम या फिजिकल एक्टिविटी में भाग नहीं लेते, उनके डिप्रेशन का शिकार बनने की आशंका अधिक होती है। उक्त अध्ययन में यह भी यह भी मालूम हुआ था कि प्रतिदिन एक घंटे शारीरिक व्यायाम या फिजिकल एक्टिविटी करने से डिप्रेशन एवं एंग्जाइटी का जोखिम 95 प्रतिशत तक कम हो जाता है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि बच्चों का स्पोर्ट्स टाइम बढ़ाने और स्क्रीन टाइम घटाने का हरसंभव प्रयास किया जाए। लेकिन जो बच्चे पहले ही एंग्जाइटी और डिप्रेशन का शिकार बन चुके हैं, उन्हें ठीक करने के लिए तत्काल सभी आवश्यक कदम उठाए जाने की जरूरत है। वैसे, देखा जाए तो मस्तिष्क का विकास ला. इफस्टाइल एवं अनुभव के आधार पर होता है। इसलिए बच्चों को रियलिस्टिक बनाएं। उन्हें जीवन की वास्तविकताओं से अवगत कराएं। उनके साथ जीवन के उतार–चढ़ाव को साझा करें। साथ ही, प्रतिदिन दो बार परिवार के सभी सदस्य एक साथ भोजन करें और यदि दो बार संभव नहीं हो तो कम–से–कम एक बार का भोजन पूरा परिवार साथ में करें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस दौरान मोबाइल और टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूरी बनाकर रखें। ऐसा करने से परिवार में सामंजस्य बढ़ेगा। गौरतलब है कि बच्चों से जुड़े मामलों से संबंधित शोध एवं अध्ययन करने के लिए प्रसिद्ध शोध संस्थान 'मरडोक चिल्ड्रेन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट' के तत्वावधान में किए गए इस अध्ययन में यह बताया गया है कि इन मामलों में क्लिनकिल केयर से अधिक जरूरत बच्चों को इन मानसिक बीमारियों से बचाने को लेकर स्ट्रेटजी बनाए जाने की है। वहीं, डब्ल्यूएचओ एवं यूनिसेफ की 'मेन्टल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल' नामक रिपोर्ट में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए समुदाय आधारित मॉडल तैयार करने की बात कही गई है।

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

टीबी मुक्त भारत की चुनौतियां और समाधान

डॉ. सूर्यकान्त
विभागाध्यक्ष, रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग,
के.जी.एम.यू., लखनऊ
सदस्य, नेशनल टास्क फोर्स, राष्ट्रीय टी.बी.
उन्मूलन कार्यक्रम, भारत

ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) या क्षय रोग, सदियों से मानव समाज का शत्रु रहा है। दुनिया के इतिहास में सर्वप्रथम ऋग्वेद में इसकी विस्तृत व्याख्या मिलती है और इसके उपचार के साधन बताये गये हैं। ''त्वा हवीसा मुन्कामी जिवनयकम। अग्नात्यतद्यूटा राजयक्ष्मा।।'' अर्थात "हे अग्नि! हम तुम्हें हवन के द्वारा पुकारते हैं। तुम हमें जीवन प्रदान करो और राजयक्ष्मा (क्षय रोग) तथा अन्य अज्ञात रोगों से रक्षा करो"। (ऋग्वेद 10,161,1)। मिश्र देश की भूमि के पिरामिडों में 8000 वर्ष पुराने सुरक्षित शवों में आज भी टीबी रोग के चिन्ह मिलते हैं। जर्मनी के वैज्ञानिक डा0 राबर्ट कॉक ने 24 मार्च 1882 को टी.बी. के जीवाणु की खोज की थी, जिसके लिए 1905 में नोबेल पुरूस्कार भी प्रदान किया गया। इस खोज की याद में हर साल 24 मार्च को हम विश्व टी.बी. दिवस के रूप में मनाते हैं। इस वर्ष की थीम "हां! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं: प्रतिबद्ध रहें, निवेश करें, परिणाम दें" है।

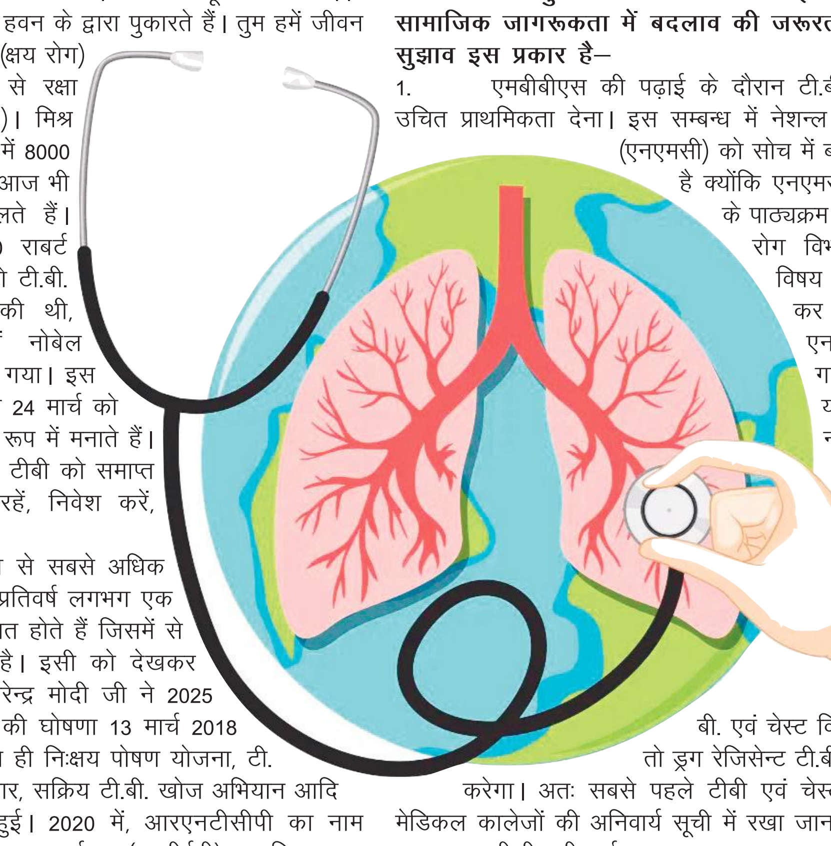

भारत विश्व में टी.बी. रोग से सबसे अधिक प्रभावित देश है। विश्व में प्रतिवर्ष लगभग एक करोड़ रोगी टी.बी. से ग्रसित होते हैं जिसमें से 28 लाख भारत में होते है। इसी को देखकर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2025 तक "टी.बी. मुक्त भारत" की घोषणा 13 मार्च 2018 को की थी। उसके बाद से ही निःक्षय पोषण योजना, टी. बी. नोटिफिकेशन का विस्तार, सक्रिय टी.बी. खोज अभियान आदि योजनाओं की शुरूआत हुई। 2020 में, आरएनटीसीपी का नाम बदलकर राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) कर दिया गया, ताकि भारत सरकार के 2030 के वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले 2025 तक भारत में टीबी को खत्म करने के उद्देश्य पर जोर दिया जा सके। साथ ही टी.बी. रोगियों की निःशुल्क जांच एवं उपचार तथा उपचार के दौरान 1000 रू प्रतिमाह पोषण भत्ता जैसी सुविधायें दी जा रही हैं। इसी का परिणाम है कि विश्व टी.बी. रिपोर्ट 2024 में भारत के टी.बी. मुक्त अभियान की प्रशंसा की गयी है। देश में वर्ष 2015 से 2023 तक टीबी के रोगियों की संख्या में 17.7 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट 2024 के अनुसार यह दर वैश्विक औसत गिरावट 8.3 प्रतिशत से दोगुनी है। इसके अलावा पिछले 10 वर्षों में भारत में टीबी के कारण होने वाली मौतों में भी 21.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है। भारत सरकार के द्वारा टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को और गति प्रदान करने हेतु विशेष 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान दिनांक 7 दिसम्बर 2024 से चलाया जा रहा है, जो दिनांक 24 मार्च 2025 (विश्व क्षय रोग दिवस) तक चलेगा। इस अभियान का मकसद टीबी के मामलों का कम करना, मृत्यु दर को घटाना और नए संक्रमण को रोकना है। भारत में टी.बी. को अभी तक समाप्त नहीं कर पाने की कई चुनौतियां है, जैसे कि टी.बी. का जीवाणु कई वर्षों तक व्यक्ति के अन्दर निष्क्रिय अवस्था में बिना किसी लक्षण के रह सकता है, तथा अनुकूल परिस्थिति के आने पर यह पुनः सक्रिय होकर बीमारी को पैदा करता है। सामाजिक और मानवीय कारण जो अनुकूल परिस्थिति को बढ़ावा देते हैं उनमें प्रमुख है– टी.बी. के रोगी के सम्पर्क में रहना, कुपोषण, एचआईवी, मधुमेह तथा फेफड़े, लिवर, हृदय, किडनी की बीमारियां, कैंसर, अंग प्रत्यारोपण के रोगी, इम्यूनोसप्रेसिव दवाऐं, महिलाओं में कम उम्र में गर्भधारण और बार–बार गर्भधारण, परदाप्रथा, गरीबी, भीड़, धूम्रपान तथा अन्य नशे, वायु प्रदूषण, साफ–सफाई की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ न ले पाना, अनियमित दवा लेना आदि। अनियमित दवा लेने के कारण एमडीआर व एक्सडीआर टीबी जैसी घातक परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती है। टीबी के साथ–साथ उसकी सह बीमारियों का भी उचित उपचार करना आवश्यक है, ताकि मृत्यु दर को कम किया जा सके। मृत्युदर कम करने में एचआईवी, डायबिटीज, कुपोषण, क्रोनिक लीवर डिज़ीज, क्रोनिक किडनी डिज़ीज, सीओपीडी आदि बीमारियाँ टी.बी. के साथ होने पर जटिलताएँ बढ़ा देती हैं। इन स्थितियों में रोगी की प्रतिरोधक क्षमता पहले से ही कम होती है, जिससे उपचार कठिन हो जाता है और मृत्युदर अधिक हो सकती है।

टी.बी. रोग से मुक्ति के लिये राजनीतिक इच्छा शक्ति से लेकर सामाजिक जागरूकता में बदलाव की जरूरत है। कुछ प्रमुख सुझाव इस प्रकार है–

1. एमबीबीएस की पढ़ाई के दौरान टी.बी. की बीमारी को उचित प्राथमिकता देना। इस सम्बन्ध में नेशन्ल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को सोच में बहुत ही विरोधाभास है क्योंकि एनएमसी ने एम.बी.बी.एस के पाठ्यक्रम से टी.बी. एवं चेस्ट रोग विभाग को अनिवार्य विषय की सूची से बाहर कर दिया है, जब कि एनएमसी का एक गजट नोटीफिकेशन यह कहता है कि नये मेडिकल कालेजों में भी ड्रग रेजिसेन्ट टी.बी. के उपचार की व्यवस्था हो। ज्ञात रहे कि जब नये मेडिकल कालेजों में टी. बी. एवं चेस्ट विभाग ही नही होगा तो ड्रग रेजिसेन्ट टी.बी. का उपचार कौन करेगा। अतः सबसे पहले टीबी एवं चेस्ट रोग विभाग को मेडिकल कालेजों की अनिवार्य सूची में रखा जाना चाहिए।
2. टी.बी. की वर्तमान मृत्युदर एक लाख जनसंख्या पर 24 है उसे घटाकर 3 करना होगा। ज्ञात रहे कि टी.बी. के साथ–साथ अन्य बीमारियां होती है तो मृत्युदर बढ़ जाती है। अतः एचआईवी, डायबिटीज, कुपोषण, क्रोनिक लीवर डिजीस, क्रोनिक किड़नी डिजीस, सीओपीडी आदि का उपचार भी प्राथमिकता के आधार पर करना होगा। टीबी के गम्भीर मरीजों के लिए समान्य आईसीयू में भर्ती नही किया जाता है अतः ऐसे मरीजों के लिए सभी मेडिकल कालेजों में अलग से आईसीयू की व्यवस्था होनी चाहिए।
3. टी.बी. की दवाओं को लिखने का अधिकार सिर्फ प्रशिक्षण प्राप्त चिकित्सक को ही होना चाहिए।
4. टी.बी. नियंत्रण के लिए डीटीओ (जिला क्षय रोग अधिकारी) के साथ–साथ डीएम (जिला मजिस्ट्रेट) और सीएमओ (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) को भी जिम्मेदारी निभाने के साथ सामंजस्य बनाये रखना होगा।
5. सोशल मीडिया और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से समाज को शिक्षित और जागरूक बनाना होगा क्योंकि अभी भी टी. बी. की बीमारी से ग्रसित रोगियों (विशेष कर महिलाएं व बच्चों) को सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि शादीशुदा महिलाओं को तलाक दे दिया जाता है या अकेला छोड़ दिया जाता है, तथा टी.बी. के शिकार बच्चों के साथ दूसरे बच्चे न तो साथ बैठते है न ही खेलते हैं।

भारत के प्रधानमंत्री के 2025 के टी.बी. मुक्त भारत के सपने को हम सभी को अपना सपना बनाना होगा। इसे ठीक जैसे पोलियों और कोरोना के समय किया गया वैसे ही जनआंदोलन का रूप देना होगा। "टी.बी. मुक्त भारत" के लिए देश में "प्रधान से प्रधानमंत्री" सभी को टी.बी. के खिलाफ लड़ना होगा तभी प्रधानमंत्री का यह सपना साकार हो सकेगा।

कब्ज को दूर रखते हैं सुपरफूड्स

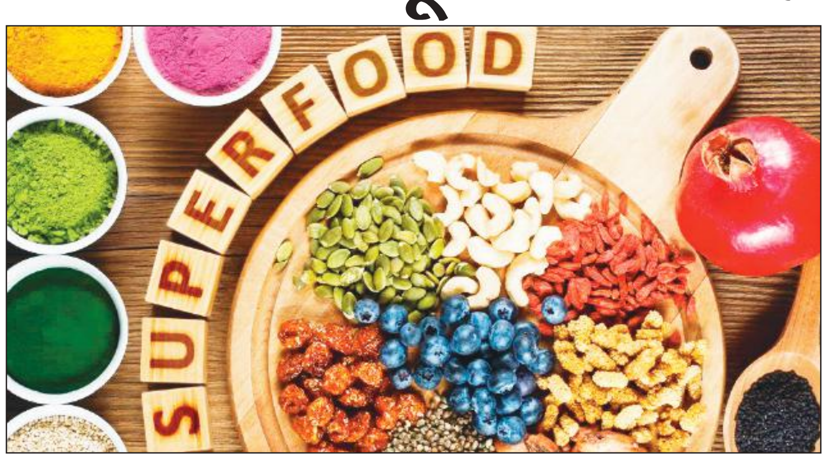

करें दलिये का सेवनः– दलिये का नियमित सेवन कब्ज से छुटकारा दिलाने में मदद करता है क्योंकि इसमें फाइबर की मात्रा काफी होती है। दलिया पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करता है और वजन घटाने में भी मदद करता है। नमकीन सब्जियों वाला दलिया पेट के लिए अधिक लाभप्रद है। कभी कभी मीठा दूध वाला दलिया भी ले सकते हैं।

नियमित सेब खाएंः– खाली पेट छिलके सहित एक सेब का सेवन पेट को आराम पहुंचाता है। सेब में सर्बिटोल नाम का तत्व होता है जो मल के कड़ेपन की समस्या से राहत दिलाता है। खाना खाने के तुरंत बाद सेब का सेवन न करें।

करें पालक का सेवनः– पालक में अघुलनशील फाइबर होता है जो पाचन को सुधारने में मदद करता है और मल को आसानी से बाहर निकालने में भी मदद करता है। पौष्टिकता से भरपूर पालक में विटामिन ए,बी2,सी और के अलावा मैगनीशियम,मैगजीन, फालेट, आयरन, कैल्शियम और पोटेशियम भी होता है। पथरी वाले रोगी पालक को सीमित मात्रा में लें। उसमें टमाटर का प्रयोग न करें।

पुदीनाः– शोध के मुताबिक पुदीने का सेवन कब्ज से पीड़ित लोगों के लिए लाभप्रद होता है। इसके सेवन से पेट की मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं और पाचन क्रिया में सुधार होता है।

क्यों होती है कब्जः–
– पानी कम पीने से।
– नाश्ता न करने से।
– अधिक मात्रा में चाय, काफी, अल्कोहल के सेवन से।
– मैदे से बने खाद्य पदार्थों के सेवन से।
– नींद पूरी न लेने से।
– घंटों बैठकर काम करने से।
– बवासीर,मलद्वार में कैंसर होने पर।
– खाने–पीने में रेशेदार खाद्य पदार्थों की कमी।
– अधिक मात्रा में अंडे और मांसाहार के सेवन से।
– गर्भावस्था, मानसिक परेशानी,बुढ़ापा आदि अवस्था में।
– व्यायाम की कमी।
– गलत खान–पान की आदतों से।
– नींद की गोलियों के सेवन से और नशीली दवाओं के सेवन से।

कब्ज एक आम समस्या है जो अधिकतर हमारे लाइफस्टाइल से जुड़ी होनी है। अधिकांश बीमारियां भी हमारे पेट से जुड़ी होती हैं, इस लिए पेट का स्वस्थ रहना आवश्यक है। कब्ज वाले लोगों की पाचन क्रिया ठीक न होने के कारण पेट में पड़े पड़े मल सख्त हो जाता है और पेट अच्छी तरह से साफ नहीं होता जिससे गैस, बदहजमी व एसिडिटी जैसी समस्याएं हमें परेशान करती रहती हैं। लगातार गलत खानपान और पानी कम पीने से अधिकतर लोग कब्ज से परेशान रहते हैं। कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं अगर उन्हें हम अपनी डाइट का हिस्सा बना लें तो इस समस्या से काफी हद तक छुटकारा पाया जा सकता है।

खाएं खट्टे फलः– खट्टे फलों में विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है और इनमें मौजूद रेशा, पोटेशियम, फॉलेट और कैल्शियम हमारी पाचन क्रिया को दुरूस्त रखने में मदद करते हैं जिससे कब्ज की परेशानी से राहत मिलती है। नियमित रूप से संतरे, मौसमी,नींबू, नारंगी, आंवला आदि का सेवन करें।

पानी खूब पिएंः– पानी का कम सेवन करने वालों को अक्सर कब्ज की शिकायत रहती है इसलिए इस समस्या से परेशान लोगों को पानी का सेवन दिन भर में 7–8 से गिलास अवश्य करना चाहिए ताकि समस्या से छुटकारा पाया जा सके। खाने के तुरंत बाद पानी का सेवन न करें।

पपीता खाएंः– पपीते में भी फाइबर की प्रचुर मात्रा होती है जो आंतों की सफाई करने में मदद करती है। फाइबर के अतिरिक्त पपीते में विटामिन ए, पोटेशियम और कैल्शियम भी होता है। इसका नियमित सेवन कब्ज के साथ–साथ पेट की कई बीमारियों से राहत दिलाता है।

खाएं पॉपकार्नः– पॉपकार्न में कई पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जो पेट के लिए अच्छे होते हैं। पॉपकार्न में कैलोरीज की मात्रा काफी कम होती है। फाइबर और एंटी आक्सीडेंट की प्रचुर मात्रा होने के कारण पेट को इसका लाभ मिलता है। नियमित रूप से सीमित मात्रा में पॉपकार्न खाएं पर बटर वाले पॉपकॉर्न न खाएं।

करें दही का सेवनः– शोधकर्ताओं के अनुसार दही में पाए जाने वाले प्रोबायोटिक्स मल को सॉफ्ट कर पेट साफ करने में मदद करते हैं। दही की तासीर ठंडी होने के कारण दही का सेवन कब्ज और गैस जैसी बीमारियों से राहत दिलाता है। दही में कई प्रकार के पोषक तत्व होते हैं, जैसे पोटेशियम, विटामिन्स, फास्फोरस, जिंक, विटामिन बी5 आदि जो हमारे पाचन तंत्र को लाभ पहुंचाते हैं।

खाएं बीन्सः– कब्ज वाले लोगों को बीन्स का सेवन अवश्य करना चाहिए क्योंकि बीन्स में प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है। नियमित रूप से बीन्स का सेवन करने से पेट अच्छी तरह साफ होता है जिससे पेट से जुड़ी तकलीफों से राहत मिलती है। पाचन क्रिया दुरूस्त बनती है।

सूखा आलूबुखारा और अंजीर खाएंः– सूखा आलूबुखारा और अंजीर फाइबर से भरपूर होते हैं। इनके सेवन से कब्ज दूर होती है। सूखा आलूबुखारा खाने से मल आसानी से निकलता है। ध्यान दें इसका सेवन सीमित मात्रा में करें नहीं तो नुकसान भी पहुँच सकता है। दो अंजीर को रात्रि में पानी में भिगोकर खाली पेट सुबह खाएं। पेट साफ होगा और पाचन शक्ति भी मजबूत होती है।

सेहत की खबरें

रक्तदान से स्वास्थ्य लाभः हमारे शरीर में दैनिक अरबों रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है जो लगभग 4 माह के भीतर स्वतः नष्ट हो जाती हैं। इनके स्वतः नष्ट होने से बेहतर यह है कि इन्हें दान कर दिया जाए। एक स्वस्थ व्यक्ति हर तीन माह के अंतराल में रक्तदान कर सकता है। वर्ष भर के दौरान पुरुष चार बार एवं महिलाएं तीन बार रक्तदान कर सकती हैं किंतु स्त्रियों को मासिक धर्म के कारण एवं रोगियों को अस्वस्थता के कारण रक्त दान करने से मना किया जाता है।नाइजीरिया के एक शोध के मुताबिक रक्तदान से जो खुशी एवं स्वास्थ्य लाभ मिलता है वह किसी अन्य उपाय से प्राप्त नहीं किया जा सकता। रक्तदान करने से दाता को स्वयं लाभ मिलता है। इससे कैंसर का खतरा टल जाता है और दिल की बीमारी एवं ब्रेन स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है। कोलेस्ट्रॉल स्तर में सुधार आता है और शरीर के विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं। रक्तदान से शरीर पर किसी भी तरह का बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। रक्तदान से सबसे ज्यादा लाभ रक्तदाता को मिलता है।

उम्र के चौथे दशक में हार्ट अटैक का खतराः किसी भी व्यक्ति के 30 से 40 वर्ष वाला जीवन सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। इस आयु में व्यक्ति पढ़ाई पूरी कर किसी न किसी तरह आजीविका में लग जाता है। आजीविका मिलने पर वह विवाह कर घर परिवार बसा लेता है। इस सुखमय आयु के दौर के समय ही हृदय पर रोगों का आक्रमण होता है। वह हायपरटेंशन, बी.पी. एवं हृदय रोगों का शिकार होता है। भारत में इसी आयु में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। रोजगार मिलने एवं घर बसा लेने के बाद लोग प्रायः अपने स्वास्थ्य, खानपान एवं दिल के मामले में लापरवाह हो जाते हैं। उनकी यही अनदेखी सेहत पर जोखिम को बढ़ाती है। इस विषय में कार्य की जिम्मेदारी, कार्यस्थल की व्यस्तता, तनाव आदि सब मिलकर स्वास्थ्य के खतरों को बढ़ाने का ही काम करते हैं। वजन बढ़ जाता है। बी.पी. बढ़ जाता है। रक्त में कोलेस्ट्रॉल एवं शुगर लेवल भी बढ़ जाता है। यह इसी आयु में होता है जो अचानक विपत्ति बनकर सामने आ जाता है।

जॉगिंग बनाती है फुर्तीलाः जॉगिंग करना एक लोकप्रिय शारीरिक व्यायाम है। जॉगिंग से जांघें, टांगे, कूल्हें, पीठ एवं पांव मजबूत होते हैं। सुबह की जॉगिंग सारा दिन फुर्तीला बनाती है। इससे भूख लगती है। एक्स्ट्रा फैट एवं मोटापा दूर होता है, कैलोरी बर्न होती है। मसल्स बनते हैं। पाचन तंत्रा सक्रिय होता है। नींद अच्छी आती है एवं मस्तिष्क तनावमुक्त होता है। काम करने की क्षमता बढ़ती है और रक्त प्रवाह सही रहता है। जॉगिंग एक दिन छोड़कर सिर्फ 5 मिनट ही करनी चाहिए। जॉगिंग के बाद विश्राम और स्नान कर भोजन करना चाहिए। बीमार एवं अधिक आयु के व्यक्तियों को डॉक्टर की सलाह पर जॉगिंग करनी चाहिए। जॉगिंग बंद स्थान की बजाय खुली जगह में करने से अधिक लाभ मिलता है। मुंह बंद कर जॉगिंग करनी चाहिए। इससे श्वसन तंत्रा मजबूत होता है। फेफड़ों में ताकत आती है। रक्त में ऑक्सीजन का स्तर सुधर जाता है जिससे समस्त शरीरांगों को पर्याप्त प्राण वायु मिलती है।

गुर्दा रोगों से बचाता है अनार का रसः गुर्दे शरीर के महत्त्वपूर्ण अंग हैं जो दिन रात काम करते हैं। ये सतत रक्त शोध का काम करते हैं। ये रक्त से विष तत्व को दूर करते हैं। स्वस्थ जीवन के लिए गुर्दों अर्थात किडनी का स्वस्थ रहना जरूरी है। इसमें विपत्ति आने पर यह संक्रमित होते हैं। सूजन आती है एवं रूग्ण हो कर खराब होते हैं। किडनी के खराब एवं फेल होने पर व्यक्ति की जल्द ही मृत्यु हो जाती है। खान पान के स्वस्थ एवं सीमित रहने पर किडनी स्वस्थ रहती है। शरीर की अन्य बीमारियों एवं ली गई दवाओं का दुष्प्रभाव भी गुर्दों पर पड़ता है। अनार एक ऐसा मीठा रसीला फल है जो दिल की बीमारियों में फायदेमंद होता है। यह किडनी को रोगों से भी बचाता है। अनार का रस इस मामले में दवा का काम करता है। किडनी खराब होने की स्थिति में दवा एवं डॉयलिसिस से पूर्व अनार रस देने से वांछित लाभ मिलता है। इसमें मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट तत्व फायदेमंद होता है।

प्रदूषण ने बढ़ाया पल्स रेटः बढ़ता प्रदूषण आज अनेक रोगों को फैलाने एवं उन्हें बढ़ाने का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। इससे बीपी, हृदयरोग, श्वसनतंत्रा, पाचन तंत्रा, त्वचा रोग आदि से पीड़ितों की संख्या बढ़ रही है। यह दृष्टि एवं श्रवण दोषों का कारण भी बनता जा रहा है। यह तनाव, अवसाद, क्रोध को बढ़ाकर मस्तिष्क क्षमता को कमजोर कर रहा है। सबसे खतरनाक बात यह है कि प्रदूषण पल्स रेट को बढ़ा रहा है। सामान्य स्वस्थ व्यक्ति का पल्स रेट 72 धड़कन प्रति मिनट होता है जो अब अधिकतर व्यक्तियों में बढ़ा हुआ मिल रहा है। यही हाल बीपी एवं शुगर लेवल का है। प्रदूषण इन दोनों को बढ़ाने का प्रमुख कारण बन गया है। आज विकास जरूरी है किंतु इसके लिए प्रकृति का अंधाधुंध विनाश करना गलत है। आज जरूरत है प्रकृति एवं पर्यावरण को बचाने की। प्रदूषण को कम करना एवं वृक्षारोपण को बढ़ाना तथा उसे बचाकर रखना है। तभी हम स्वस्थ रहेंगे।

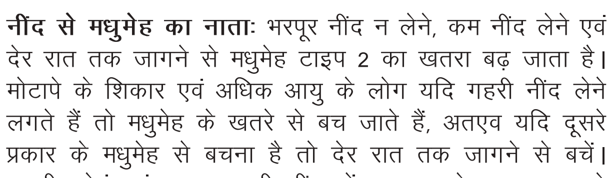

नींद से मधुमेह का नाताः भरपूर नींद न लेने, कम नींद लेने एवं देर रात तक जागने से मधुमेह टाइप 2 का खतरा बढ़ जाता है। मोटापे के शिकार एवं अधिक आयु के लोग यदि गहरी नींद लेने लगते हैं तो मधुमेह के खतरे से बच जाते हैं, अतएव यदि दूसरे प्रकार के मधुमेह से बचना है तो देर रात तक जागने से बचें। जल्दी सोएं एवं भरपूर गहरी नींद लें। यह मधुमेह टाइप 2 को रोकने में मददगार होता है।

चौराहे के प्रदूषण से कैंसर का खतराः सर्वत्रा चौराहों में प्रदूषण का स्तर सबसे ज्यादा होता है। इस प्रदूषण की अधिकता से त्वचा, नेत्रा, हृदय, श्वसन तंत्रा आदि सभी को नुकसान पहुंचता है। यह श्रवण एवं दिमागी क्षमता को कम करता है। चौराहे के प्रदूषण में मौजूद विभिन्न गैसों के कारण वहां अधिकतर समय उपस्थित रहने वालों को कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। चौराहे का प्रदूषण कैंसर का कारण भी बन सकता है।

तम्बाकू से मन मस्तिष्क कमजोर हो जाता हैः प्रतिबंध बेअसर होने के कारण तम्बाकू का विविध रूपों में उपयोग बढ़ गया है। सेवनकर्ता के मस्तिष्क पर तम्बाकू का प्रभाव तेजी के साथ हावी हो जाता है इसीलिए तम्बाकू सेवनकर्ता जल्द ही इसका आदी हो जाता है। तम्बाकू मन–मस्तिष्क को कमजोर कर देता है। इसके विष के प्रभाव से क्रोध की प्रवृत्ति प्रबल हो जाती है। तम्बाकू में चार प्रकार के ऐसे पदार्थ होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए विष का काम काम करते हैं। यह मुंह, दांत एवं पाचन को प्रभावित करता है। यह रक्तचाप एवं धड़कन को बढ़ा देता है। इससे पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। कब्ज एवं अपच की बीमारी होती है। तम्बाकू के खतरनाक प्रभाव को देखते हुए जन जागरूकता निहायत जरूरी है अन्यथा तम्बाकू जनित अनेक खतरनाक बीमारियों के कारण सालाना करोड़ों लोग असमय मरते रहेंगे।

'दंगल' में मेरी अदाकारी सबसे बेहतरीन, फिल्म में सिर्फ एक गलती की : आमिर खान

मुंबई, बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान का कहना है कि वह 2016 में प्रदर्शित 'दंगल' को अपने करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म मानते हैं, हालांकि इसमें एक ऐसा दृश्य था, जिसमें वह अपने किरदार से भटक गए थे। नितेश तिवारी निर्देशित 'दंगल' में महावीर सिंह फोगाट की भूमिका निभाने वाले आमिर ने कहा कि वह मेगास्टार अमिताभ बच्चन थे, जिन्होंने तुरंत उनके अभिनय में खामी को पहचान लिया था। आमिर ने कहा, ''मेरे लिए यह कहना मुश्किल है कि मेरी पसंदीदा फिल्म कौन–सी है। 'दंगल' में मेरी अदाकारी सबसे बेहतरीन थी। फिल्म में सिर्फ एक ऐसा दृश्य है, जिसे मैंने गलत तरह से किया और अमिताभ बच्चन इतने अनुभवी हैं कि उन्होंने वह दृश्य पकड़ लिया। मैंने उनसे पूछा, 'आपको फिल्म कैसी लगी?' तो उन्होंने कहा, 'बहुत अच्छी, लेकिन एक दृश्य में आप किरदार से भटकते हुए लग रहे थे'।'' अभिनेता ने कहा, ''फिल्म में कुश्ती के एक दृश्य के दौरान मैं खड़ा होता हूं और कहता हूं–'यस', यही दृश्य मुझसे गलत हो गया, क्योंकि महावीर फोगाट का किरदार कभी 'यस' नहीं कह सकता था। वह 'वाह' या 'शाबाश' कह सकता था, क्योंकि 'यस' एक अंग्रेजी या मुंबइया शब्द है।

संपादन में भी यह चूक पकड़ में नहीं आई। मैंने हर फिल्म में कुछ न कुछ गलत किया है, इसलिए कोई भी फिल्म पूरी तरह से सटीक नहीं है।'' आमिर शुक्रवार शाम 'रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल' में बोल रहे थे, जहां 1988 में प्रदर्शित उनकी फिल्म 'कयामत से कयामत तक' दिखाई गई थी। 'दंगल' फोगाट की प्रेरक कहानी पर आधारित थी, जिन्होंने अपनी दो बेटियों–गीता और बबीता को कुश्ती सिखाई थी। गीता ने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। 'दंगल' में गीता और बबीता फोगाट का किरदार क्रमशः फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा ने निभाया था। इस फिल्म में जायरा वसीम, सुहानी भटनागर, साक्षी तंवर और अपारशक्ति खुराना भी अहम किरदारों में नजर आए थे। 'दंगल' टिकट खिड़की पर लगभग 2,000 करोड़ रुपये की कमाई के साथ सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म है।

अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी 2' सिनेमाघरों में 18 अप्रैल को प्रदर्शित होगी

मुंबई, अभिनेता अक्षय कुमार ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी आगामी फिल्म ''केसरी 2'' सिनेमाघरों में 18 अप्रैल को प्रदर्शित होगी। फिल्म ''केसरी 2'' में अभिनेता आर. माधवन और अभिनेत्री अनन्या पांडे भी नजर आएंगी। यह फिल्म अक्षय कुमार अभिनीत वर्ष 2019 में आई फिल्म 'केसरी' का 'सिक्वल' है। अक्षय कुमार (57) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में फिल्म 'केसरी 2' को प्रदर्शित किये जाने की तारीख साझा की और बताया कि फिल्म का 'टीजर' 24 मार्च को जारी किया जाएगा। पोस्ट में कहा गया, ''साहस से रंगी क्रांति ''केसरी 2'' का टीजर इस सोमवार को आएगा। तैयार हो जाइए। सिनेमाघरों में 18 अप्रैल को प्रदर्शित होगी।'' नवोदित फिल्म निर्माता करण सिंह त्यागी ने फिल्म ''केसरी 2'' का निर्देशन किया है। इसका निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस, कुमार की केप ऑफ गुड फिल्म्स और आनंद तिवारी और अमृतपाल सिंह बिंद्रा के बैनर के तले किया गया है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, फिल्म ''केसरी 2'' जलियांवाला बाग हत्याकांड की मार्मिक कहानी बयां करेगी। फिल्म 'केसरी' सारागढ़ी की लड़ाई पर आधारित थी और इसका निर्देशन अनुराग सिंह ने किया था।

कोडवा राष्ट्रीय परिषद ने अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के लिए सुरक्षा मांगी

बेंगलुरु, अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के खुद को 'कर्नाटक के बजाय हैदराबाद से' बताने पर सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक रवि कुमार गौड़ा (गनीगा) और कन्नड़ कार्यकर्ता टी.ए. नारायण गौड़ा द्वारा आलोचना करने के बीच कोडवा राष्ट्रीय परिषद (सीएनसी) ने अभिनेत्री का समर्थन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रदेश के गृह मंत्री जी. परमेश्वर से उनकी सुरक्षा की अपील की है। सीएनसी के अध्यक्ष एन.यू. नचप्पा ने शाह और परमेश्वर को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि रश्मिका को "एक विधायक द्वारा धमकाया और डराया जा रहा है", जिसे कोडवा समुदाय "गुंडागर्दी" मानता है। नचप्पा ने कहा कि कोडवालैंड की मूल कोडवा आदिवासी जाति से ताल्लुक रखने वाली रश्मिका ने अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के दम पर भारतीय फिल्म जगत में अपार सफलता हासिल की है। नचप्पा ने कहा कि रश्मिका ने अमिताभ बच्चन और सलमान खान जैसे प्रमुख अभिनेताओं के साथ काम किया है। संगठन के अध्यक्ष ने कहा, "सीएनसी इस बात पर जोर देती है कि अपनी पसंद चुनने की रश्मिका की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए और उसे विधायकों की बात का पालन करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। परिषद इस बात पर भी प्रकाश डालती है कि विधायक की हरकतें कोडवा के प्रति भय को दर्शाती हैं, क्योंकि वे रश्मिका को केवल उसके समुदाय के कारण निशाना बना रहे हैं।" उन्होंने कहा, "इसके मद्देनजर, सीएनसी मांग करती है कि सरकार रश्मिका की सुरक्षा सुनिश्चित करे और उनके साथ उचित सम्मान के साथ पेश आए, उनके अधिकारों की रक्षा करे और न्याय को कायम रखे।"

'सर्वगुण संपन्न' में नजर आएंगे इश्वाक सिंह

18 नवंबर 1989 को नई दिल्ली में पैदा हुए एक्टर इश्वाक सिंह ने आर्किटेक्ट बनने के लिए पढ़ाई की और दिल्ली के एक थिएटर ग्रुप अस्मिता में शामिल होकर अभिनय की दुनिया में कदम रखा। इश्वाक सिंह अपने करियर में अब तक 'रांझणा' (2013), 'अलीगढ' (2015), 'तमाशा' (2015), 'तुम बिन 2' (2016) 'वीरे दी वेडिंग' (2018), 'मलाल' (2019), 'अनपॉज्ड' (2020), 'तुमसे ना हो पाएगा' (2023) और 'बर्लिन' (2023) जैसी फ़िल्मों की छोटी–छोटी भूमिकाओं में नजर आ चुके हैं। वेब सीरीज 'पाताल लोक' (2020) के जरिए इश्वाक सिंह ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा।

उसके बाद वे 'रॉकेट बॉयज़' (2022–2023) 'अधूरा' (2023) और 'मेड इन हेवन' (2023) जैसी वेब सीरीज में नजर आ चुके हैं। हाल ही में उनके दारा अभिनीत वेब सीरीज 'पाताल लोक सीजन 2' (2025) रिलीज हुई। इश्वाक सिंह इन दिनों अपनी सक्सेस को जमकर एन्जॉय कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस इंडस्ट्री में हर सफलता आपको अगले मुकाम तक लेकर जाती है और मैं इस सफर को पूरी तरह जी रहा हूं। टाइम्स 50 मोस्ट डिजायरेबल मेन 2020 की लिस्ट में 18वां स्थान हासिल कर चुके इश्वाक सिंह जल्दी ही 'तुमको मेरी कसम', 'गांधारी' और 'सर्वगुण संपन्न' फिल्मों में नजर आएंगे। उनकी पहली दो फिल्मों की शूटिंग चल रही है। जबकि फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' का पोस्ट–प्रोडक्शन जारी है। उनकी यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

नक्सली हताश हो चुके हैं क्योंकि उनके खिलाफ अभियान तेज़ हो रहा है:झारखंड के मुख्यमंत्री

रांची, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को कहा कि राज्य में सुरक्षा बलों के अभियान तेज होने से नक्सली हताश हो गए हैं। सोरेन और राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पश्चिमी सिंहभूम जिले में आईईडी विस्फोट में शहीद हो गये केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। यहां सीआरपीएफ की 133वीं बटालियन मुख्यालय में इन शहीद जवान को श्रद्धांजलि देने के लिए पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया था। सोरेन ने पत्रकारो से कहा, ''सीआरपीएफ जवान का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सली हताश हो चुके हैं क्योंकि उनके खिलाफ अभियान तेज हो रहा है... यह अभियान जारी रहेगा।'' पुलिस के अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम जिले में छोटानागरा थानाक्षेत्र के वानग्राम मरंगपोंगा जंगल में शनिवार को नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ की 193 वीं बटालियन के उप–निरीक्षक सुनील कुमार मंडल और एक अन्य जवान पार्थ प्रतिम घायल हो गए थे। दोनों को इलाज के लिए हवाई मार्ग से रांची लाया गया जहां उपनिरीक्षक मंडल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

कौशल विकास से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा : राजस्थान के उपमुख्यमंत्री

जयपुर, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री प्रेम चंद बैरवा ने शनिवार को कहा कि कौशल विकास से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा और युवा प्रतिभा के साथ न्याय भी हो सकेगा। उन्होंने कहा, ''कौशल शिक्षा और कौशल विकास से न केवल रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, बल्कि भारत को विनिर्माण हब बनाने की दिशा में भी कारगर कदम उठाये जा सकेंगे।'' यहां भारतीय कौशल विकास विश्वविद्यालय (बीएसडीयू) के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''नए भारत'' की परिकल्पना को साकार करने में कौशल शिक्षा की बड़ी भूमिका है, जिस पर राज्य सरकार भी पूरा ध्यान केंद्रित कर रही है। बैरवा ने कहा कि कौशल शिक्षा में बीएसडीयू जैसा विश्व स्तरीय परिसर प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने एक बयान में कहा कि राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को गति देने के लिए पिछले वर्ष आयोजित 'राइजिंग राजस्थान समिट' में 35 लाख करोड़ के 'एमओयू' के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा की जा रही है जिसमें अक्षय ऊर्जा में भी बड़ा निवेश किया गया है और आने वाले समय में प्रदेश में इस क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। बीएसडीयू के अध्यक्ष प्रोफेसर विवेक भंडारी ने बताया कि परिसर ने 'नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क' (एनआईआरएफ) में तीसरी रैंकिंग हासिल की है। उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी निर्माण कौशल के तहत 'फैसिलिटी मैनेजमेंट स्किल्स' में एक नया पाठ्यक्रम भी शुरू करने जा रही है।

अनिद्रा से हो सकती हैं हृदय संबंधी समस्याएं, मनोवैज्ञानिक ने अच्छी नींद के लिए सुझाव दिए

कॉलेज टाउनशिप (अमेरिका), (द कन्वरसेशन) अमेरिका के लगभग 10 प्रतिशत लोगों का कहना है कि वे अनिद्रा की समस्या से जूझ रहे हैं और लाखों अन्य लोग अच्छी नींद नहीं आने की शिकायत करते हैं। अनिद्रा को लेकर किए जा रहे एक शोध में पता चला कि खराब नींद के कारण हृदय रोग सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। पेन स्टेट कॉलेज ऑफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा और व्यवहारिक स्वास्थ्य, तंत्रिका विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. जूलियो फर्नांडीज–मेंडोजा ने इस शोध में जिन बिन्दुओं पर चर्चा की है उनमें नींद की जरूरत, किशोरों को वयस्कों की तुलना में अधिक नींद की जरूरत क्यों होती है, और बिना दवा के कैसे अच्छी नींद ले सकते हैं, शामिल हैं।

वयस्कों और किशोरों के लिए कितनी नींद जरूरी?: रात में लगभग सात से आठ घंटे की नींद लेने वाले व्यस्कों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य आमतौर पर सबसे अच्छा होता है और ज्यादा समय तक जीते हैं। लेकिन उम्र के साथ ये सुझाव थोड़े बदल जाते हैं। जिन व्यस्कों की उम्र 65 वर्ष से अधिक उनके लिए रात में केवल छह से सात घंटे की नींद भी काफी हो सकती है। इसलिए, अगर कोई बुजुर्ग स्वस्थ हैं तो उन्हें इस बात पर चिंतित नहीं होना चाहिए कि वे केवल छह घंटे की नींद ले पा रहे हैं। युवाओं को सबसे अधिक कम से कम नौ घंटे की नींद की आवश्यकता होती है और कुछ छोटे बच्चों को इससे भी अधिक की जरूरत हो सकती है।

कम नींद कैसे हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है? : हमारी टीम ने सबसे पहले पाया कि अनिद्रा की शिकायत करने वाले लोगों में उच्च रक्तचाप और हृदय रोग का जोखिम अधिक होता है। किशोरों और वयस्कों दोनों में, हमने पाया कि अनिद्रा और कम नींद के कारण तनाव, हार्मोन का स्तर और सूजन जैसी समस्याएं हो सकते हैं। आमतौर पर इस तरह के लक्षण हृदय रोग से पहले दिखाई देते हैं।

नींद की गंभीर समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए क्या है जरूरी : कैफीन और शराब का कम सेवन, धूम्रपान न करना, नियमित रूप से व्यायाम, ये ऐसी आदतें हैं जो अच्छी नींद में मदद करते हैं। मैं सलाह देता हूं कि भोजन को न छोड़ें, रात को बहुत देर से भोजन न करें और बहुत ज्यादा भोजन भी न करें। लेकिन लंबे समय से नींद की समस्या से जूझ रहे लोगों को व्यवहार में और बदलाव करने की जरूरत हो सकती है। अध्ययन छह नियमों को मानने की सलाह देता जो आपकी नींद में सुधार कर सकते हैं। ये नियम ऐसे हैं जिनका पालन करने में आपको ज्यादा समय भी नहीं लगेगा और फिर उसके बाद आप यह तय कर सकते हैं कि इन नियमों को अपनी जीवनशैली में कैसे अपनाना है। सबसे पहलाः चाहे कुछ भी हो आप हर दिन एक ही समय पर उठें। चाहे आपको कितनी भी नींद आए। यह आपके नींद/जागने के चक्र को स्थिर करेगा। दूसराः सोने और संभोग के अलावा बिस्तर पर कोई भी अन्य काम न करें। तीसराः जब आपको नींद न आए तो बिस्तर पर बेवजह न लेटे रहें। इसके बजाय बिस्तर से उठें, अगर हो सके तो दूसरे कमरे में जाकर ऐसी कोई गतिविधि करें जो मजेदार या आरामदेह हो। जब आप सोने के लिए तैयार हों, तभी बिस्तर पर वापस जाएं। चौथाः खराब नींद के बाद भी अपने रोजाना के कामकाज जारी रखें। दिन के समय नींद की कमी को पूरा करने की कोशिश न करें। अगर आपको अनिद्रा की समस्या है और पिछली रात अच्छी नींद नहीं आई तो दिन या शाम के दौरान झपकी न लें, न सोएं। पांचवांः बिस्तर पर तभी जाएं जब आपको वास्तव में नींद आ रही हो। छठाः कम से कम पांच घंटे की नींद से शुरुआत करें और फिर इसे साप्ताहिक रूप से 15 मिनट तक बढ़ाएं। **(जूलियो फर्नांडीज–मेंडोजा, पेन स्टेट)**

पश्नपत्र लीक के बाद कक्षा 11 की सभी राज्य बोर्ड परीक्षाएं रद्द

गुवाहाटी, (भाषा) असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा कि विभिन्न स्थानों पर प्रश्नपत्र लीक होने की खबरों के बाद असम राज्य बोर्ड की 11वीं कक्षा की 24 से 29 मार्च तक होने वाली सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। राज्य के छात्र संगठनों नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), सत्र मुक्ति संग्राम समिति (एसएमएसएस) और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (एएएसयू) ने मामले की उचित जांच की मांग की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत असम सरकार की आलोचना करते हुए पेगु के इस्तीफे तथा राज्य बोर्ड के प्रमुख आर. सी. जैन को निलंबित करने की मांग की। इससे पहले, असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) की 21 मार्च को होने वाली उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष की गणित की परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो गया था, जिसके कारण अधिकारियों को परीक्षा रद्द करनी पड़ी। अधिकारियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष या कक्षा 11 की परीक्षाएं छह मार्च को शुरू हुई थीं और 29 मार्च तक जारी रहने वाली थीं। पेगू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रश्नपत्र लीक होने और प्रोटोकॉल के उल्लंघन की खबरों के कारण शेष विषयों की एचएस प्रथम वर्ष की परीक्षा 2025 (24–29 मार्च तक निर्धारित) को रद्द कर दिया गया है।'' असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) के आधिकारिक आदेश को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि परीक्षाओं के नए कार्यक्रम के संबंध में आगे की कार्रवाई सोमवार को बोर्ड की बैठक में तय की जाएगी। मंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि राज्यभर में तीन सरकारी संस्थानों सहित 18 स्कूलों ने निर्धारित परीक्षा से एक दिन पहले सुरक्षा सील तोड़ दी थी जिससे गणित का प्रश्नपत्र लीक हो गया। उन्होंने कहा, ''एएसएसईबी ने 11वीं कक्षा के गणित के प्रश्नपत्रों की सील निर्धारित समय से पहले तोड़े जाने और उनके लीक होने के कारण 10 जिलों के 15 निजी स्कूलों की संबद्धता निलंबित कर दी है।'' मंत्री ने कहा, ''राज्य सरकार इसी तरह नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन अन्य स्कूलों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी।'' पेगु ने कहा कि पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी और इन स्कूलों को 2025–26 शैक्षणिक वर्ष के लिए कक्षा 11 में छात्रों को प्रवेश देने से रोक दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक (प्रभारी) रंजन कुमार दास की ओर से जारी एएसएसईबी आदेश के अनुसार, सभी स्कूल निरीक्षकों और प्रमुख कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को गणित के प्रश्नपत्र के सीलबंद पैकेट मिल गए हैं। आदेश के अनुसार, ''...उनकी रिपोर्ट से यह पता चलता है कि कुछ संस्थानों ने प्रश्नपत्रों के सीलबंद पैकेट 20/03/2025 को खोले थे, जबकि परीक्षा 21/03/2025 के दूसरे सत्र में आयोजित होने वाली थी।'' आदेश में कहा गया, ''यह माना जा रहा है कि बाकी प्रश्नपत्रों के लीक होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि शेष विषयों के सभी प्रश्नपत्र असम के प्रत्येक संस्थान के पास हैं जहां परीक्षा आयोजित की जा रही है।'' दास ने आदेश में कहा कि इसलिए 24 मार्च से 29 मार्च तक एचएस प्रथम वर्ष की सभी शेष विषयों की परीक्षा रद्द कर दी गई है। दास ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि गुवाहाटी स्थित सीआईडी मुख्यालय में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जबकि शैक्षणिक संस्थानों के खिलाफ संबंधित थानों में 18 अन्य मामले दर्ज कराए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि 18 केंद्रों में से सभी ने प्रश्नपत्र लीक नहीं किए हैं। संभवतः केवल एक या दो केंद्रों ने प्रश्नपत्र लीक किए और वे सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हो गए। पुलिस विस्तृत जांच कर दोषियों का पता लगाएगी।'' असम के बारपेटा जिले में पिछले सप्ताह नौवीं कक्षा की अंग्रेजी की वार्षिक परीक्षा का प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर लीक हो गया था, जिसके बाद इसे भी रद्द कर दिया गया था। कांग्रेस की छात्र शाखा 'नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया' (एनएसयूआई) ने कहा कि पेपर लीक होना युवा पीढ़ी के भविष्य की रक्षा करने में सरकार की विफलता को दर्शाता है। एनएसयूआई की असम शाखा के अध्यक्ष कृष्णु बरुआ ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''पेपर लीक की लगातार घटनाओं के बावजूद प्रशासन ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं। प्रश्नपत्र लीक होने के परिणाम विनाशकारी हैं। इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत करने वाले लाखों छात्र अनिश्चितता की स्थिति में हैं।'' उन्होंने कहा, ''निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षाएं आयोजित करने में सरकार की विफलता हमारी शिक्षा प्रणाली में व्याप्त व्यवस्थागत खामियों को दर्शाता है। युवाओं को ऐसी सरकार चाहिए जो उनकी शिक्षा, भविष्य और कल्याण को प्राथमिकता दे।'' स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की राज्य सचिव संगीता दास ने आरोप लगाया कि हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार में प्रश्नपत्र लीक होना आम बात हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया, ''हमने प्रश्नपत्र रद्द किए जाने के विरोध में 2019 में भूख हड़ताल की थी और आर. सी. जैन के इस्तीफे की मांग की थी। सुधारों की बात तो छोड़िए, असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एसईबीए) और परिषद को भंग कर दिया गया और एक बोर्ड का गठन कर दिया गया, लेकिन जैन के खिलाफ कोई जांच नहीं की गई। भ्रष्ट अधिकारी फिर से एएसएसईबी का अध्यक्ष बन गया।'' पिछले साल फरवरी में एसईबीए और असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद (एएचएसईसी) को मिलाकर एक नया निकाय असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) का गठन किया गया था। दास ने मांग की, ''क्या शिक्षा मंत्री ऐसी गड़बड़ी की जिम्मेदारी लेंगे और इस्तीफा देंगे? मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया जाना चाहिए और तब तक जैन को निलंबित कर दिया जाना चाहिए और पेगु को पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।'' सत्र मुक्ति संग्राम समिति (एसएमएसएस) के महासचिव प्रांजल कलिता ने दावा किया कि असम सरकार परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में दुनिया में रिकॉर्ड बनाएगी। उन्होंने कहा, ''हिमंत विश्व शर्मा जब शिक्षा मंत्री थे वह तब से असम के छात्रों के जीवन से खेल रहे हैं। अब वह मुख्यमंत्री बनकर भी यही कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री पेगु को अपनी विफलता स्वीकार करनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए।'' एएएसयू के अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने कहा कि गोपनीयता बनाए रखना किसी भी परीक्षा संस्थान का प्राथमिक कर्तव्य होता है, लेकिन एएसएसईबी परीक्षाओं का उचित संचालन करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा, ''हम उचित जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं। छात्रों को न्याय मिलना चाहिए।''

केवल जनसंख्या मानदंड के आधार पर परिसीमन अनुचितः नवीन पटनायक

भुवनेश्वर, (भाषा) बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने शनिवार को कहा कि संसद में सीटों की संख्या निर्धारित करने के लिए जनसंख्या ही एकमात्र मानदंड नहीं होना चाहिए। पटनायक ने परिसीमन प्रक्रिया प्रारंभ करने से पहले सभी दलों के साथ विस्तृत चर्चा की मांग की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा बुलाई गई परिसीमन पर पहली संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक को संबोधित करते हुए पटनायक ने कहा कि बीजद ओडिशा के लोगों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

यदि बातचीत की जाए तो समाधान दूर नहीं हो सकता हैः न्यायमूर्ति गवई ने मणिपुर हिंसा पर कहा

इंफाल, (भाषा) उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई ने रविवार को कहा कि सभी समस्याएं संवैधानिक तरीकों से हल की जा सकती हैं तथा जब बातचीत होती है तो समाधान तक पहुंचा जा ही सकता है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल को पता चला है कि जातीय संघर्ष से ग्रस्त इस राज्य में हर कोई शांति बहाली चाहता है और किसी को भी वर्तमान स्थिति के जारी रहने में रुचि नहीं है। वह शनिवार को मणिपुर की दो दिवसीय यात्रा पर आये उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों के दल के अगुवा हैं। मणिपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''संवैधानिक तरीकों से हर चीज का समाधान किया जा सकता है। अगर बातचीत होगी तो समाधान दूर नहीं होगा। राहत शिविरों में रह रहे लोग अपने घर लौटना चाहते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि राज्यपाल के प्रयासों से मणिपुर में जल्द ही शांति और सामान्य स्थिति बहाल होगी।'' न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए उस राज्य का दौरा करना बहुत खुशी की बात है, जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिन्द फौज ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी और जहां 1944 में पहली बार भारतीय ध्वज फहराया गया था। उन्होंने कहा,''. ..जैसे महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश या जम्मू और कश्मीर भारत का हिस्सा हैं, वैसे ही मणिपुर और अन्य सात बहनें (पूर्वोत्तर के अन्य राज्य) भी इस देश का हिस्सा हैं। हम देश की एकता के लिए प्रयास करते हैं।'' न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि उन्होंने और उनके सहयोगियों ने फैसला किया था कि मणिपुर की अपनी यात्रा के दौरान वे उन लोगों से बातचीत करेंगे जो पिछले दो वर्षों से संघर्ष के कारण पीड़ित हैं। उन्होंने कहा, ''हमने चुराचांदपुर और बिष्णुपुर में राहत शिविरों का दौरा किया और दोनों समुदायों के लोगों से बातचीत की। एक बात जो हम समझ पाए वह यह है कि हर कोई शांति की बहाली चाहता है। किसी को भी मौजूदा स्थिति के जारी रहने में दिलचस्पी नहीं है। हम सभी संवैधानिक तरीकों से राज्य में सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए एकजुट होकर काम कर सकते हैं।''

माझी और साय महानदी जल विवाद के शांतिपूर्ण समाधान पर सहमत

भुवनेश्वर, (भाषा) ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और छत्तीसगढ़ के उनके समकक्ष विष्णु देव साय ने शनिवार को दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच महानदी जल बंटवारा विवाद का शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने पर सहमति जताई। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। ओडिशा के दौरे पर आए साय ने यहां लोक सेवा भवन में माझी से मुलाकात की। ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, ''दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने महानदी जल विवाद मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान का रास्ता खोजने पर सहमति जताई है।'' माझी ने विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''महानदी को लेकर छत्तीसगढ़ के साथ विवाद है। आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा हुई। चूंकि, केंद्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में 'ट्रिपल इंजन' की सरकार है, इसलिए इस विवाद को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझा लिया जाएगा।'' महानदी जल विवाद तब पैदा हुआ, जब छत्तीसगढ़ ने महानदी के ऊपरी हिस्से में कई बैराज और चेक डैम बनाए, जिससे नदी के निचले हिस्से में पानी का मुक्त प्रवाह अवरुद्ध हो गया। ओडिशा की शिकायत है कि नदी के ऊपरी छोर पर बैराज बनाए जाने के कारण महानदी में पानी का प्रवाह कम हो गया है, जिसके कारण यह गर्मियों में सूख जाती है।

भारतीय नौसेना के स्वदेशी युद्धपोत 'तवस्या' का गोवा में जलावतरण

पणजी, (भाषा) भारतीय नौसेना की परियोजना 11356 (यार्ड 1259) के तहत तैयार दूसरे युद्धपोत 'तवस्या' का केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की मौजूदगी में गोवा में शनिवार को जलावतरण किया गया। यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि यह जलावतरण युद्धपोत निर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है, तथा रक्षा विनिर्माण में देश के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को मजबूत करता है। युद्धपोत का मुख्य अतिथि संजय सेठ की उपस्थिति में वास्को स्थित गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में नीता सेठ द्वारा औपचारिक रूप से जलावतरण किया गया। इस अवसर पर पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर वाइस एडमिरल एसजे सिंह, युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण नियंत्रक वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन और भारतीय नौसेना के अन्य अधिकारियों सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 3,800 टन से अधिक जल विस्थापन के साथ, 'तवस्या' को आक्रामक और रक्षात्मक अभियानों की विविध श्रृंखला को अंजाम देने के लिए तैयार किया गया है, जो हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में रणनीतिक प्रभुत्व सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

विटामिन, खनिज पूरक पदार्थों की अधिकता आपके लिए हानिकारक हो सकती है

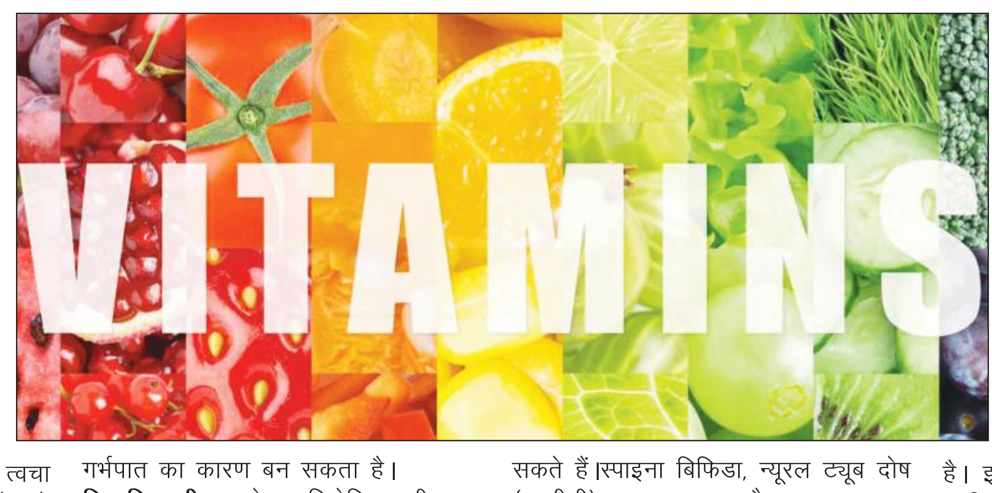

लंदन, (द कन्वरसेशन) ब्रिटेन के लगभग आधे वयस्क लोग वर्तमान में खाद्य पूरक पदार्थ (फूड सप्लीमेंट) लेते हैं लेकिन विटामिन और खनिजों की आमतौर पर कम मात्रा में आवश्यकता होती है और किसी भी अच्छी चीज की अधिकता आपके लिए हानिकारक हो सकती है। यहां आपको कुछ सबसे आम विटामिन और खनिज पदार्थों के लाभों और जोखिमों के बारे में जानने की आवश्यकता है।

विटामिन एः विटामिन ए संक्रमण से लड़ने में प्रतिरक्षा प्रणाली की सहायता करता है, आपको अंधकार में बेहतर देखने में मदद करता है और स्वस्थ त्वचा के लिए आवश्यक है। ज्यादातर लोगों को डेयरी और तैलीय मछली उत्पादों से पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए मिल सकता है। पीली और लाल सब्जियों में बीटा–कैरोटीन होता है, जो शरीर में विटामिन ए में बदल जाता है। पुरुषों और महिलाओं के लिए अनुशंसित दैनिक खुराक (आरडीए) क्रमशः 700 माइक्रोग्राम और 600 माइक्रोग्राम है। यद्यपि आपका शरीर अतिरिक्त विटामिन ए संग्रहीत कर लेता है, लेकिन कुछ शोधों से पता चलता है कि कई वर्षों तक प्रतिदिन 1.5 मिलीग्राम से अधिक विटामिन ए का सेवन करने से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। वृद्ध लोगों में, इससे फ्रैक्चर हो सकता है क्योंकि उन्हें ऑस्टियोपोरोसिस होने की अधिक आशंका होती है। ऑस्टियोपोरोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और उनका घनत्व कम हो जाता है। यदि आप गर्भवती हैं, तो आपको विटामिन ए की खुराक से पूरी तरह बचना चाहिए – अधिक विटामिन ए जन्म दोष और गर्भपात का कारण बन सकता है।

विटामिन बी6: इसे पाइरिडोक्सिन भी कहा जाता है, यह विटामिन स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने और शरीर को भोजन से ऊर्जा संग्रहीत करने में मदद करने के लिए आवश्यक है। पुरुषों और महिलाओं के लिए आरडीए क्रमशः 1.4एमजी और 1.2एमजी प्रतिदिन है। इसे अनाज, चिकन और सोयाबीन के सेवन से प्राप्त किया जा सकता है।

फोलिक एसिडः स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण के लिए फोलिक एसिड या फोलेट की आवश्यकता होती है। फोलिक एसिड के अच्छे स्रोतों में हरी पत्तेदार सब्जियां, चने और 'फोर्टिफाइड' अनाज शामिल हैं। आरडीए प्रतिदिन 200 माइक्रोग्राम है। विटामिन और खनिज पदार्थों से युक्त अनाज को 'फोर्टिफाइड' अनाज कहा जाता है। गर्भवती महिलाओं में स्पाइना बिफिडा जैसे न्यूरल ट्यूब दोषों को रोकने के लिए फोलिक एसिड की सिफारिश की जाती है। डॉक्टर उच्च जोखिम वाले रोगियों में अनुशंसित खुराक (5 मिलीग्राम) से अधिक खुराक लिख सकते हैं।स्पाइना बिफिडा, न्यूरल ट्यूब दोष (एनटीडी) का एक प्रकार है। यह एक जन्म दोष है, जिसमें गर्भ में शिशु की रीढ़ की हड्डी ठीक से नहीं बनती। इससे रीढ़ की हड्डी में दरार आ जाती है और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचता है। एक हजार माइक्रोग्राम (1 मिलीग्राम) से अधिक फोलिक एसिड का सेवन करने से विटामिन बी12 की कमी के लक्षण, जैसे थकान, हाथ–पैरों में झुनझुनी और मांसपेशियों में कमजोरी, छिप सकते हैं।

विटामिन डी और कैल्शियम : शरीर में कैल्शियम की मात्रा विटामिन डी द्वारा नियंत्रित होती है। दोनों पोषक तत्व स्वस्थ हड्डियों और दांतों के लिए सहायक होते हैं। विटामिन डी प्रतिरक्षा प्रणाली, मांसपेशियों और तंत्रिकाओं के लिए भी आवश्यक है। 'फोर्टिफाइड' अनाज जैसे कुछ खाद्य पदार्थों में विटामिन डी होता है, लेकिन यह ज्यादातर तब बनता है जब त्वचा सूरज की रोशनी के संपर्क में आती है। विटामिन डी के लिए आरडीए 10 माइक्रोग्राम है। जिन लोगों में विटामिन डी की कमी होती है, उन्हें ज्यादा खुराक दी जा सकती है। जो लोग धूप में अधिक नहीं निकलते, उन्हें रोजाना पूरक आहार लेने से फायदा हो सकता है। लेकिन कई सालों तक विटामिन डी की बहुत अधिक मात्रा लेने से गुर्दे खराब हो सकते हैं और दिल की अनियमित धड़कन का कारण बन सकती है। यह हड्डियों के लिए भी बुरा हो सकता है।

लौह : आयरन लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण के लिए आवश्यक एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। इसके स्रोतों में लाल मांस और बीन्स शामिल हैं। आयरन की कमी दुनिया में एनीमिया का सबसे आम कारण है; हालांकि, बहुत अधिक मात्रा में इसका सेवन करना विषाक्त हो सकता है। आयरन के लिए आरडीए आपके लैंगिक और उम्र के आधार पर अलग–अलग होता है, लेकिन आपको प्रतिदिन 17 मिलीग्राम से ज्यादा आयरन नहीं लेना चाहिए।

फिश ऑयल : इन पूरक आहार में ओमेगा–3 फैटी एसिड होते हैं। शरीर में कोशिकाओं को सहारा देने के लिए और साथ ही हृदय, फेफड़े, रक्त वाहिकाओं और प्रतिरक्षा प्रणाली को ठीक से काम करने के लिए अलग–अलग वसा की आवश्यकता होती है। इनमें से कुछ शिशुओं के मस्तिष्क और आंखों के विकास के लिए आवश्यक हैं। फिश ऑयल को हृदय रोग की कम संभावना से जोड़ा गया है। हालांकि, अध्ययनों में इस बात के मिश्रित परिणाम मिले हैं कि ये वास्तव में कितने प्रभावी हैं। **(दीपा कामदार, किंग्स्टन विश्वविद्यालय)**

अंतरिक्ष यात्रियों के 'ओवरटाइम' का भुगतान अपनी जेब से करूंगाः ट्रंप

वाशिंगटन, (भाषा) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह अंतरिक्ष यात्री विल्मोर बुच और सुनीता विलियम्स के 'ओवरटाइम' का भुगतान अपनी जेब से करेंगे। दोनों अंतरिक्ष यात्री, अंतरिक्ष में नौ माह फंसे रहने के बाद इस सप्ताह पृथ्वी पर वापस लौटे हैं। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतरिक्ष में 286 दिन बिताए। अंतरिक्ष यात्रियों को आठ दिवसीय मिशन पर भेजा गया था लेकिन यान में खराबी आने से वे 278 दिन अधिक वहां फंसे रहे। ओवल ऑफिस में जब संवाददताओं ने ट्रंप से अंतरिक्ष यात्रियों के 'ओवरटाइम' के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''किसी ने भी मुझसे इसका जिक्र नहीं किया। अगर मुझे करना पड़ा, तो मैं अपनी जेब से इसका भुगतान करूंगा।'' ट्रंप ने यह तब कहा जब एक 'फॉक्स न्यूज' के संवाददाता ने बताया कि विल्मोर और विलियम्स को अंतरिक्ष में प्रत्येक दिन के लिए पांच अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन मिलते हैं, यानी उनका अतिरिक्त वेतन 1,430 अमेरिकी डॉलर बनता है। एक बचाव दल इस सप्ताह 'स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन' यान से विलियम्स और विल्मोर को पृथ्वी पर लाया। ट्रंप ने 'टेस्ला' और 'स्पेसएक्स' के प्रमुख एलन मस्क को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''सोचिए कि अगर हमारे पास वह (एलन मस्क)नहीं होते? अगर हमारे पास एलन नहीं होते तो हो सकता था कि वे (विलियम्स और विल्मोर) और लंबे समय तक वहां रहते।'' नासा के अनुसार, वार्षिक वेतन करीब 152,258 अमेरिकी डॉलर के अलावा विल्मोर और विलियम्स को अंतरिक्ष में 286 दिनों के लिए लगभग 1,430 अमेरिकी डॉलर अदा किए गए हैं।

शुल्क से जुड़े घटनाक्रमों, वैश्विक रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नयी दिल्ली, (भाषा) वैश्विक रुझान, शुल्क से जुड़े घटनाक्रम और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह बाजार में जोरदार उछाल आया और बेंचमार्क सूचकांक चार प्रतिशत से अधिक चढ़ गए। एक विशेषज्ञ ने कहा कि निवेशकों की धारणा में सुधार, विदेशी पूंजी प्रवाह और सकारात्मक वैश्विक घटनाक्रमों से बाजार में यह तेजी आई। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख (संपदा प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि आकर्षक मूल्यांकन और आर्थिक पुनरुद्धार के संकेतों के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय बाजार में लौटने के कारण यह तेजी जारी रहेगी।'' एक विश्लेषक ने कहा कि निवेशकों की निगाह डॉलर के मुकाबले रुपये के रुख और वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम पर भी रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष–शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''घरेलू मोर्चे पर कोई प्रमुख आर्थिक घटनाक्रम नहीं होने की वजह से सभी का ध्यान मार्च के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान और एफआईआई की गतिविधियों पर रहेगा। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बाजारों पर सभी की निगाह रहेगी। शुल्क से संबंधित घटनाक्रम और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि, तेज गिरावट के बाद अमेरिकी बाजारों में अस्थायी राहत देखने को मिली है, लेकिन मिले–जुले संकेतों से आने वाले सत्रों में संभावित रूप से कुछ उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकता है।'' पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 3,076.6 अंक या 4.16 प्रतिशत चढ़ गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 953.2 अंक या 4.25 प्रतिशत के लाभ में रहा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार ने लगातार सुधार के साथ सप्ताह का समापन किया है। जोखिम–मुक्त दरों में प्रत्याशित कमी, डॉलर सूचकांक में सुधार की वजह से उभरते बाजारों में निवेश प्रवाह लौट रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली अब कम हो गया है और वे शुद्ध लिवाल बन गए हैं। इससे घरेलू बाजार की धारणा में सुधार हुआ है।'' शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 3,239.14 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। शुक्रवार को भी एफआईआई शुद्ध लिवाल रहे और उन्होंने 7,470.36 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन क्षेत्र में जापानी कंपनियों के लिए निवेश के नए अवसर : रिपोर्ट

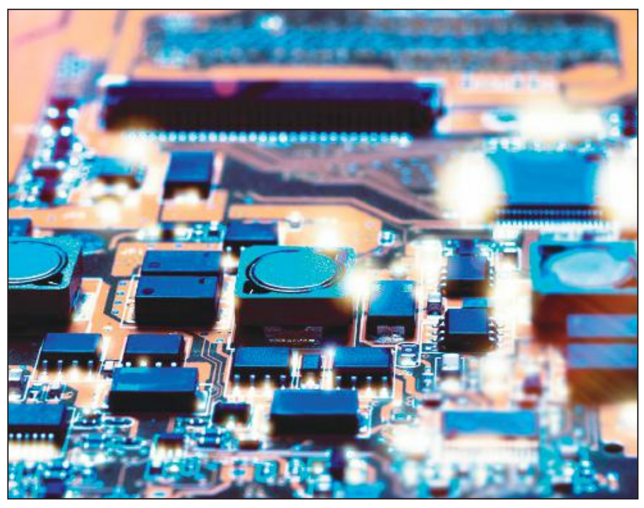

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और वाहन जैसे क्षेत्रों के लिए वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के प्रयास जापान की कंपनियों के लिए यहां निवेश के नए अवसर खोल रहे हैं। रविवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। शार्दुल अमरचंद मंगलदास और फिक्की की रिपोर्ट 'भारत के विकास की कहानी : जापान के एसएमई के लिए नए अवसर' में कहा गया है कि जिन अन्य क्षेत्रों में दोनों देशों की कंपनियां सहयोग बढ़ा सकती हैं उनमें भंडार गृह, पैकेजिंग सामग्री, शीत भंडारण श्रृंखला की स्थापना, डेयरी, रक्षा और एयरोस्पेस शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि जापानी कंपनियों और भारत के उभरते सूचना और प्रौद्योगिकी उद्योग के बीच तकनीकी तालमेल नवाचार के लिए एक रोमांचक अवसर प्रदान करता है। रिपोर्ट कहती है, ''सहयोगात्मक शोध और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पहल के जरिये जापान के लघु और मझोले उद्यम इन आधुनिक समाधान का अपने परिचालन में एकीकरण कर सकते हैं, जिससे उनकी दक्षता बढ़ेगी और वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी रूप से आगे हो सकेंगे।'' इसमें कहा गया है कि युवा और तेजी से समृद्ध होते मध्यम वर्ग द्वारा संचालित भारत का विशाल घरेलू बाजार, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन कलपुर्जा से लेकर स्वास्थ्य सेवा और खाद्य प्रसंस्करण तक सभी क्षेत्रों में मजबूत आंतरिक मांग सुनिश्चित करता है। रिपोर्ट कहती है, '' व्यापार समझौतों और भू–राजनीतिक रुख के व्यापक नेटवर्क द्वारा समर्थित भारत की निर्यातोन्मुख नीतियां इसे जापान की ऐसी कंपनियों के लिए एक आदर्श केंद्र बनाती हैं, जो अपने उत्पादों को विशेष रूप से अफ्रीका और पश्चिम एशिया में निर्यात करना चाहती हैं।'' शार्दुल अमरचंद मंगलदास के भागीदार रुद्र कुमार पांडेय ने कहा, ''भारत के मौजूदा और भविष्य के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ द्विपक्षीय संबंध भारत में परिचालन करने वाली जापानी कंपनियों के लिए बड़े निर्यात अवसर उपलब्ध कराते हैं।''

मोहम्मद युनूस, प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात को लेकर बांग्लादेश के अनुरोध पर विचार हो रहाः जयशंकर

नयी दिल्ली, (भाषा) विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को यहां संसदीय समिति की बैठक में कहा कि आगामी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बैठक के लिए पड़ोसी देश द्वारा किए गए अनुरोध पर विचार किया जा रहा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि विदेश मामलों की संसदीय सलाहकार समिति की इस वर्ष की पहली बैठक में कई सांसदों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों पर चिंता जताई और पूछा कि भारत इस संबंध में क्या कदम उठा रहा है।सूत्रों के मुताबिक, जयशंकर ने सदस्यों से कहा कि बांगलादेश की अंतरिम सरकार ने दावा किया है कि हिंदुओं पर हमले ''राजनीति से प्रेरित'' थे और ''अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर'' नहीं किए गए थे। जयशंकर ने समिति के सदस्यों को बांग्लादेश, मालदीव, म्यांमा और श्रीलंका के साथ संबंधों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह बाद में पाकिस्तान और चीन के बारे में अलग से बात करेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि जयशंकर ने बैठक में यह भी कहा कि पाकिस्तान के रवैये के कारण दक्षेस (दक्षिण एशिया सहयोग संगठन) निष्क्रिय है और इसलिए भारत बिम्सटेक (बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है।

भारत और इटली ने सैन्य संबंध बढ़ाने पर विचार–विमर्श किया

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत और इटली ने रोम में दो दिवसीय बैठक की, जिसमें दोनों देशों ने अपने सैन्य सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के लिए यह विचार–विमर्श प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी द्वारा दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहित कुछ प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को विस्तारित करने के लिए पांच साल की रणनीतिक कार्य योजना जारी किये जाने के चार महीने बाद हुआ। नवंबर में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच हुई बातचीत के बाद यह कार्य योजना जारी की गई थी। दोनों पक्षों ने बीस और 21 मार्च को आयोजित भारत–इटली सैन्य सहयोग समूह (एमसीजी) के 13वें संस्करण की बैठक में हिंद–प्रशांत क्षेत्र में समग्र स्थिति की भी समीक्षा की। मंत्रालय ने कहा कि चर्चा में द्विपक्षीय सैन्य–केंद्रित सहयोग के दायरे का विस्तार करने के लिए नये रास्ते तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया गया। मंत्रालय ने कहा, ''मुख्य एजेंडा बिंदुओं में उन्नत विनिमय कार्यक्रम, क्षमता विकास प्रयास और भारतीय और इतालवी सशस्त्र बलों के बीच सहयोग को मजबूत करना शामिल था।''

सीमा शुल्क नियमों में संशोधन से आयातकों के लिए अनुपालन की लागत बढ़ेगी : जीटीआरआई

नयी दिल्ली, (भाषा) मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत आयातित उत्पादों की जांच के लिए सीमा शुल्क नियमों में संशोधन से कंपनियों के लिए रियायती शुल्क पर आयात करना मुश्किल होगा और इससे उनकी अनुपालन की लागत भी बढ़ेगी। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को यह बात कही। शोध संस्थान ने हालांकि कहा कि इस कदम से एफटीए के दुरुपयोग पर अंकुश लगेगा, क्योंकि भारत ने कई ऐसे उदाहरण देखे हैं जहां चीन जैसे गैर–एफटीए देशों से आने वाले उत्पादों को तरजीही शुल्क लाभ का फायदा उठाने के लिए वियतनाम या सिंगापुर जैसे एफटीए सदस्य देशों के माध्यम से भेजा गया है। वित्त मंत्रालय ने 18 मार्च को सीमा शुल्क (व्यापार समझौतों के तहत उत्पत्ति के नियमों का प्रशासन) नियम, 2020 (सीएआरओटीएआर) में संशोधन पेश करते हुए एक अधिसूचना जारी की थी। जीटीआरआई ने कहा कि संशोधन 'उत्पत्ति प्रमाणपत्र' (सीओओ) शब्द को सीएआरओटीएआर ढांचे के तहत विभिन्न नियमों और प्रपत्रों में एक व्यापक शब्द 'उत्पत्ति प्रमाण' से बदल देता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ''यह बदलाव आसियान आदि के साथ कई मौजूदा एफटीए के तहत 'टकराव' पैदा करता है, जहां निर्यातक देश द्वारा जारी किया गया मूल प्रमाणपत्र ही स्वीकार्य दस्तावेज है।'' उन्होंने कहा कि इस कदम से कंपनियों के लिए रियायती शुल्क पर आयात करना कठिन हो सकता है। श्रीवास्तव ने कहा कि अक्सर आसियान (दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के संघ) देशों के माध्यम से भेजे जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स सामान, एसी–फ्रिज और वाहन कलपुर्जों की कड़ी जांच का सामना करना पड़ सकता है।

बीते सप्ताह सरसों तेल–तिलहन, सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन तेल में गिरावट

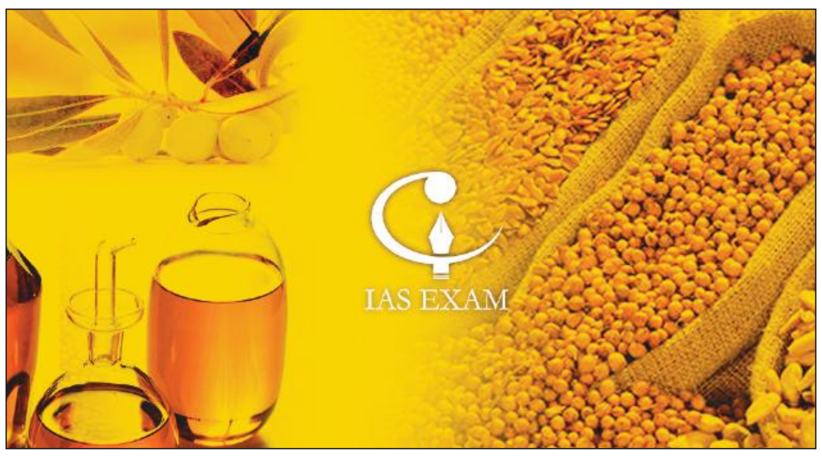

नयी दिल्ली, (भाषा) बीते सप्ताह सरसों तेल–तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम अपने पूर्व सप्ताहांत के मुंकाबले गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं महाराष्ट्र में मांग बढ़ने के बीच सोयाबीन तिलहन, आवक कम होने और मांग बढ़ने की वजह से मूंगफली तेल–तिलहन तथा पामोलीन से सस्ता होने के कारण बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह बड़ी तेल मिलें सरसों किसानों का मनोबल तोड़ने के लिए सरसों के दाम में घट–बढ़ कर रही थीं। इससे खासकर लघु एवं सीमांत किसानों में थोड़ी अफरा–तफरी का माहौल बना है और उनकी छिटपुट बिकवाली से फिलहाल दाम में गिरावट है। वैसे देखा जाये तो इस बार पहले का बचा स्टॉक समाप्त हो चला है, उत्पादन कम हुआ है, वार्षिक खाताबंदी के बाद सरसों की मांग बढ़ने के भरपूर आसार हैं। ऐसे में सरकार को सरसों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरकारी खरीद जल्द से जल्द शुरू करनी चाहिये जिससे छोटे व सीमांत किसानों को भी लाभकारी दाम सुनिश्चित होगा और सरकार भी जरूरत के लिए सरसों का स्टॉक बना सकती है। उन्होंने कहा कि सरसों का हाजिर दाम फिलहाल एमएसपी से 4–5 प्रतिशत कम है और सरकारी खरीद का यह सबसे अच्छा समय हो सकता है। वार्षिक खाताबंदी के बाद सरसों की लिवाली तेज होने पर सरसों के दाम बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इस स्थिति पर नजर रखनी चाहिये कि सरसों तिलहन के हाजिर दाम एमएसपी से 4–5 प्रतिशत कम होने के बावजूद हाजिर बाजार में जो सरसों तेल 145–146 रुपये लीटर मिलना चाहिये वह लगभग 155–160 रुपये लीटर के भाव क्यों बिक रहा है? सूत्रों ने कहा कि महाराष्ट्र वालों की सोयाबीन की मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के दाम में सुधार है। उल्लेखनीय है कि पॉल्ट्री कंपनियों की सोयाबीन डी–आयल्ड केक (डीओसी) की सबसे अधिक मांग महाराष्ट्र की होती है। हालांकि, इस सुधार के बावजूद अब भी सोयाबीन तिलहन का दाम एमएसपी से 17–18 प्रतिशत नीचे ही है। उन्होंने कहा कि बीते सप्ताह से पहले के सप्ताह में जिस सोयाबीन डीगम तेल का दाम 1,090–1,095 डॉलर था वह घटकर बीते सप्ताह 1,060–1,065 डॉलर प्रति टन रह गया। इस कारण सोयाबीन तेल कीमतों में गिरावट देखी गई।सूत्रों ने कहा कि मूंगफली का हाजिर दाम एमएसपी से 14–15 प्रतिशत नीचे चल रहा है। इस बीच, बाजार में सूरजमुखी और पामोलीन तेल की उपलब्धता कम होने से मूंगफली की मांग है। इस वजह से अपने पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह मूंगफली तेल–तिलहन के दाम में सुधार दर्ज हुआ। उन्होंने कहा कि बीते सप्ताह के पूर्व सप्ताह में सीपीओ का दाम 1,205–1,210 डॉलर से घटकर 1,175–1,180 डॉलर प्रति टन रह गया। विदेशों में दाम में इस गिरावट के कारण बीते सप्ताह सीपीओ और पामोलीन तेल के दाम में गिरावट आई। इस गिरावट के बावजूद सोयाबीन के मुकाबले पामोलीन का आयात 10 रुपये किलो महंगा बैठता है। सूत्रों ने कहा कि देश में कपास की उपलब्धता कम है और मंडियों में आवक निरंतर घट रही है। जो आवक कुछ दिन पहले पहले 90–95 हजार गांठ की थी वह घटकर अब 60–65 हजार गांठ रह गई है। अगली फसल आने में लगभग सात महीने का समय है। इस परिस्थिति में बीते सप्ताह बिनौला तेल के दाम में सुधार देखा गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा, पंजाब में 7,250–7,350 रुपये क्विंटल वाले बेहतरीन कपास नरमा का भाव बीते सप्ताह बढ़कर एमएसपी से कुछ अधिक यानी लगभग 7,550–7,650 रुपये क्विंटल हो गया। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 10 रुपये की गिरावट के साथ 6,100–6,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 13,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10–10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,340–2,440 रुपये और 2,340–2,465 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में महाराष्ट्र की मांग के कारण सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 30–30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,180–4,230 रुपये और 3,880–3,930 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर विदेशों में दाम टूटने के कारण सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 325 रुपये, 225 रुपये और 275 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 13,600 रुपये, 13,350 रुपये और 9,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 5,725–6,050 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 50 रुपये और 10 रुपये के सुधार के साथ 14,500 रुपये और 2,250–2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 425 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 425 रुपये की गिरावट के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, मांग बढ़ने के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 13,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जनवरी–मार्च में नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री 23 प्रतिशत घटकर 1.06 लाख इकाई रहने का अनुमान

नयी दिल्ली, (भाषा) ऊंची कीमतों और आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंता की वजह से चालू कैलेंडर साल की पहली (जनवरी–मार्च) तिमाही में देश के नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री 23 प्रतिशत घटकर 1.06 लाख इकाई रहने का अनुमान है। रियल एस्टेट डेटा विश्लेषण कंपनी प्रॉपइक्विटी की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, चालू कैलेंडर साल की पहली तिमाही में घरों की बिक्री पिछले साल की इसी अवधि के 1,36,702 इकाई से घटकर 1,05,791 इकाई रहने का अनुमान है।

NCM Engages with Sikh Community Leaders to Foster Unity, Empower Youth, and Address Key Social Issues

New Delhi, Focus News: The National Commission for Minorities (NCM) held a significant meeting with Sikh community leaders to discuss key issues related to community building, youth empowerment, education, employability, and the collective fight against drug abuse. The discussions emphasized the need to strengthen social harmony and unity within the Sikh community while fostering interfaith comity. A major focus was placed on empowering the youth through quality education, skill development, and employment opportunities, ensuring they become self-reliant and contribute meaningfully to society. Regarding drug abuse, the participants deliberated on ways to raise awareness, rehabilitate affected individuals, and implement preventive measures. Shri Iqbal Singh Lalpura, Chairman underscored the importance of collaborative efforts between the government, community leaders, and civil society to tackle these challenges effectively. Lalpura also elaborated on various government schemes and initiatives aimed at empowering the Sikh community. He highlighted programs focused on education, skill development, and employment generation to uplift youth and improve their prospects. Emphasizing inclusivity, he assured the community of continued support in tackling social challenges like drug abuse while fostering unity and economic growth through collaborative efforts.

He emphasized the importance of unity and social harmony, highlighting the government's unwavering commitment to safeguarding the rights and welfare of the Sikh population. Encouraging collective efforts, he called for a focus on education, employment, and youth empowerment, ensuring that the Sikh community continues to thrive in a secure and inclusive society. The Sikh participants unanimously welcomed the Government's proactive approach and sincerely thanked the Prime Minister Shri Narendra Modi. They also expressed their commitment to supporting initiatives aimed at education, skill-building, and employment generation. The participants also showed their resolve to continue working towards a more empowered and prosperous community.

NSO India and IIT Gandhinagar Launch Hackathon to Tackle Real-World Data Challenges by use of Emerging Technology

Gandhinagar, Focus News: Hackathon has received an overwhelming response and brings together bright young minds from across the country for solving the problems faced by practitioners. A total of 700 teams consisting of five members from different educational institutions applied for three uses cases related to application of AI/ML in the field of Official Statistics. Out of 700 teams, 19 teams from prestigious institutions such as Indian Institute of Information Technology , Indian Institute of Technology ,Thapar Institute of Engineering and Technology, VIT Vellore, University of Delhi, Rajiv Gandhi Institute of Petroleum Technology, National Institute of Technology, Jawaharlal Nehru University, Plaksha University, NMIMS Mumbai, and PSG Institute of Technology and Applied Research etc. have been shortlisted for participation in 36 hour Hackathon started today. During the inaugural session, ADG MoSPI highlighted modernisation initiatives of NSO, India including data innovation lab, eSankhyiki portal etc., emphasizing the role of data-driven solutions in shaping policy and governance. He encouraged participants to approach the problems with creativity and analytical rigor, in the spirit of contribution towards nation-building for Vikshit Bharat.

He also profusely thanked Dr. Rajat Moona and IIT Gandhinagar for collaborating with MoSPI for the Hackathon.Dr. Rajat Moona, Director, IIT Gandhinagar complimented MoSPI for its endevour to use AI and data innovation for improving official statistics. He appreciated the problem statements shared by the Ministry for this Hackathon as being very relevant to real-world Statistical problems. He extended his best wishes to all teams, expressing confidence that the outcome would be useful to solve the problems in real world scenario. He also expressed his confidence that all the students will be winner, either by winning prize or by enriching their knowledge. He also urged students to seize this opportunity to refine their problem-solving skills and contribute innovative ideas to the field of data science and analytics. Several senior Officers from NSO India and faculty members from IIT Gandhinagar and other institutions were also in present to encourage and support the initiative. The event promises to be an exciting platform for innovation, collaboration, and learning, setting the stage for future advancements in statistical and data-driven decision-making. Hackathon would conclude with the announcement of winners on 23rd March 2025.

Cycling not only enhances health but also builds character, says Manuskh Mandaviya during 'Fit India Sundays on Cycle' in Lucknow

New Delhi, Focus News: Honourable Union Minister of Youth Affairs & Sports Dr Mansukh Mandaviya led more than 500 riders during the 'Fit India Sundays on Cycle' here along with Minister of State for Sports & Youth Welfare, Govt of Uttar Pradesh, Girish Chandra Yadav, Principal Secretary (Sports) Manish Chauhan and Secretary (Sports) Uttar Pradesh Suhas Yathiraj. Spreading Honourable Prime Minister Narendra Modi's message of fighting obesity and indulging in a healthy and active lifestyle, Dr Mandaviya said "Cycling not only enhances one's health but also builds character." The Union Sports Minister completed a 3 kilometre ride from Marine Drive (Samajik Parivartan Sthal) to Samta Mulak Chauraha to 1090 Chauraha and back along with senior officials from Sports Authority of India (SAI) and members of MyBharat intitiative and Physical Education Foundation of India (PEFI). Organised by SAI's Netaji Subhas Regional Centre in Lucknow, the cycling drive witnessed huge enthusiasm from young boys and girls and 100-plus athletes from the local National Centre of Excellence (NCOE) who also grooved to Zumba performances prior to the cycling drive. Addressing the media after the cycle rally, Dr Mandaviya encouraged citizens to incorporate cycling in their daily routines to fight obesity and reduce air pollution levels across the country. "Cycling not only enhances one's health but also builds character, boosts confidence and shapes the future of our nation. It is not just a mode of transport, but a key step towards a healthier, more sustainable future. By adopting cycling as part of our daily lives, we can improve our physical well-being, reduce pollution and contribute to a greener environment. I urge every citizen to embrace cycling, not only as a hobby but as a regular part of their lifestyle for the benefit of their health and our planet. Let us all make fitness a priority, for a healthy youth is the strength of a prosperous state and country," he said.

Girish Chandra Yadav, Hon'ble Minister of State for Sports and Youth Welfare, Govt. of Uttar Pradesh, remarked: "Fitness is the foundation of a strong and vibrant society. For our youth to succeed in life, both physically and mentally, it is essential that we instill the values of discipline, hard work and fitness." In Delhi, the 'Fit India Sundays on Cycle' saw the presence of Paris Paralympics para badminton medallists Nitesh Kumar and Manisha Ramadass. The athletes were in Delhi to participate in the ongoing Khelo India Para Games 2025. Smt Sminu Jindal, founder of Svayam, the official accessibility partner of KIPG 2025, was also present to motivate the participants. Nitesh, Manisha and Ms. Jindal flagged off the event that was supported by PEFI and witnessed participation of more than 600 people. In Mumbai, Asian Games medal-winning javelin thrower Kishore Jena participated in the cycling movement at picturesque Aksa Beach. Till now, the nationwide cycling drive has been organised across 5000 locations with approximate participation of 2 lakh-plus individuals. The movement also promotes environment-friendly practices to decrease air pollution levels across the country. The initiative is being conducted across multiple States & Union Territories with participation from cycling enthusiasts, athletes, coaches, sports science experts, amongst others. Previously, the cycling event witnessed participation of Indian Army jawans, Central Reserve Police Force (CRPF), Indo-Tibetan Border Police (ITBP) and prominent sports stars like Lovlina Borgohain, Sangram Singh, Shanky Singh, Nitu Ghanghas, Saweety Boora, Paris Paralympics bronze medallist Rubina Francis and Simran Sharma (para world champion) apart from celebrities like Rahul Bose, Amit Sial and Gul Panag, to name a few. The 'Fit India Sundays on Cycle' is organised by the Ministry of Youth Affairs and Sports (MYAS), in collaboration with the Cycling Federation of India (CFI), My Bikes and MY Bharat. Events are simultaneously held nationwide at SAI Regional Centres, National Centres of Excellence (NCOEs) and the Khelo India centres (KICs).

2-week residential programme trains senior and mid-level election officials from Bhutan in election administration

New Delhi, Focus News: The 2-week residential capacity development programme on election administration for 40 senior and mid-level officers from Bhutan concluded on the 21st of March 2025 at IIIDEM, New Delhi. The Hon'ble Election Commissioner of Bhutan also participated in the programme. The programme was held from the 10th to the 21st of March 2025. Chief Election Commissioner (CEC) Gyanesh Kumar along with ECs Dr. Sukhbir Singh Sandhu and Dr. Vivek Joshi met the Election Commissioner of Bhutan Mr. Ugyen Chewang during his call on at ECI on the 18th of March 2025. A valedictory session was held on the 21st of March at IIIDEM. DEC Shri Ajeet Kumar in his opening address, reiterated India's commitment to deepening electoral cooperation and capacity-building engagements with Bhutan. Former CEC Shri T.S. Krishnamurthy also shared his insights on the robust institutional credibility developed by the ECI over decades. The valedictory session concluded with a vote of thanks from EC of Bhutan, Mr. Ugyen Chewang, followed by the distribution of certificates to all participants. The interactive, case-study based training programme covered key aspects of election management, aimed at enhancing electoral management capabilities, sharing international best practices, and fostering stronger institutional cooperation between India and Bhutan. Based on the request of the EC of Bhutan, a two-night visit to Rewalsar, Mandi, Himachal Pradesh was organised from the 15th to 17th March 2025, a revered site associated with Guru Padmasambhava, who introduced Buddhism to Bhutan. The Bhutan EC also planted a Ficus Religiosa (Peepal tree) sapling on campus signifying the mutual values of peace, sustainability, and spiritual wisdom that both nations share on the 19th of March. Regular training programs and visits characterise ECI's engagement with Bhutan.

Indian Institute of Corporate Affairs (IICA) launches Samarthya: National Competition on Corporate Rescue Strategies 2025 at Manesar

New Delhi, The Indian Institute of Corporate Affairs (IICA) inaugurated Samarthya: National Competition on Corporate Rescue Strategies 2025 on March 22,2025 at its campus in Manesar, Haryana. Taking place on March 22nd and 23rd, 2025, the programme offers a dynamic platform for students to devise innovative turnaround strategies for businesses facing financial distress. The event emphasizes practical learning and strategic thinking in corporate rescue, providing participants with hands-on experience in navigating real-world financial distress scenarios. Participants will analyse financial statements, develop corporate rescue strategies, and present their solutions to a panel of esteemed judges. Additionally, they will engage with insolvency professionals, legal practitioners, and business leaders through panel discussions and networking opportunities. The competition offers valuable industry exposure, expert feedback, and the opportunity to gain recognition for their innovative solutions.The inauguration ceremony commenced with the traditional Lighting of the Lamp, performed by distinguished judges of the event and dignitaries on the dais, symbolizing the formal commencement of the competition by an introduction by the Student Convenors for the event, Ms. Ayushi Agarwal, Ms. Eepsa Bansal, and Ms. Harshitha Ulphas. Following this, Dr. Pyla Narayana Rao, Course Director and Head of the School of Corporate Law, delivered the Inaugural Address, emphasizing the significance of corporate rescue strategies in ensuring business sustainability and financial resilience. Pavithra Ravi, Professor at Gujarat National Law University, delivered the Opening Remarks, offering insights into the competition's objectives. A video message from Mr. Kapileshwar Bhalla, LL.M Faculty, encouraged participants to apply their financial knowledge, critical thinking, and problem-solving skills.

Scholars Rally to Shape Intellectual Roadmap for National Maritime Heritage Complex (NMHC)

New Delhi, Focus News: The Union Minister of Ports, Shipping & Waterways (MoPSW), Shri Sarbananda Sonowal chaired an important seminar on the upcoming National Maritime Heritage Complex (NMHC) here today. Sonowal hailed this initiative as a sincere attempt to build the intellectual 'quoin of ancient India's sea faring legacy'. The seminar was graced by scholars of top repute including Padma Vibhushan awardee Sonal Mansingh, Padma Vibhushan awardee Dr Padma Subrahmanyam, N Ravi Kiran, Prof Neerja Gupta, Ratish Nanda, Prof Sushmita Sen, Dr Jeevan Kharakwal, Raghujiraje Shahajiraje Angre, Abhay Kumar Singh among others who shared insights on various aspects of maritime heritage, archaeology and historical trade relations. The Union Minister, Shri Sarbananda Sonowal inaugurated the seminar, reaffirming the government's dedication to develop the NMHC as a world-class hub for maritime research, cultural exchange, and heritage tourism. The core session of the seminar brought together a distinguished panel of eminent experts, including leading scholars, historians, archaeologists, and academicians, who delivered insightful presentations and engaged in in-depth discussions. The deliberations covered a wide array of topics, such as ancient Indian navigation, naval architecture, and shipbuilding techniques. Experts also explored India's historical maritime trade networks with Greco-Roman civilisations and Southeast Asia, as well as the significant role of social and cultural practices in shaping maritime heritage.

Sanjeev Sanyal, Member of the Prime Minister's Economic Advisory Council, addressed the audience, highlighting the profound historical and economic importance of India's maritime heritage. Shri Sanyal underscored the necessity of interdisciplinary research to further bolster the NMHC initiative. Discussions further delved into the influence of religious traditions, folklore, and art on India's seafaring legacy, along with the evolution of maritime defence strategies, notably the rise of Maratha naval power. Additionally, the session highlighted the critical role of conservation architecture and museum studies in safeguarding maritime artefacts. Scholars also presented research on linguistic, literary, and epigraphic evidence related to India's coastal regions and maritime inscriptions, underlining the depth and diversity of India's ancient maritime traditions. The seminar reinforced the Ministry of Ports, Shipping, and Waterways' commitment to developing the NMHC into a world-class maritime heritage centre—promoting research, education, and cultural exchange, while preserving India's rich seafaring legacy for generations to come. This landmark event brought together a distinguished panel of subject matter experts, historians, archaeologists, and maritime scholars to deliberate on key aspects of India's rich maritime legacy and the development of NMHC as a world-class heritage complex.

Union Minister Manohar Lal Reviews Power Sector in Odisha

New Delhi, Focus News: Union Minister of Power and Housing & Urban Affairs, Shri Manohar Lal, visited Bhubaneswar and held a detailed review meeting with senior officials of the Government of Odisha on the state's power sector development today. The discussions covered key issues including fly ash utilization, capacity addition, transmission infrastructure, and power allocation. During the meeting, on the issue of achieving fly ash utilization targets Shri Manohar Lal assured that a joint meeting with the Ministries of Coal, Environment, and Railways will be convened to address the issue comprehensively, including the provision of adequate rail rakes for long-distance transportation of fly ash. Highlighting the need to meet growing power demands, the State Government informed that Odisha currently has 20 GW of operational coal-based thermal power capacity, with an additional 10 GW in the pipeline, expected to be commissioned over the next 5–6 years. The Union Minister encouraged the development of more pit-head thermal power plants in Odisha, including through joint ventures with GENCOs of other states.

On the transmission front, Odisha shared its intra-state planning strategy and recent progress in strengthening supply to cities like Bhubaneswar and Cuttack. Hon'ble Minister was also apprised of the steps taken by the Odisha Power Transmission Corporation Limited (OPTCL) to resolve Right of Way (RoW) issues. He informed that the proposal for establishing a Green Energy Corridor within the intrastate transmission network of Odisha will be taken up by MNRE after March 31, 2025, upon completion of the compilation process. Regarding the inclusion of Odisha in the subsequent phase of the Revamped Distribution Sector Scheme (RDSS), the Union Minister assured that the matter would be taken up appropriately. On power allocation, he stated that Odisha will receive adequate power from Phase-II of NLCIL's Talabira Thermal Power Project in line with Ministry of Power guidelines. The visit reflects the Centre's commitment to strengthening Odisha's power infrastructure and facilitating sustainable growth in the energy sector.

CGST Delhi East Commissionerate encourages greater compliance and awareness among unregistered manufacturers and traders during GST Registration Campaign 2025

New Delhi, Focus News: The Central Goods and Services Tax (CGST) Delhi East Commissionerate successfully launched its GST Registration Campaign on 21st-22nd March, 2025, with the aim of encouraging greater registration and compliance under the Goods and Services Tax (GST) regime. This initiative sought to engage unregistered manufacturers and traders in falling under the jurisdiction of CGST Delhi East to help them understand the importance of registering with the GST Department and complying with the provisions of the law, like:

Hallan Chowk, Old Seelampur, Gole Baithak, Old Seelampur

Jacket Market of Jaffrabad and

Subhash Road, Gandhi Nagar, New Seelampur

GST Helpdesks were set up at the above locations to address queries and help in the GST registration process.

This initiative received a warm and encouraging response from the local trade community, many of whom were previously unregistered, often conducting their transactions primarily in cash, which has a negative impact on the Indian economy. Over the course of the campaign, more than 2,000 queries from traders were addressed by GST officers, who provided valuable assistance with the registration process. The drive proved to be a success, with a significant number of unregistered traders coming forward to voluntarily register their businesses under GST, with more than 100 registration applications being generated on spot after following due process. As part of the outreach efforts, 200 students from reputed Universities were invited to be GST Ambassadors to create awareness for the two-day campaign. These volunteers/GST Ambassdors were closely monitored and guided by a large team of GST officers comprised of 10 Assistant Commissioner/Deputy Commissioners and more than 80 officials. The students actively participated in spreading awareness about GST provisions and assisted traders by going shop-to-shop to brief them about the process and benefits. The students went for door-to-door campaigning and helped conduct survey through aid of pre-decided questionnaire. Standard script was prepared and the student's academic knowledge of Sales/Marketing/Market Survey was leveraged to generate leads for GST officers to follow up later. They distributed 7,500 pamphlets published in Hindi and Urdu, highlighting the provisions of GST Registration. A public announcement system, skits, street plays, mohalla campaigns at different locations were also organised by National School of Drama (NSD) team so that the people are made aware of the importance of payment of tax to the government as well as consequences of non-payment of tax. The successful execution of this campaign marks a crucial step in increasing GST registration among the unorganised sectors, thereby improving compliance and contributing to the overall growth and stability of the Indian economy. The CGST Delhi East Commissionerate remains committed to continuing such initiatives and ensuring that all sectors of trade are brought into the formal economy, fostering greater transparency, accountability, and economic growth. The GST registration campaign was carried out under the overall guidance of Shri Pawan Kumar, Commissioner of CGST Delhi East and Shri Paras Shankhla, Additional Commissioner and executed under close supervision of Shri Jyotiraditya, Additional Commissioner along with the GST officials, including, Anu Joshy, Deputy Commissioner, Shri Mingma Sherpa, Deputy Commissioner, Shri Anshuman Yadav, Assistant Commissioner, K.K. Singh, Assistant Commissioner, Shri Maujood Siddique, Assistant Commissioner, Shri O.P. Meena, Assistant Commissioner and Ms. Akshita Srivastava, Assistant Commissioner. The campaign culminated in a closing ceremony presided over by Shri Mahesh Kumar Rustogi, Director General, Directorate General of Taxpayer Services (DGTS), with an address the student volunteers, trade associations and civic society organisations along with the team of officers and officials. Rustogi highlighted the importance of formalisation of economy in achieving the target of $5 trillion economy and also enthused the audience to carry on this exercise and wished for a future wherein such campaigns transcend the boundaries of Delhi East CGST to other divisions and finally throughout the country.

KEEL LAYING OF SECOND AND THIRD NEXT GENERATION OFFSHORE PATROL VESSELS (YARD 1281 AND 1282)

New Delhi, Focus News: Keel Laying ceremony of the second and third Next Generation Offshore Patrol Vessels (NGOPV), to be constructed by Goa Shipyard Ltd (GSL), was held at M/s Yeoman Marine Services Private Ltd (YMSPL), Ratnagiri on 23 Mar 25. The contracts for indigenous design and construction of 11 NGOPV were concluded on 30 Mar 23 between Ministry of Defence and GSL, Goa and M/s Garden Reach Shipbuilders and Engineers (GRSE), Kolkata, with seven ships to be constructed by Lead Shipyard M/s GSL and four ships by Follow Shipyard M/s GRSE. Main hull blocks of Yard 1281 and Yard 1282 are being fabricated at the premises of YMSPL, Ratnagiri as part of GSL's build strategy. Keel Laying ceremony of both the vessels was held at Ratnagiri with V Adm R Swaminathan, Controller Warship Production & Acquisition as the Chief Guest, in the presence of senior officials from Indian Navy, M/s GSL and M/s YMSPL. The NGOPVs with an approximate tonnage of 3000T, are designed for Coastal Defence & Surveillance, Search & Rescue operations, Protection of Offshore Assets and Anti-Piracy missions. Keel Laying of these vessels marks a significant milestone in the overall project timeline. The 11 NGOPVs are being built in consonance with the nation's vision of 'Aatmanirbhar Bharat' and 'Make in India' and are poised to augment the Indian Naval maritime prowess.

Skill gap issues need to be addressed through industry-academia-govt partnerships and apprenticeship-embedded curriculum: Jayant Chaudhary

New Delhi, Focus News: "In today's knowledge driven world, right skill set gives us both the merit as well as national growth" – highlighted Sh. Jayant Chaudhary, Minister of State (Independent Charge), Ministry of Skill Development and Entrepreneurship. Speaking as the Chief Guest of the 3rd Annual Technical Festival "EPITOME 2025" of Gati Shakti Vishwavidyalaya Vadodara, through a video conference. Sh. Chaudhary emphasized that "Transportation is all about acceleration, and it accelerates growth. Future of Logistics is green and digital, and AI driven predictive maintenance shall be a key driver". Gati Shakti Vishwavidyalaya successfully concluded its 3rd Annual Tech-Fest "EPITOME'25". The fest over the course of two days covered immersive technical sessions from industry experts, deliberation over technological application for economy growth and display of path-breaking ideas for real world applications. The Minister emphasized the role of Logistics efficiency, and PM Gati Shakti National Master Plan. He mentioned that the investment by the country in multimodal logistics, aviation, railways, maritime etc are opening up global career pathways for the youth. However, the entire sector (Railways, Aviation, Logistics etc) being highly technical in nature, requires highly skilled manpower. Industry, Academia and Government must work in synergy for creating these skilled professionals to reduce errors and increase efficiency. Highlighting the role of Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, he mentioned that doubling of India's startup ecosystem by 2030, from 1.2 lakh to 2.4 lakh, is projected to create 50 million jobs, including direct white-collar roles, gig economy opportunities, and indirect jobs across industries and; therefore sector-specific skilling programs and encouraging startup culture are extremely important. The Govt of India has recently announced 60,000 crores scheme to upgrade ITIs.

Strongly praising the "Industry-driven" approach of Gati Shakti Vishwavidyalaya, Sh. Chaudhary advised the university to partner and mentor NSTIs to significantly enhance the reskilling and upskilling initiatives. The event was a hub of exchanging ideas, fostering steadfast collaborations, mentoring of young minds along with exploring and forming new alliances. It featured addresses from various industry leaders and from entities of social significance all highlighting the role of education institutes in cultivating young minds to reinforce and propel India towards Viksit Bharat by 2047. The 2-day technical festival with the theme "Transport 360: Land, Air, Sea and Beyond" attracted several top companies in the sector. Speaking on the occasion, Dr. Hemang Joshi (MP of Vadodara) spoke about the PM's vision of Viksit Bharat 2047 and very important role of Gati Shakti Vishwavidyalaya in it.

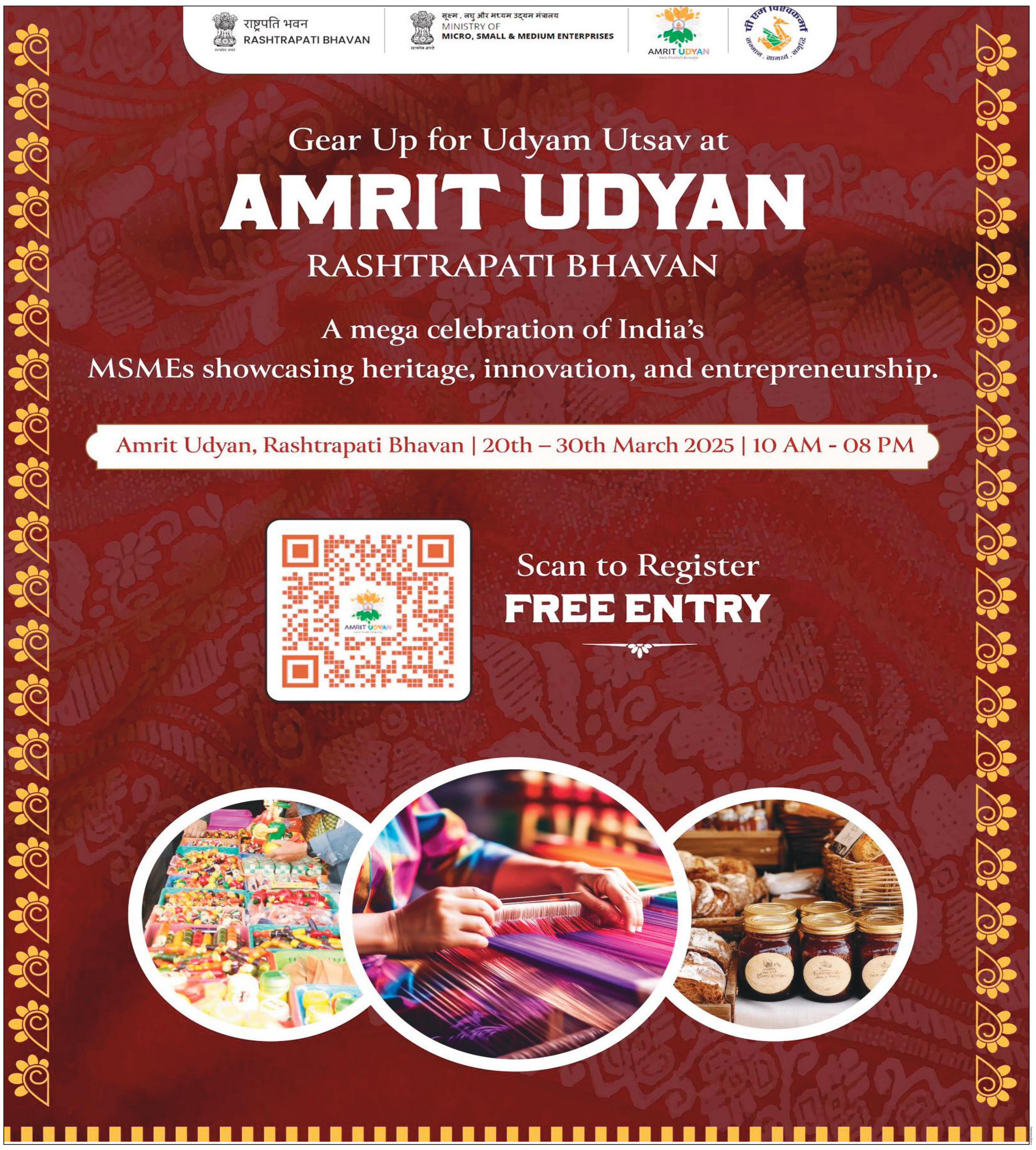

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने नासिक के त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पूजा–अर्चना की

नासिक, फोकस न्यूज, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नासिक के त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पूजा–अर्चना की और संत–महंतों से बातचीत की। जिला प्रशासन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने सुबह भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में शामिल इस मंदिर में आरती की। आगामी सिंहस्थ कुंभ मेले के मद्देनजर उन्होंने वहां मौजूद संतों और महंतों से बातचीत की। फडणवीस के साथ राज्य आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन, विधायक सिमा हिरे, देवयानी फरांदे, डॉ. राहुल आहेर और हीरामण खोसकर, संभागीय आयुक्त डॉ. प्रवीण गेदम, जिलाधिकारी जलज शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। विज्ञप्ति में कहा गया कि मंदिर में दर्शन से पहले मुख्यमंत्री ने शहीद दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों को पुष्पांजलि अर्पित की।

तमिलनाडु को इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन क्षेत्र में पीएलआई के तहत बड़ी संख्या में परियोजनाएं मिलीं: सीतारमण

चेन्नई, फोकस न्यूज, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि तमिलनाडु उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एक प्रमुख लाभार्थी के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि राज्य को इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन क्षेत्रों में इन परियोजनाओं का एक बड़ा हिस्सा मिला है। सीतारमण ने शनिवार शाम को चेन्नई नागरिक मंच के एक कार्यक्रम में राज्य सरकार के इन आरोपों को खारिज किया कि केंद्र ने वित्तपोषण के मामले में तमिलनाडु की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि राज्य में कई बड़ी परियोजनाओं की घोषणा हुई है और ये कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री ने कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जे और वाहन क्षेत्र में पीएलआई–योजना के तहत तमिलनाडु सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है। केंद्र से मंजूरी पाने वाली 27 कंपनियों में सात तमिलनाडु से बाहर स्थित हैं।'' सीतारमण ने कहा कि पीएलआई योजना से लाभ उठाने वाली 25 प्रतिशत कंपनियां तमिलनाडु से हैं। उन्होंने सरकार या किसी व्यक्ति का नाम लिए बिना, उन दावों को खारिज किया कि राज्य को केंद्रीय करों से न्यूनतम राजस्व मिला है। सीतारमण ने कहा, ''मुझे वास्तव में नहीं पता कि वे इस तरह का तर्क कैसे देते हैं। मुझे बस इतना कहना है कि राज्य पिछले 10 वर्षों में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं और क्षेत्र विशेष की पहल का लाभार्थी रहा है।'' उन्होंने यह भी बताया कि देश के दो प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा विनिर्माण क्लस्टर में एक तमिलनाडु और एक गुजरात में हैं। तमिलनाडु में क्लस्टर स्थापित करने के लिए 1,100 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। उन्होंने आगे कहा, ''तमिलनाडु वाहन और वाहन कलपुर्जा विनिर्माण में पीएलआई योजनाओं के तहत दूसरा सबसे बड़ा लाभार्थी है।'' वाहन क्षेत्र के लिए केंद्र की पीएलआई योजना के तहत स्वीकृत 82 आवेदनों में 46 तमिलनाडु से हैं।

भारत को व्यापक और विविध ऊर्जा संबंध विकसित करने होंगे : जयशंकर

मुंबई, फोकस न्यूज, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत को आवश्यक रूप से व्यापक और विविध ऊर्जा संबंध विकसित करने होंगे। जयशंकर ने यहां 'बिजनेस टुडे' के कार्यक्रम में कहा कि दशकों तक वैश्वीकरण के गुणों के बारे में सुनने के बाद, आज दुनिया औद्योगिक नीतियों, निर्यात नियंत्रण और शुल्क युद्ध की वास्तविकता से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दशकों के लिए अनुकूल ऊर्जा वातावरण सुनिश्चित करना भारत के प्रमुख कूटनीतिक उद्देश्यों में से एक है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन के अलावा बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा का विकास एवं उपयोग करना और छोटे मॉड्यूलर संयंत्रों की संभावनाओं का पता लगाना भी है। उन्होंने कहा, ''विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को आवश्यक रूप से ऊर्जा संबंधों का एक व्यापक और विविध स्वरूप विकसित करना होगा।'' जयशंकर ने कहा कि भारतीय दूतावास अब देश के वाणिज्यिक हितों की खोज में पहले से कहीं ज्यादा सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि वे जहां भी संभव हो, सूचना देते हैं, सलाह देते हैं और सुविधा प्रदान करते हैं, ताकि ''यह सुनिश्चित हो सके कि हमारा व्यवसाय अच्छा चले।'' उन्होंने कहा, ''हाल के वर्षों में एक नीतिगत निर्णय, जिसका महत्वपूर्ण आर्थिक निहितार्थ है, यूक्रेन संघर्ष के बाद ऊर्जा विकल्प तलाशने पर हमारा जोर था। सच्चाई यह थी कि हर देश ने वही किया, जो उसके अपने हित में था, भले ही कुछ लोग इसके विपरीत दावा करते हों।'' जयशंकर स्पष्ट रूप से यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत द्वारा रूस से तेल आयात करने की ओर इशारा कर रहे थे, जिसकी पश्चिमी देशों के एक वर्ग ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को एक समग्र रणनीति की आवश्यकता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत उन कुछ देशों में शामिल है, जो रूस और यूक्रेन, इजराइल और ईरान, लोकतांत्रिक पश्चिम, ग्लोबल साउथ, ब्रिक्स और क्वाड के साथ एक साथ जुड़ सकते हैं। ब्रिक्स भारत सहित अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह के बीच सहयोग का एक मंच है। वहीं, क्वाड ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के बीच एक कूटनीतिक साझेदारी है। जयशंकर ने कहा कि दशकों से वैश्वीकरण के गुणों के बारे में सुनने के बाद आज की दुनिया औद्योगिक नीतियों, निर्यात नियंत्रण और शुल्क युद्ध की वास्तविकता से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में, लाभ और प्रवृत्तियों की पहचान करना तथा उसके अनुसार अपनी नीतियों को ढालना आवश्यक है। विदेश मंत्री ने कहा कि आज वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम से मुक्त करने के बारे में व्यापक चिंता है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान अधिक विविध विनिर्माण, अधिक नवाचार और प्रौद्योगिकी तथा खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा से सीधे जुड़े व्यापार सहित मजबूत व्यापार में निहित है।

उप्र : प्रदेश सरकार के आठ वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव मनाएगी भाजपा

लखनऊ, फोकस न्यूज, उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर उपलब्धियों का उत्सव मनाएगी। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय से रविवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गयी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 मार्च, 2022 को दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और उनके नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ था। बयान के अनुसार भाजपा सरकार की अपराध पर जीरो टॉलरेंस की नीति, गांव, गरीब, किसान, महिला व युवाओं के सामाजिक व आर्थिक उन्नति को समर्पित सरकार की योजनाएं तथा भारतीय सांस्कृतिक जयघोष समेत अंत्योदय की नीति तथा साहसिक निर्णयों को लेकर भाजपा लोक दरबार में पहुंचेगी। भाजपा आगामी 24 मार्च से 14 अप्रैल तक प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश सरकार की आठ वर्ष की उपलब्धियों के साथ जनसंवाद करेगी। अभियान की दृष्टि से जिला स्तर पर 23 व 24 मार्च को कार्यशालाएं आयोजित की जायेंगी। अभियान के प्रदेश संयोजक व प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल ने बताया कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह द्वारा तय कार्य योजना के अनुसार "उत्तर प्रदेश का उत्कर्ष–भाजपा सरकार के आठ वर्ष" के संदेश के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को लेकर भाजपा जनमानस तक पहुंचेगी।

श्री नारायण निष्काम सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा के पंचम दिन सीता राम विवाह के प्रसंग का वाचन

नई दिल्ली। फोकस न्यूज। बुराड़ी स्थित कमल विहार, कमालपुर में श्री नारायण निष्काम सेवा समिति (पंजीव) के तत्वाधान में शान्ति कुंज पार्टी लॉन में आयोजित 10 दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के पांचवें दिन की कथा में प्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय श्री हरिशरण दास ने रोचक तरीके से सीता स्वयंवर और प्रभु श्री राम के धनुष उठाने वाले दृश्य का जीवंत वर्णन कर सभी को भाव विभोर कर दिया। श्रीराम से संबंधित विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से श्रीराम की महिमा का गुणगान किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धूमधाम से राम और सीता का विवाहोत्सव मनाया। वही विवाहोत्सव के बाद पूरा पंडाल जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा। राम और सीता का विवाह की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई । इस दौरान संगीतमयी भजन की दमदार प्रस्तुति हुई जिसे सुनकर श्रद्धालु झूमने से खुद को नहीं रोक सके। आयोजकों द्वारा इसके उपरांत श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। श्री नारायण निष्काम सेवा समिति की ओर से अतिथियों को सम्मानित किया गया। श्री नारायण निष्काम सेवा समिति के संरक्षक प्रेम चंद शर्मा; अध्यक्ष ललित पंत; महासचिव मनोज शर्मा; कोषाध्यक्ष गणेश उपाध्याय; वरिष्ठ सदस्य विपिन पंत एवं कृष्ण चंद जोशी; मंच संचालक हरिश पंत; नित्य यजमान एवं सांस्कृतिक सचिव दया किशन नैलवाल; नित्य यजमान भोपाल सिंह रावत, मनकामेश्वरी कैटर्स; मुख्य यजमान मदन सिंह मेहरा; हरिश पूरी सांस्कृतिक सलाहकार आनंद सिंह मेहरा; जगदीश चंद सत्यवाली; रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, कमल विहार, कमालपुर एवं समिति के सभी सदस्य सहित अनेक क्षेत्रवासी इत्यादि उपस्थित रहे।